केंद्र और राज्य शासन से विज्ञापन के लिए अनुमोदित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

16 वर्षों से निरंतर....

Website:- www.malwaherald.com

RNI No. MPHIN/2010/33238
dainikmalwaherald@yahoo.com
malwaherald@gmail.com

महाकालेश्वर जी का संध्या काल आरती श्रृंगार दर्शन

मालवा हेराल्ड

वर्ष : 16 अंक : 249 | उज्जैन, बुधवार 18 फरवरी 2026 | पृष्ठ-8 मूल्य-1 रुपए

सुविचार

हमारे जीवन की सबसे अच्छी यादें कभी भी तस्वीरों में कैद नहीं की जा सकतीं, वे दिल से कैद होती हैं

समावेशी विकास के साथ तीव्र गतिशील अर्थव्यवस्था वाला राज्य बना म.प्र. : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

सकल राज्य घरेलू उत्पाद में 11.14 प्रतिशत वृद्धि

भोपाल/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के कुशल नेतृत्व में मध्यप्रदेश की अर्थव्यवस्था समावेशी विकास के साथ अत्यंत गतिशील अर्थव्यवस्था बन गई है। वित्तीय अनुशासन, पारदर्शी प्रशासन और दूरदर्शी नीतियों के साथ मध्यप्रदेश की आर्थिक स्थिति सुदृढ़ हुई है। मध्यप्रदेश विधान सभा में मंगलवार को प्रस्तुत आर्थिक सर्वेक्षण 2025- 26 के अनुसार राज्य की अर्थव्यवस्था योजनाबद्ध रूप से संतुलित और परिणामोन्मुखी है।

1. वित्तीय वर्ष 2025-26 (अग्रिम अनुमान) में मध्यप्रदेश का सकल राज्य घरेलू उत्पाद प्रचलित मूल्यों पर 16,69,750 करोड़ अनुमानित है, जो वित्तीय वर्ष 2024-25 (त्वरित अनुमान) के 15,02,428 करोड़ की तुलना में 11.14 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है।

2. वित्तीय वर्ष 2025-26 (अग्रिम अनुमान) में मध्यप्रदेश का सकल राज्य घरेलू उत्पाद स्थिर (2011-12) मूल्यों पर 7,81,911 करोड़ अनुमानित है, जो वित्तीय वर्ष 2024-25 (त्वरित अनुमान) के 7,23,724 करोड़ की तुलना में 8.04 प्रतिशत की वास्तविक वृद्धि को दर्शाता है।

3. वित्तीय वर्ष 2011-12 से वित्तीय वर्ष 2025-26 की अवधि के दौरान मध्यप्रदेश की प्रति व्यक्ति शुद्ध आय प्रचलित मूल्यों पर 38,497 से बढ़कर 1,69,050 हो गई तथा स्थिर (2011-12) मूल्यों पर 38,497 से बढ़कर 76,971 हो गई, जो वास्तविक आय स्तर में उल्लेखनीय सुधार को दर्शाता है।

4. वित्तीय वर्ष 2025-26 (अग्रिम अनुमान) में सकल राज्य मूल्य वर्धन की क्षेत्रीय संरचना प्रचलित मूल्यों पर इस प्रकार रही–प्राथमिक क्षेत्र का योगदान 43.09 प्रतिशत, द्वितीयक क्षेत्र का 19.79 प्रतिशत तथा तृतीयक क्षेत्र का 37.12 प्रतिशत।

5. स्थिर (2011-12) मूल्यों पर इनकी हिस्सेदारी क्रमशः प्राथमिक क्षेत्र 33.54 प्रतिशत, द्वितीयक क्षेत्र 26.18 प्रतिशत तथा तृतीयक क्षेत्र 40.28 प्रतिशत रही।

6. वित्तीय वर्ष 2025-26 में प्राथमिक क्षेत्र की GSVA में हिस्सेदारी प्रचलित मूल्यों पर 43.09 प्रतिशत तथा स्थिर (2011-12) मूल्यों पर 33.54 प्रतिशत रही। प्रचलित मूल्यों पर इस क्षेत्र का कुल मूल्य वित्तीय वर्ष 2024-25 (त्वरित अनुमान) के 6,33,532 करोड़ से बढ़कर वित्तीय वर्ष 2025-26 (अग्रिम अनुमान) में 6,79,817 करोड़ हो गया, जो 7.31 प्रतिशत की वृद्धि दर को दर्शाता है।

7. वित्तीय वर्ष 2025-26 में प्राथमिक क्षेत्र के अंतर्गत फसलों का सर्वाधिक योगदान 30.17 प्रतिशत रहा, इसके बाद पशुधन 7.22 प्रतिशत, वानिकी 2.13 प्रतिशत, मत्स्यपालन एवं जलीय कृषि 0.61 प्रतिशत तथा खनन एवं उत्खनन 2.96 प्रतिशत रहा।

8. वित्तीय वर्ष 2025-26 में द्वितीयक क्षेत्र की GSVA में हिस्सेदारी प्रचलित मूल्यों पर 19.79 प्रतिशत तथा स्थिर (2011-12) मूल्यों पर 26.18 प्रतिशत रही। द्वितीयक क्षेत्र का कुल GSVA वित्तीय वर्ष 2024-25 (त्वरित अनुमान) के 2,84,125 करोड़ से बढ़कर वित्तीय वर्ष 2025-26 (अग्रिम अनुमान) में 3,12,350 करोड़ हो गया, जो प्रचलित मूल्यों पर 9.93 प्रतिशत तथा स्थिर मूल्यों पर 6.87 प्रतिशत की वृद्धि दर को दर्शाता है।

9. वित्तीय वर्ष 2025-26 में द्वितीयक क्षेत्र के अंतर्गत निर्माण क्षेत्र का सर्वाधिक योगदान 9.22 प्रतिशत रहा, इसके बाद विनिर्माण का 7.22 प्रतिशत तथा विद्युत, गैस, जलापूर्ति एवं अन्य उपयोगिता सेवाओं का 3.35 प्रतिशत योगदान रहा।

10. वित्तीय वर्ष 2025-26 में तृतीयक क्षेत्र की GSVA में हिस्सेदारी प्रचलित मूल्यों पर 37.12 प्रतिशत तथा स्थिर (2011-12) मूल्यों पर 40.28 प्रतिशत रही। तृतीयक क्षेत्र का कुल GSVA वित्तीय वर्ष 2024-25 (त्वरित अनुमान) के 5,05,679 करोड़ से बढ़कर वित्तीय वर्ष 2025-26 (अग्रिम अनुमान) में 5,85,588 करोड़ हो गया, जो प्रचलित मूल्यों पर 15.80 प्रतिशत तथा स्थिर मूल्यों पर 12.07 प्रतिशत की वृद्धि दर को दर्शाता है।

11. वित्तीय वर्ष 2025-26 में तृतीयक क्षेत्र के अंतर्गत व्यापार, मरम्मत, होटल एवं रेस्टोरेंट का सर्वाधिक योगदान 10.35 प्रतिशत रहा।

न्यूज ब्रीफ

उत्तर प्रदेश में चुनावी चुनौती से पहले संशय और संकट में कांग्रेस संगठन, अंतरकलह बढ़ने की आशंका

नई दिल्ली/ जीएनएस। उत्तर प्रदेश में जिस तरह की परिस्थितियां बन रही हैं, उसे देखते हुए हर दल के लिए 2027 का विधानसभा चुनाव चुनौतियों के पहाड़ के समान नजर आ रहा है। सत्ताधारी भाजपा सहित मुख्य विपक्षी सपा और बसपा चुनावी मोड में हैं, लेकिन फिलहाल कांग्रेस का संगठन बेपटरी दिखाई पड़ रहा है। संगठन की जिस कमजोरी के कारण कांग्रेस का प्रभाव प्रदेश में सिमटता गया, वही संगठन फिर से संशय और संकट से घिर गया है। लंबी कसरत के बाद संगठन सृजन अभियान के तहत जिलाध्यक्षों की जो टीम बनाई गई, वह विवादित हो गई। वर्तमान जिलाध्यक्षों पर हाईकमान के अविश्वास के कारण नई नियुक्तियों से अंतरकलह की आशंका तो है ही, इसके अलावा जो केंद्रीय पर्यवेक्षक बनाए गए हैं, उन्हें अब तक जिलों का भी आवंटन तक नहीं हो सका है। लोकसभा चुनाव 2014, विधानसभा चुनाव 2017, लोकसभा चुनाव 2019 और विधानसभा चुनाव 2022 के परिणामों ने कांग्रेस संगठन और उसके जनाधार की पोल खोलकर रख दी। पार्टी के रणनीतिकारों ने भी माना कि जब तक संगठन को धरातल पर मजबूत नहीं किया जाएगा, तब तक कांग्रेस की स्थिति नहीं सुधर सकती। हालांकि, इन परिणामों के बाद भी संगठन पर कोई ठोस काम होता दिखाई नहीं दिया, लेकिन 2024 के लोकसभा चुनाव में सपा के सहयोग से जिस तरह कांग्रेस एक से बढ़कर छह लोकसभा सीटों पर पहुंच गई, उसने पार्टी कार्यकर्ताओं का मनोबल बढ़ाया। इस माहौल को अगले चुनाव यानी 2027 में भी भुनाने की मंशा से संगठन सृजन के केंद्रीय अभियान के तहत उत्तर प्रदेश में भी नए सिरे से संगठन पर काम हुआ। दावा किया गया कि जिलों से लेकर बूथ अध्यक्ष तक की नियुक्ति एक-एक कार्यकर्ता को परखकर की गई है। जिलाध्यक्षों के साथ नई दिल्ली में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने बैठक कर जमीनी लड़ाई का गुरुमंत्र भी दे दिया, लेकिन जगह-जगह से नियुक्तियों को लेकर शिकायत-विवाद सामने आने लगे।

कर्नाटक HC ने राहुल गांधी को दी बड़ी राहत, BJP नेता की मानहानि याचिका खारिज

नई दिल्ली/ जीएनएस। राहुल गांधी के खिलाफ दायर आपराधिक मानहानि याचिका को कर्नाटक हाईकोर्ट ने मंगलवार को खारिज कर दिया। यह याचिका भाजपा की ओर से दायर की गई थी, जिसमें आरोप लगाया गया था कि कांग्रेस द्वारा विधानसभा चुनाव के दौरान प्रकाशित भ्रष्टाचार रेट कार्ड विज्ञापन के जरिए भाजपा के खिलाफ प्रोपेगैंडा फैलाया गया। जस्टिस सुनील दत्त यादव की अध्यक्षता वाली पीठ ने आदेश में कहा कि यदि इस याचिका पर आगे सुनवाई की जाती तो यह कानूनी प्रक्रिया का दुरुपयोग होता। अदालत ने राहुल गांधी से संबंधित आपराधिक कार्यवाही को निरस्त कर दिया। मामला भाजपा नेता केशव प्रसाद की शिकायत पर दर्ज हुआ था, जिसमें भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस नेताओं राहुल गांधी, मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार पर पूर्व मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार के खिलाफ झूठे विज्ञापन प्रकाशित कराने का आरोप लगाया गया था। शिकायत में कहा गया था कि 5 मई 2023 को प्रमुख अखबारों में छपे पूरे पेज के विज्ञापनों में भाजपा पर 40 प्रतिशत कमीशन लेने जैसे निराधार आरोप लगाए गए और इन्हें इंटरनेट मीडिया मंच एक्स पर भी साझा किया गया। राहुल गांधी की ओर से दलील दी गई कि उनके खिलाफ कोई प्रथम दृष्टया साक्ष्य उपलब्ध नहीं है और शिकायतकर्ता यह साबित करने में विफल रहा कि विज्ञापन उनके निर्देश पर जारी हुए या उन्होंने स्वयं सोशल मीडिया पर प्रसारित किए।

दुनियाभर के लिए एआई मॉडल का बुके बनेगा भारत, एआई इंपैक्ट समिट में बोले अश्विनी वैष्णव

नई दिल्ली/ जीएनएस। देश के साथ पूरी दुनिया को मुफ्त में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) से जुड़े विभिन्न सोल्यूशन भारत मुहैया कराने जा रहा है। नई दिल्ली में आयोजित दुनिया के सबसे बड़े एआई इंपैक्ट समिट 2026 में मंगलवार को इलेक्ट्रानिक्स व आईटी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि हम जल्द ही एआई मिशन 2.0 लांच करने जा रहा हैं जिनमें कृषि, शिक्षा, स्वास्थ्य, स्किलिंग, एमएसएमई जैसे कई सेक्टर के मॉडल होंगे और भारत की विभिन्न भाषाओं में होंगे।

यूपीआई प्लेटफार्म की तरह होगा बुके - यह बुके यूपीआई प्लेटफार्म की तरह होगा जिन पर सारे सोल्यूशन उपलब्ध होंगे और जरूरत के हिसाब से उसका इस्तेमाल किया जा सकेगा।

हमारा उद्देश्य है कि छोटे उद्यमियों के साथ, किसान, छात्र, महिला, युवा सभी को उनकी जरूरत के मुताबिक एआई की सुविधा मुफ्त में मिल सके। भारत का यह माडल भरोसेमंद होगा।

वैष्णव ने बताया कि एआई के सेक्टर अगले कुछ वर्षों में 200 अरब डालर का निवेश भी होने जा रहा है। एआई इंपैक्ट समिट में भारत यह भी प्रयास कर रहा है कि दुनिया के सभी देशों के बीच एआई के सकारात्मक इस्तेमाल को लेकर सहमति बनाई जाए।

तय समय सीमा के भीतर बंगाल के मुख्य सचिव ने चुनाव आयोग को भेजी अमल की रिपोर्ट

नई दिल्ली/ जीएनएस। चुनाव आयोग के सख्त रुख को देखते हुए बंगाल के मुख्य सचिव ने मंगलवार को तय समय-सीमा के भीतर उसके निर्देशों पर अमल की रिपोर्ट दे दी है।

हालांकि यह साफ नहीं पाया है कि बूथ लेवल आफीसर (बीएलओ) के बढ़े हुए मानदेय के भुगतान सहित चुनाव अधिकारियों और कर्मचारियों पर हमला करने वालों के खिलाफ एफआआईआर दर्ज की गई है या नहीं। असम के दौरे पर गए आयोग ने इस दौरान बंगाल के मुख्य सचिव की ओर से अमल रिपोर्ट मिलने की पुष्टि की है, साथ ही कहा है कि दौरे से लौटने के बाद रिपोर्ट को देखेंगे और उसके बाद जरूरी कदम उठाएंगे।

बंगाल मुख्य सचिव ने आयोग को रिपोर्ट सौंपी- आयोग ने पिछले दिनों बंगाल के मुख्य सचिव को पत्र लिखकर अपने निर्देशों के अमल न होने पर तीखी नाखुशी जताई थी।

साथ ही कहा था कि वह 17 फरवरी को शाम साढ़े पांच बजे तक इसके अमल की रिपोर्ट प्रस्तुत करें।सूत्रों की मानें तो आयोग इस तैयारी में भी है, यदि चुनाव की घोषणा से पहले बंगाल राज्य सरकार अपने स्तर से उसके निर्देशों का पालन नहीं करेगा तो चुनाव की घोषणा के बाद इसे अमल कराएगा।

बांस से बनेगा इथेनॉलः असम में बना दुनिया का पहला बैम्बू बेस्ड प्लांट, 30 हजार किसानों को जोड़ने का लक्ष्य

नई दिल्ली/ जीएनएस। असम के गोलाघाट जिलान्तर्गत नुमालीगढ़ में स्थापित दुनिया के पहले बांस-आधारित बायो-इथेनॉल संयंत्र - असम बायो इथेनाल प्राइवेट लिमिटेड (एबीईपीएल) ने उत्तर-पूर्वी भारत की कृषि-अर्थव्यवस्था में एक नई क्रांति की नींव रखी है।

कंपनी ने अगले तीन वर्षों के भीतर 30 हजार से अधिक किसानों को अपने साथ जोड़ने का लक्ष्य रखा है। यह पहल संयंत्र के लिए कच्चे माल (बांस) की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने के उद्देश्य से शुरू की गई है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा पिछले साल सितंबर में उद्घाटन किए गए इस संयंत्र की लागत 4,930 करोड़ रुपये है।

वर्तमान में यह संयंत्र अपने स्थिरीकरण चरण में है और अगले कुछ हफ्तों में पूर्ण क्षमता के साथ उत्पादन शुरू करने के लिए तैयार है।

तकनीकी विशिष्टता और उत्पादन क्षमता यह संयंत्र दुनिया की पहली ऐसी व्यावसायिक द्वितीय पीढ़ी की बायो-इथेनाल फैक्ट्री है, जो गन्ने या मक्के जैसे खाद्य फसलों के बजाय बांस को कच्चे माल के रूप में उपयोग करती है।

कम तौल, देरी और बहानेबाजी पर लगेगी लगाम

नई दिल्ली/ जीएनएस। देश के करीब 80 करोड़ लोगों को मिलने वाला राशन अब एआई यानी कृत्रिम बुद्धिमत्ता की मदद से और ज्यादा पारदर्शी बनाया जाएगा।

सरकार सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) में नई डिजिटल व्यवस्था लागू करने जा रही है, ताकि हर पात्र परिवार को सही मात्रा में और अच्छी गुणवत्ता का अनाज समय पर मिल सके।

नई व्यवस्था में अनाज की खरीद से लेकर गोदाम में भंडारण, ढुलाई और राशन की दुकान तक पूरे सिस्टम को डिजिटल निगरानी से जोड़ा जाएगा।

इससे कम तौल, देरी और बहानेबाजी जैसी शिकायतों पर रोक लगेगी। सभी चरणों की जानकारी आनलाइन दर्ज होगी, जिससे गड़बड़ी की गुंजाइश कम हो जाएगी और जिम्मेदारी तय करना आसान होगा।

स्मार्ट पीडीएस से खरीद से वितरण तक डिजिटल निगरानी- इस नई तकनीक का प्रदर्शन भारत मंडपम में आयोजित एआई समिट में किया गया है, जो 17 से 19 फरवरी तक आम लोगों के लिए खुला है।

सरकार का कहना है कि यह केवल तकनीकी बदलाव नहीं, बल्कि राशन व्यवस्था को भरोसेमंद और आम आदमी के अनुकूल बनाने की दिशा में बड़ा कदम है।

इस पहल में वर्ल्ड फूड प्रोग्राम का सहयोग भी लिया जा रहा है।सरकार ने राशन प्रणाली को स्मार्ट पीडीएस नाम के एकीकृत डिजिटल मंच से जोड़ा है। इसके जरिए राशन कार्ड का ब्योरा, अनाज का आवंटन, स्टाक की स्थिति, राज्यों तक भेजी गई खेप और दुकान पर वितरण सबकी निगरानी एआई से होगी।

इससे तुरंत पता चल सकेगा कि किस क्षेत्र में कितना अनाज चाहिए और कहां कमी है।ढुलाई व्यवस्था को सुधारने के लिए अन्न चक्र प्रणाली लागू की जाएगी।

पीएम मोदी का इजरायल दौरा होगा बेहद खास... डिफेंस, ट्रेड समेत होंगे कई अहम समझौते

नई दिल्ली/ जीएनएस। वैश्विक स्तर पर बढ़ती अनिश्चितताओं के बीच भारत ने अपनी रक्षा तैयारियों को जबरदस्त धार देना शुरू कर दिया है। मंगलवार को एक तरफ भारत अपने एक प्रमुख रक्षा साझेदार देश फ्रांस के साथ रक्षा सहयोग के अगले पांच वर्षों के रोडमैप को अंतिम रूप दिया है तो दूसरी तरफ एक अन्य रक्षा साझेदार देश इजरायल के साथ एक बहुत ही अहम रक्षा समझौता करने की तैयारी है जो बेहद संवेदनशील प्रौद्योगिकी से जुड़ी है। इस बारे में समझौता अगले हफ्ते पीएम नरेंद्र मोदी की इजरायल यात्रा के दौरान होने की संभावना है।

इजरायल के नई दिल्ली में राजदूत रुवेन अजार ने दैनिक जागरण के साथ एक विशेष बातचीत में इस बात की तरफ संकेत दिए। उन्होंने कहा कि, पीएम मोदी और राष्ट्रपति बेंजामिन नेतान्याहू मिलते हैं तो कुछ अच्छी चीजें निकलती हैं, इस बार भी भारतीय प्रधानमंत्री की यात्रा बहुत ही सफल रहने वाली है। पीएम मोदी करेंगे इजरायल का दौरा

पीएम मोदी की इजरायल यात्रा की आधिकारिक घोषणा अगले दो-तीन दिनों के भीतर होने की संभावना है लेकिन दोनों देशों के अधिकारी इस दौरान होने वाली घोषणाओं को अंतिम रूप देने में जुटे हैं। राजदूत अजार ने संकेत दिया कि इस यात्रा के दौरान रक्षा और कारोबार क्षेत्र में सहयोग दो सबसे अहम मुद्दे होंगे। खास तौर पर रक्षा क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण समझौता होने जा रहा है, जो दोनों देशों के बीच अधिक संवेदनशील तकनीकों के आदान-प्रदान और संयुक्त विकास का मार्ग प्रशस्त करेगा।

उन्होंने कहा, हमारे संबंधों में जो क्रांतिकारी बदलाव आया है, उसका उच्चतम स्तर प्रधानमंत्री मोदी की इजरायल यात्रा के दौरान देखने को मिलेगा। यह यात्रा अत्यंत सफल रहने वाली है, क्योंकि हम कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर काम कर रहे हैं। हम अपने संबंधों को और गहरा और व्यापक बनाने जा रहे हैं।

2017 के बाद पहली इजरायल यात्रा- भारतीय प्रधानमंत्री की यह वर्ष 2017 के बाद पहली इजरायल यात्रा होगी। पीएम बेंजामिन नेतान्याहू जनवरी, 2018 में नई दिल्ली आये थे। उसके बाद कम से कम दो बार उनकी भारत यात्रा की तैयारियां की गई हैं लेकिन अंतिम समय में किसी न किसी वजह से उन्हें रद करना पड़ा। हालांकि इसका द्विपक्षीय संबंधों पर कोई असर नहीं पड़ा है।

राष्ट्रपति शासन हटते ही खराब हुई मणिपुर की स्थिति? पुलिस ने कुकी समुदाय के 51 विद्यार्थियों को सुरक्षित निकाला

नई दिल्ली/ जीएनएस। मणिपुर के नगा बहुल उखरुल जिले के एक स्कूल से पुलिस ने 51 कुकी विद्यार्थियों को एहतियात के तौर पर सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया है। यह कदम नगा और कुकी समुदायों के बीच संघर्ष के बाद उठाया गया है।

उखरुल में तंगखुल नगा जनजाति और कुकी समुदाय लोगों के बीच एक सप्ताह से अधिक समय से तनाव है। उखरुल जिले के लिटन सारेखोंग इलाके में झड़प के दौरान लगभग 30 घर जला दिए गए थे।

पुलिस ने बताया, उखरुल जिला पुलिस ने उखरुल के जवाहर नवोदय विद्यालय रामवा के 51 विद्यार्थियों को निकाला और उन्हें कांगपोकपी जिले के जवाहर नवोदय विद्यालय में भेजने के लिए सैकुल पुलिस स्टेशन की टीम को सौंप दिया। इन विद्यार्थियों में 20 छात्राएं हैं। कांगपोकपी कुकी बहुल जिला है।

पुलिस ने कहा कि जिले में कानून व्यवस्था की मौजूदा स्थिति के कारण एहतियात के तौर पर छात्रों को निकाला गया। निकालने की प्रक्रिया के दौरान, कुछ लोगों ने विद्यार्थियों को बदमाश समझ लिया। स्थानीय संगठनों ने तनाव कम करने में प्रशासन की मदद की।

इस बीच सुरक्षा बलों ने मणिपुर में विभिन्न प्रतिबंधित संगठनों से संबंधित चार उग्रवादियों को गिरफ्तार किया है। इन उग्रवादियों में एक महिला शामिल है।

एरोड्रम पुलिस की बड़ी कार्यवाही, पिडीलाइट कंपनी की नकली Feviquick के 15,000 पाउच जब्त

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर के एरोड्रम थाना पुलिस ने ब्रांड की साख से खिलवाड़ करने वाले आरोपियों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए प्रसिद्ध कंपनी Pidilite Industries के उत्पाद Feviquick के लगभग 15,000 नकली पाउच जब्त किए हैं। जब्त माल की अनुमानित कीमत करीब 75 हजार रुपये बताई जा रही है। इस कार्रवाई से नकली उत्पादों के अवैध कारोबार पर बड़ा प्रहार माना जा रहा है।

दिनांक 16 फरवरी 2026 को पिडीलाइट कंपनी के जांच अधिकारियों ने थाना एरोड्रम, इंदौर में लिखित शिकायत दर्ज कराई थी कि शहर में कंपनी के उत्पाद Feviquick का नकली निर्माण और विक्रय किया जा रहा है। शिकायत में बताया गया कि इस अवैध गतिविधि से कंपनी को आर्थिक नुकसान पहुंच रहा है और शासन को करों की हानि हो रही है।

शिकायत पर त्वरित कार्रवाई करते हुए 17 फरवरी 2026 को एरोड्रम पुलिस टीम ने कंपनी अधिकारियों के साथ संयुक्त रूप से दबिश दी। सुखदेव विहार मेन रोड पर एक नीले रंग की एक्टिवा क्रमांक MP-09-W-7014 को रोका गया। वाहन की तलाशी लेने पर उसके पीछे रखे कार्टन से Feviquick के लगभग 15,000 नकली पाउच बरामद हुए। पुलिस ने मौके से माल सहित एक्टिवा वाहन भी जब्त कर लिया।

मामले में आरोपी पियूष पिता संजय मेघानी, निवासी 68 जयरामपुर कॉलोनी, इंदौर को गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में आरोपी ने स्वीकार किया कि उसने यह माल दिल्ली से मंगवाया था और ऑर्डर मिलने पर सप्लाई करने की तैयारी में था। कंपनी की शिकायत के आधार पर आरोपी के विरुद्ध अपराध क्रमांक 101/2026 के तहत कॉपीराइट एक्ट की धारा 51, 63 एवं भारतीय न्याय संहिता की धारा 318(4), 349(a), 212 के अंतर्गत प्रकरण दर्ज कर वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

इस सफल कार्रवाई में थाना प्रभारी तरुण सिंह भाटी, उपनिरीक्षक राम शाक्य, आरक्षक मनोज सिसोदिया एवं आरक्षक जीवन परिहार की सराहनीय भूमिका रही। इंदौर पुलिस ने आम जनता से अपील की है कि नकली एवं अवैध उत्पादों की जानकारी मिलने पर तुरंत नजदीकी थाना या पुलिस कंट्रोल रूम को सूचित करें, ताकि इस प्रकार के अवैध कारोबार पर प्रभावी रोक लगाई जा सके।

देवी अहिल्या होलकर राजनीतिक शुचिता, महिला सशक्तिकरण और सेवा की त्रिमूर्ति थीः राज्यपाल एवं कुलपाधिपति श्री पटेल

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। राज्यपाल एवं देवी अहिल्या विश्वविद्यालय इंदौर के कुलाधिपति श्री मंगुभाई पटेल ने कहा कि लोकमाता देवी अहिल्याबाई होलकर राजनीतिक शुचिता, महिला सशक्तिकरण और सेवा की त्रिमूर्ति थी। उन्होंने समाज को आगे ले जाने के लिए कई कल्याणकारी सेवा कार्य किए। गुजरात के जुनागढ़ से आए 60 परिवार को यहाँ बसाया और उन्हें रोजगार के साथ बेहतर जीवन प्रदान किया। यही वजह है कि 300 वर्ष बाद भी आज हम लोकमाता देवी अहिल्याबाई होलकर को उनके उत्कृष्ट और सेवा कार्यों के लिए याद करते हैं। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश तेजी से विकास और प्रगति के पथ पर आगे बढ़ रहा है। वर्ष 2047 में भारत विकसित बनकर रहेगा और इसमें देवी अहिल्या विश्वविद्यालय इंदौर का भी महत्वपूर्ण योगदान रहेगा। राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल आज देवी अहिल्या विश्वविद्यालय इंदौर (नैक द्वारा A+ ग्रेड प्रत्यायित) द्वारा आयोजित दीक्षांत समारोह में अपना अध्यक्षीय उद्बोधन दे रहे थे। इस मौके पर पद्मश्री नारायण व्यास, सांसद श्री शंकर लालवानी, देवी अहिल्या विश्वविद्यालय इंदौर के कुलपति डॉ. राकेश सिंघई, कुलसचिव श्री प्रज्वल खरे विशेष रूप से उपस्थित थे। यह आयोजन देवी अहिल्या विश्वविद्यालय इंदौर के सभागृह में आयोजित किया गया। राज्यपाल श्री पटेल ने शोधार्थियों को स्वर्ण और रजत के पदक प्रदान किये। राज्यपाल श्री पटेल ने दीक्षांत समारोह में पदक प्राप्त शोधार्थी- विद्यार्थियों को बधाई और शुभकामनाएं देते हुए कहा कि वे देवी अहिल्याबाई के जीवन से सीख लेकर निरंतर आगे बढ़े और अपने परिवार के साथ समाज और देश को भी गौरवान्वित करें। राज्यपाल श्री पटेल ने आगे कहा कि उपाधि केवल कागज का एक टुकड़ा या प्रमाण-पत्र नहीं है। यह उपाधि एक प्रकार से समाज और राष्ट को आगे ले जाने की जिम्मेदारी भी है कि हम सेवा भावना से कार्य करते हुए समाज को आगे ले जाए। राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि आज उपाधियां प्राप्त करने वालों में लड़कों के मुकाबले बेटियों की संख्या अधिक रही। यह बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ अभियान का परिणाम है। श्री पटेल ने कहा कि देवी अहिल्या विश्वविद्यालय इंदौर द्वारा जनजातीय समाज में फैल रही सिकल सेल एनीमिया बीमारी को नियंत्रण करने के लिए की जा रही पहल सराहनीय है। विपरीत परिस्थितियों में भी झूठ नहीं बोलें और सच्चाई के रास्ते पर चलें। त्रेता युग में मर्यादा पुरूषोत्तम श्रीराम के जीवन में भी अनेक कठिनाईयां आई थी, इसके बावजूद उन्होंने अपनी मर्यादा नहीं छोड़ी। भगवान श्री राम को माता-पिता ने जो आदेश दिया उसका उन्होंने अक्षरशः पालन किया। रामायण के हर पात्र से हम शिक्षा ग्रहण कर सकते हैं। विश्वविद्यालय इंदौर शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य कर रहा है।

बरलाई शक्कर कारखाना मामले में भाजपा नेताओं ने कलेक्टर से की मुलाकात, किसानों के लिए उचित मुआवजे की मांग

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर में मालवा सहकारी शक्कर कारखाना बरलाई से जुड़े अंशधारक किसानों को उनकी हिस्सेदारी के अनुपात में उचित मुआवजा दिलाने की मांग को लेकर भाजपा नेताओं और किसानों का प्रतिनिधिमंडल कलेक्टर कार्यालय पहुंचा। भाजपा जिला अध्यक्ष श्रावण सिंह चावड़ा के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने इंदौर कलेक्टर शिवम वर्मा से मुलाकात कर जिला प्रशासन से त्वरित कार्रवाई की मांग की। बैठक के दौरान नेताओं ने कहा कि बरलाई शक्कर कारखाने से जुड़े हजारों किसानों को उनकी जमीन के वर्तमान बाजार मूल्य के अनुसार भुगतान किया जाना चाहिए। साथ ही किसानों को उनके पुराने भूमि रिकॉर्ड उपलब्ध कराए जाएं, ताकि वे अपने अधिकारों की पुष्टि कर सकें। प्रतिनिधिमंडल ने यह भी मांग रखी कि संबंधित भूमि पर जारी निर्माण कार्य किसानों के अधिकारों के अंतिम निर्धारण तक रोका जाए और शासन व किसानों के बीच समन्वय समिति गठित कर विवाद का समाधान निकाला जाए। नेताओं ने प्रशासन से यह भी आग्रह किया कि किसानों से पूर्व में लिए गए शुल्क को वापस किया जाए और किसानों का भुगतान सुनिश्चित होने के बाद ही किसी भी प्रकार की आगे की निर्माण प्रक्रिया शुरू की जाए। भाजपा पदाधिकारियों ने प्रशासन से इस मामले में शीघ्र निर्णय लेने की अपील की। इस अवसर पर किसान मोर्चा प्रदेश मंत्री रवि रावलिया, आईपीसी बैंक के पूर्व अध्यक्ष उमानारायण पटेल, गोपाल सिंह चौधरी, कंचन सिंह चौहान, भारत सिंह चौहान, सुभाष चौधरी, पवन सिंह पटेल, लोकेंद्र सिंह पंवार सहित अन्य पदाधिकारी और किसान उपस्थित रहे।

राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने एनीमिया जागरूकता रथ को इंदौर भ्रमण के लिए किया रवाना

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। समाज में एनीमिया के प्रति जागरूकता लाने के उद्देश्य से 12 दिवसीय एनीमिया जागरूकता रथ अभियान की शुरुआत मंगलवार को हुई। इस रथ को इंदौर में भ्रमण के लिए राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस वर्ष अभियान रथ इंदौर शहर एवं आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में लगभग 20 लाख लोगों तक पहुंचने का लक्ष्य रखा गया है। 17 फरवरी से 1 मार्च तक चलने वाला यह 12 दिनी अभियान सांसद सेवा प्रकल्प इंदौर, आयुष मेडिकल वेलफेयर फाउंडेशन एवं एडवांस्ड होम्योपैथिक सोसायटी के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया जा रहा है। होम्योपैथिक चिकित्सक डॉ. ए.के. द्विवेदी के नेतृत्व में प्रतिवर्ष संचालित होने वाले इस अभियान की शुरुआत मध्य प्रदेश के राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने हरी झंडी दिखाकर की। यह कार्यक्रम देवी अहिल्या विश्वविद्यालय इंदौर परिसर में हुआ।

जनसुनवाई में पुलिस कमिश्नर इंदौर संतोष कुमार सिंह हुए प्रत्येक आवेदक से रूबरू, 57 शिकायतों पर दिए त्वरित कार्रवाई के निर्देश

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर में मध्य प्रदेश शासन के निर्देशानुसार आमजन की शिकायतों के निराकरण और समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए प्रत्येक मंगलवार को आयोजित की जाने वाली जनसुनवाई के तहत आज दिनांक 17 फरवरी 2026 को पुलिस कमिश्नर कार्यालय के सभागार में जनसुनवाई आयोजित की गई। इस दौरान Santosh Kumar Singh ने स्वयं उपस्थित रहकर नागरिकों की समस्याएं सुनीं और संबंधित अधिकारियों को समय सीमा में निराकरण के स्पष्ट निर्देश दिए।

जनसुनवाई में कुल 57 शिकायत आवेदन प्राप्त हुए। इनमें प्रमुख रूप से पारिवारिक विवाद, आपसी झगड़े, पैसों के लेनदेन से जुड़े मामले, फाइनेंशियल फ्रॉड, पूर्व में सुनवाई न होने की शिकायतें, प्लॉट एवं जमीन से संबंधित धोखाधड़ी, महिला अपराध तथा अन्य पुलिस संबंधी समस्याएं शामिल रहीं। पुलिस कमिश्नर ने प्रत्येक आवेदक से व्यक्तिगत रूप से संवाद कर उनकी समस्याओं को गंभीरता से सुना और संबंधित अधिकारियों को तत्काल आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

उन्होंने नागरिकों को आश्वस्त किया कि इंदौर पुलिस उनकी सुरक्षा और अधिकारों के संरक्षण के लिए सदैव प्रतिबद्ध है तथा हर शिकायत का नियमानुसार और समयबद्ध समाधान सुनिश्चित किया जाएगा। इस दौरान अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (कानून व्यवस्था) Amit Singh सहित सभी जोन के अधिकारी भी उपस्थित रहे और पुलिस कमिश्नर के निर्देशानुसार आवेदकों की समस्याओं को विस्तार से सुनते हुए आवश्यक कार्रवाई प्रारंभ की गई।

नर्मदा प्रथम-द्वितीय चरण की पाइपलाइन क्षतिग्रस्त, 48 घंटे का शटडाउन; 19 से 21 फरवरी तक कई क्षेत्रों में जलापूर्ति प्रभावित

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नर्मदा प्रथम एवं द्वितीय चरण की 1200 मिमी व्यास की पूर्व स्थापित पाइपलाइन वाचू पॉइंट पर क्षतिग्रस्त हो जाने के कारण जलापूर्ति व्यवस्था प्रभावित हो गई है। पाइपलाइन क्षति के चलते बड़ी मात्रा में शुद्ध पेयजल का अपव्यय हो रहा था, जिसके निराकरण के लिए नवीन पाइपलाइन बिछाकर उसे जोड़ने का कार्य किया जाएगा। उक्त कार्य हेतु 19 फरवरी 2026 की प्रातः से शटडाउन लिया जाएगा और कार्य पूर्ण होने में लगभग 48 घंटे का समय लगने की संभावना है।

मरम्मत कार्य के साथ ही प्रथम एवं द्वितीय चरण 180 एमएलडी के सब-स्टेशन 132 केवी छोटी खरगोन में ट्रांसफार्मर ऑयल टॉप-अप, सीटी ट्रांसफॉर्मर, आइसोलेटर, इंसुलेटर, कंडक्टर की सर्विसिंग, उपकरणों का मेंटेनेंस, ट्री कटिंग सहित अन्य संधारण कार्य किए जाएंगे। 33 केवी ट्रांसमिशन लाइनों में कंडक्टर, इंसुलेटर, डिस्क और जंपर बदलने का कार्य भी किया जाएगा। ओल्ड इंटेकवेल की 400 केडब्ल्यू वीटी मोटर पंपों की सर्विसिंग, ऑयल टॉप-अप, पैनल सर्विस और यार्ड की सफाई भी की जाएगी। इसके अतिरिक्त PH-2, PH-3, PH-4 और PH-5 के सभी एचएससी पंप एवं मोटरों की सर्विसिंग, नर्मदा नदी में सबमर्सिबल पंपों की सफाई, 2134 मिमी एमएस पाइपलाइन के एयर वाल्व की सर्विस, 363 एमएलडी भकलई प्लांट में चैनल और क्लेरिफायर टैंक की सफाई जैसे कार्य भी शामिल रहेंगे।

शटडाउन के कारण 19 और 20 फरवरी 2026 को अन्नपूर्णा टंकी एवं बिलावली टंकी क्षेत्र में सीधी जलापूर्ति प्रभावित रहेगी।

इसके साथ ही 20 और 21 फरवरी 2026 को खाली रहने वाली टंकियों के अंतर्गत अन्नपूर्णा, छत्रीबाग, राज मोहल्ला, एओजी लाइन, लोकमान्य नगर, द्रविण नगर, महाराणा प्रताप नगर, जिंसी हाट मैदान, नरवल, अगरबत्ती, टिगरिया बादशाह, सुभाष चौक, सदर बाजार, गांधी हाल, मल्हार आश्रम, स्कीम नंबर 103, कुशवाह मोहल्ला, बाणगंगा और जय हिंद नगर क्षेत्रों में जलापूर्ति प्रभावित रहेगी।

नगर निगम ने नागरिकों से अपील की है कि निर्धारित अवधि के दौरान आवश्यकतानुसार जल का संग्रह कर संयमपूर्वक उपयोग करें। मरम्मत कार्य पूर्ण होने के बाद जलापूर्ति पुनः सामान्य कर दी जाएगी।

ट्रैफिक प्रहरी अभियान से जुड़ रहे नागरिक, पुलिस कमिश्नर संतोष कुमार सिंह ने 4 उत्कृष्ट प्रहरियों को किया सम्मानित

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर शहर में सुगम, सुरक्षित और सुव्यवस्थित यातायात व्यवस्था सुनिश्चित करने के उद्देश्य से इंदौर पुलिस द्वारा संचालित ट्रैफिक प्रहरी अभियान को नागरिकों का व्यापक समर्थन मिल रहा है। पुलिस आयुक्त नगरीय इंदौर Santosh Kumar Singh के निर्देशन में चल रहे इस अभियान के तहत आमजन को यातायात प्रबंधन और नियमों के पालन में सहभागी बनाया जा रहा है, जिससे शहर में बेहतर ट्रैफिक व्यवस्था स्थापित की जा सके।

इसी क्रम में 17 फरवरी 2026 को पुलिस कमिश्नर कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम के दौरान बेहतर यातायात व्यवस्था में सराहनीय योगदान देने वाले चार उत्कृष्ट ट्रैफिक प्रहरियों योगेश इंगले, शेखर पटवा, शैलेन्द्र सिंह और घनश्याम जाधव को शील्ड, प्रशस्ति पत्र एवं उपहार देकर सम्मानित किया गया। साथ ही अभियान से जुड़ने वाले नए ट्रैफिक प्रहरियों को कैप, जैकेट, सिटी, लाइट बेटन और बैज प्रदान कर प्रोत्साहित किया गया। पुलिस कमिश्नर ने उनके सामाजिक योगदान की सराहना करते हुए कहा कि यह पहल नागरिक सहभागिता का सशक्त उदाहरण है।

पुलिस कमिश्नर संतोष कुमार सिंह ने जानकारी दी कि अब तक 3150 जिम्मेदार नागरिक ट्रैफिक प्रहरी अभियान से जुड़ चुके हैं और अपनी सुविधा अनुसार विभिन्न चौराहों पर यातायात प्रबंधन में सहयोग दे रहे हैं। उन्होंने आमजन से इस अभियान में अधिक से अधिक संख्या में जुड़ने की अपील करते हुए कहा कि इस मुहिम का मुख्य उद्देश्य नागरिकों को यातायात नियमों के पालन और प्रबंधन की प्रक्रिया में सहभागी बनाना है, ताकि शहर में सुरक्षित और सुचारू यातायात व्यवस्था को और मजबूत किया जा सके।

अभियान से जुड़ने के लिए इच्छुक नागरिक निर्धारित क्यूआर कोड स्कैन कर गूगल फॉर्म भर सकते हैं और अपनी सुविधा अनुसार समय एवं स्थान का चयन कर ट्रैफिक प्रहरी के रूप में सेवाएं दे सकते हैं। ट्रैफिक प्रहरी के माध्यम से नागरिक न केवल यातायात पुलिस की सहायता कर रहे हैं, बल्कि आमजन में यातायात नियमों के प्रति जागरूकता फैलाने में भी सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं।

बेहतर कार्य का मिला ईनाम, पुलिस कमिश्नर संतोष कुमार सिंह ने 13 पुलिसकर्मियों को किया सम्मानित

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर पुलिस कमिश्नरेट में उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारी और कर्मचारियों के उत्साहवर्धन के लिए शुरू किए गए साप्ताहिक पुरस्कार कार्यक्रम के तहत 17 फरवरी 2026 को पलासिया स्थित कार्यालय में सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इस दौरान पुलिस आयुक्त नगरीय इंदौर Santosh Kumar Singh ने विभिन्न क्षेत्रों में सराहनीय भूमिका निभाने वाले 13 पुलिस अधिकारी और कर्मचारियों को प्रशस्ति पत्र एवं नगद पुरस्कार देकर सम्मानित किया।

कार्यक्रम के अंतर्गत थाना बाणगंगा क्षेत्र में हुए अंधे कत्ल का सफल पर्दाफाश कर दो आरोपियों को गिरफ्तार करने तथा घटना में प्रयुक्त हथियार जब्त करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले उनि संजय धुर्वे, उनि शुभम पाण्डे, प्रधान आरक्षक कमलेश चावड़ा, प्रधान आरक्षक चरणसिंह, आरक्षक सुखवेन्द्र, आरक्षक प्रमोद मावई, आरक्षक धर्मेंद्र ओझा, आरक्षक नागेंद्र सिंह, आरक्षक रामकुमार त्यागी एवं आरक्षक जितेंद्र गोयल को विशेष रूप से सम्मानित किया गया।

इसके अलावा यातायात प्रबंधन में उत्कृष्ट कार्य करने पर म.आर. रानू को यशवंत रोड चौराहे पर बेहतर ट्रैफिक व्यवस्था बनाए रखने के लिए सम्मानित किया गया। सड़क सुरक्षा माह और ट्रैफिक प्रहरी अभियान के दौरान उल्लेखनीय योगदान देने पर आरक्षक सुमंत सिंह कछावा को पुरस्कृत किया गया, वहीं नो एंट्री प्वाइंट बिचोली अंडर ब्रिज पर प्रभावी यातायात प्रबंधन के लिए आरक्षक प्रदीप मनिहां को सम्मानित किया गया।

पुलिस कमिश्नर ने सभी पुरस्कृत अधिकारियों और कर्मचारियों को बधाई देते हुए कहा कि उत्कृष्ट कार्य करने वालों को सम्मानित करना अन्य कर्मियों के लिए प्रेरणा का कार्य करता है। उन्होंने सभी को भविष्य में भी समर्पण और निष्ठा के साथ बेहतर पुलिसिंग करने के लिए प्रोत्साहित किया। इस अवसर पर अतिरिक्त पुलिस आयुक्त आर. के. सिंह सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने भी पुरस्कृत पुलिसकर्मियों की सराहना कर उनका उत्साहवर्धन किया।

पितृ पुरुषों के तप और त्याग से भाजपा बनी विश्व की सबसे बड़ी पार्टी- रणवीर सिंह रावत

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर में भारतीय जनता पार्टी जिला ग्रामीण की परिचय बैठक के दौरान पार्टी नेताओं ने संगठन की कार्यपद्धति और विचारधारा पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष एवं इंदौर संभाग प्रभारी रणवीर सिंह रावत ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी आज विश्व की सबसे बड़ी पार्टी अपने पितृ पुरुषों के तप और त्याग के कारण बनी है। उन्होंने कहा कि भाजपा की विशेषता उसकी संगठनात्मक कार्यशैली और अनुशासन है, जहां बड़ा से बड़ा पदाधिकारी और छोटा से छोटा कार्यकर्ता समान रूप से संगठन के नियमों का पालन करता है। उन्होंने कहा कि पार्टी के कार्यकर्ताओं में विचारों को आगे बढ़ाने की ललक ही भाजपा को विशिष्ट बनाती है, इसी कारण कार्यकर्ता को देवतुल्य कहा गया है।

रणवीर सिंह रावत ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव के नेतृत्व में जनकल्याणकारी नीतियां लागू की जा रही हैं, जो समाज के प्रत्येक वर्ग को ध्यान में रखकर बनाई गई हैं। उन्होंने कार्यकर्ताओं से संगठन को और मजबूत करने का आह्वान किया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए इंदौर ग्रामीण के नवनियुक्त जिला प्रभारी एवं रतलाम नगर निगम के पूर्व महापौर शैलेंद्र डागा ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी केवल एक राजनीतिक दल नहीं, बल्कि सेवा, शिक्षा और धर्म के क्षेत्र में भी सक्रिय संगठन है। उन्होंने कहा कि राजनीति के साथ सामाजिक सरोकारों में सक्रिय भागीदारी ही भाजपा को देश और दुनिया का सबसे बड़ा दल बनने का सौभाग्य दिलाती है।

बैठक में भाजपा जिलाध्यक्ष श्रावण सिंह चावड़ा ने स्वागत भाषण देते हुए आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा प्रस्तुत की। इस अवसर पर सांसद शंकर लालवानी, उमानारायण पटेल, गोपाल सिंह चौधरी, जिला पंचायत अध्यक्ष रीना मालवीय, पूर्व विधायक अंतर सिंह दरबार, पूर्व जिला अध्यक्ष रवि रावलिया, रीता उपमन्यु, चिंटू वर्मा सहित पार्टी के कई पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन महामंत्री अंतर दयाल ने किया तथा आभार प्रदर्शन महामंत्री पुंजलाल निनामा ने व्यक्त किया।

क्राइम ब्रांच इंदौर की बड़ी कार्रवाई, 10 हजार के इनामी गांजा तस्कर मगन अखाड़े को किया गिरफ्तार

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर में अवैध मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत क्राइम ब्रांच इंदौर को बड़ी सफलता मिली है। फरार चल रहे 10 हजार रुपए के इनामी आरोपी मगन अखाड़े निवासी सिरलीबीड, बागली जिला देवास को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी लंबे समय से गांजा तस्करी के मामले में फरार था और उसकी गिरफ्तारी पर इनाम घोषित किया गया था।

इंदौर शहर में मादक पदार्थों की तस्करी और इससे जुड़े अपराधों पर अंकुश लगाने के लिए पुलिस आयुक्त नगरीय इंदौर Santosh Kumar Singh द्वारा प्रभावी कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं। इसी क्रम में क्राइम ब्रांच टीम द्वारा लगातार गोपनीय सूचना संकलन कर कार्रवाई की जा रही थी। पूर्व में अपराध क्रमांक 171/2025 के तहत आरोपी गोरेलाल निंगवाल को गिरफ्तार किया गया था, जिसके कब्जे से करीब 21 किलो 505 ग्राम गांजा, जिसकी अंतरराष्ट्रीय कीमत लगभग 8 लाख रुपए आंकी गई थी, तथा एक चारपहिया केरीयर वाहन जब्त किया गया था। पूछताछ के दौरान आरोपियों ने स्वीकार किया था कि वे सस्ते दामों पर गांजा खरीदकर इंदौर शहर में नशे के आदी लोगों को अधिक कीमत पर बेचते थे। इसी प्रकरण में फरार आरोपी मगन अखाड़े की जानकारी सामने आई, जिस पर 10 हजार रुपए का इनाम घोषित किया गया था। तकनीकी विश्लेषण और मुखबिर की सूचना के आधार पर क्राइम ब्रांच टीम ने इंदौर के तीन इमली बस स्टैंड क्षेत्र में घेराबंदी कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।

देपालपुर में स्वच्छता क्रांति, 1500 टन लिगेसी वेस्ट हटाने की मुहिम तेज; महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने संभाली कमान

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। देपालपुर में स्वच्छता को लेकर चल रही बड़ी मुहिम ने अब रफ्तार पकड़ ली है। करीब 1500 टन लिगेसी वेस्ट को पूरी तरह हटाने के लक्ष्य के साथ इंदौर के महापौर Pushyamitra Bhargav स्वयं मैदान में उतरे और नगर निगम की विशेष टीम, एमआईसी सदस्यों व अधिकारियों के साथ देपालपुर पहुंचकर स्वच्छता अभियान का नेतृत्व किया। महापौर ने स्थानीय व्यापारियों और नागरिकों से संवाद करते हुए स्पष्ट कहा कि स्वच्छता केवल नगर निगम की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि हर नागरिक और व्यापारी की प्राथमिक जिम्मेदारी है। उन्होंने सब्जी बाजार और दुकानों का निरीक्षण कर गीला-सूखा कचरा अलग रखने, सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग कम करने और दुकान के सामने साफ-सफाई बनाए रखने का संदेश दिया। व्यापारियों ने भी बताया कि अब क्षेत्र में सफाई व्यवस्था पहले से बेहतर हुई है और लोग प्लास्टिक की थैलियों के बजाय कपड़े के थैले उपयोग में ला रहे हैं।

डोर-टू-डोर अभियान के तहत महापौर और उनकी टीम ने घर-घर जाकर नागरिकों की राय जानी। लोगों ने बताया कि अब नियमित रूप से कचरा वाहन दिन में दो बार आ रहा है और सफाई व्यवस्था में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। पिछले 60 दिनों में चलाए गए अभियान का असर यह है कि लगभग 75 प्रतिशत लोगों ने प्लास्टिक की थैलियों का उपयोग बंद कर दिया है और गीला-सूखा कचरा अलग करने की आदत तेजी से बढ़ी है।

देपालपुर के ट्रेंचिंग ग्राउंड का स्वरूप भी बदला नजर आया। जहां कुछ दिन पहले तक कचरे के ढेर लगे थे, वहीं अब सफाई कार्य तेज गति से चल रहा है।

विजय मस्त्योद्योग गोपाल पुरा टैंक में अनियमितताओं को लेकर जनसुनवाई में आवेदन दिया, कार्रवाई की मांग

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। संस्था विजय मस्त्योद्योग मर्यादित गोपाल पुरा टैंक गरोठ जिला मन्दसौर में व्याप्त अनियमितताओं एवं विभाग के अधिकारी/कर्मचारी द्वारा की गई विधि विरुद्ध कार्यवाही के संबंध में शिवलाल मेघवाल एवं रमेश मीणा ने अपने अभिभाषक डॉ. राघवेन्द्रसिंह तोमर के साथ नई तहसील कार्यालय में मंगलवार को जनसुनवाई में कलेक्टर मन्दसौर के नाम एवं आवेदन सीईओ जिला पंचायत अनुकूल जैन को दिया।

पत्र में बताया गया कि आयुक्त सहकारिता मध्यप्रदेश का पत्र कमांक 42/ विविध/2026 भोपाल 02.02.2026 एवं संयुक्त आयुक्त सहकारिता उज्जैन संभाग उज्जैन के पत्र क्रमांक 19 शिकायत / 2028 उज्जैन दिनांक 05.02.2026 के माध्यम से उपायुक्त सहकारिता मन्दसौर से विजय मत्स्योद्योग सहकारिता संस्था गोपालपुरा टैंक गरोठ व्याप्त अनियमितताओं एवं विभाग के अधिकारीयों / कर्मचारियों, प्रशासक, परिसमापक के विरूद्ध विभागीय जांच प्रस्ताव / अनुशासनात्मक कार्यवाही प्रस्ताव मय आरोप विवरण एवं साक्ष्यों के प्रमाणीकरण सहित एक सप्ताह में आयुक्त महोदय सहकारिता विभाग भोपाल द्वारा चाहा गया था,लेकिन इस संबंध मे उप आयुक्त सहकारिता जिला मन्दसौर द्वारा पत्र क्रमांक 612 मन्दसौर दिनांक 09.02.2026 द्वारा उक्त पत्र में अनुक्रमांक 02 पर बताया गया है कि विभागीय भूमिका का निर्वहन विभागीय अधिकारियों / कर्मचारियों के विरुद्ध प्रस्ताव एक सप्ताह में किया जाना संभव नहीं है बताया गया है। यह पत्र भेजकर उपायुक्त सहकारिता मन्दसौर द्वारा जानबूझकर आयुक्त महोदय के आदेशों की अवहेलना की जा रही है। इस तरह समय को टाला जा रहा है तथा कार्य को प्राथमिकता नहीं दी जा रही है। जो घोर अनियमितता की श्रेणी में आता है।

ऐसी स्थिति में जिला पंचायत मन्दसौर की कृषि स्थाई समिति में मत्स्य तालाब के लिए जांच के दायरे में रहने वाली संस्था आवेदन नहीं कर सकती है। किसी भी टॅण्डर में जिला पंचायत में भाग नही ले सकती है। क्योकि संस्था परिसीमापन में है। परिसीमापन अधिकारी नियुक्त था जिसके द्वारा नियमों को ताक में रखकर समय समय पर शासन द्वारा दिये गये निर्देशों का उल्लघन किया गया है।

यह कि उक्त संस्था द्वारा लगातार मध्यप्रदेश सोसायटी एक्ट की धारा 72 ष्ठ एवं 53 (2) का भी उलंघन किया जा रहा है। इस बाबत भी कार्यवाही की जावे। ऐसी स्थिति में निवेदन है किया गया कि आयुक्त सहकारिता के पत्र कमांक 42 भोपाल दिनांक 02.02.2026 में संस्था के संचालक मण्डल को तत्काल प्रभाव से भंग करवाने के आदेश उप आयुक्त सहकारिता मन्दसौर को प्रसारित करने का कष्ट करे। एवं संस्था के बैंक खाता निष्कीय रखकर राशि का दुरुप्योग करने एवं जलाशय प?ट्टो के आवंटन में दोषियो व्यक्तियों के खिलाफ नियमानुसार कार्यवाही भी की जाने हेतु भी संबंधित को निर्देशित किया जावे।

पुलिस पेंशनर्स संघ ने भरी हुंकार, 35 जिलों में मुख्यमंत्री के नाम दिया ज्ञापन

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। पुलिस पेंशनर्स संघ मध्यप्रदेश के संस्थापक एवं प्रांतीय अध्यक्ष एमपी सिंह परिहार ने बताया कि केंद्रीय सरकार के द्वारा विगत एक जुलाई 2025 से केंद्रीय कर्मचारी व पेंशनर्स को तीन प्रतिशत महंगाई राहत देकर कल 58 प्रतिशत कर दी गई है परंतु आठ माह बीत जाने के बाद भी मध्य प्रदेश सरकार के द्वारा तीन प्रतिशत महंगाई राहत नहीं दी गई है पुलिस पेंशनर्स संघ मध्य प्रदेश में मध्य प्रदेश के 550000 पेंशनर्स की ओर से मध्य प्रदेश शासन से निम्न मांगे की है पहली केंद्रीय सरकार के द्वारा दी गई तीन प्रतिशत महंगाई राहत तत्काल स्वीकृत की जाए व द्वितीय पेंशनर्स को स्वास्थ्य बीमा योजना कैबिनेट में स्वीकृत कराई जाकर तत्काल प्रदान की जाए। उपरोक्त मांगों को लेकर पुलिस पेंशनर संघ मध्य प्रदेश के द्वारा आज नीमच, मंदसौर, रतलाम, देवास, शाजापुर, आगर, उज्जैन, इंदौर, धार, झाबुआ, खरगोन, बड़वानी, बालाघाट, मंडला, सिवनी, पन्ना, छतरपुर, दमोह, टीकमगढ़, निवाड़ी, दतिया, भिंड, मुरैना, ग्वालियर, शिवपुरी, गुना, अशोकनगर, शहडोल आदि 35 जिलों में एक साथ प्रदेश के मुख्यमंत्री, वित्त मंत्री, मुख्य सचिव को कलेक्टर के माध्यम से ज्ञापन सौंपा गया है। इसी तारतम्य में आज मंदसौर में संस्थापक एवं प्रांतीय अध्यक्ष एमपी सिंह परिहार के नेतृत्व में कलेक्टर कार्यालय पहुंचकर कलेक्टर के माध्यम से तहसीलदार पटेल को उपरोक्त तीनों ज्ञापन सौंपे गए। कार्यक्रम में जिला अध्यक्ष मंदसौर आर पी मिश्रा, प्रांतीय सचिव राम रतन दुबे, ब्रजेश दुबे, शिवशंकर सिंह तोमर, नाहर सिंह, के राधेश्याम परमार, रहीम बैग, इकबाल बेग, मोहम्मद नूर, हरेंद्र सिंह सेंगर, जगदीश शर्मा गांधीनगर, जगदीश शर्मा हीरा की बगीची, नागूलाल सूर्यवंशी, भारतसिंह सिसोदिया, विनोदसिंह भदोरिया, शंभू सिंह चुंडावत और गुमानसिंह हाडा आदि पुलिस पेंशनर्स उपस्थित रहे। सभी ने निर्णय लिया गया कि ज्ञापन के बाद भी यदि मांगे नहीं मानी जाती है तो पुलिस पेंशनर संघ के द्वारा पूरे मध्य प्रदेश में आंदोलन किया जाएगा।

लदूसा नरेश सांवलिया सेठ के भण्डार से निकली 9 लाख 51 हजार से अधिक की दान राशि

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मालवा क्षेत्र के प्रसिद्ध भगवान (सांवलीया सेठ) के भण्डार कृष्ण पक्ष फाल्गुन मास की चतुर्दशी विक्रम संवत् 2082 दिनांक 16 फरवरी सोमवार को खोला गया इसमें कुल 9 लाख 51 हजार 470 रु. की दान राशि प्राप्त हुई साथ ही दानपात्र से अमेरिका, कनाडा, अरब अमीरात, वियतनाम, नेपाल राष्ट, फिलीपींस, थाईलैंड सही कई देशों की करेंसी एवं चांदी के आभूषण प्राप्त हुए। मंदिर समिति के ट्रस्टी पं. महेश व्यास लदूसा ने बताया की श्याम वर्ण भगवान सांवलिया सेठ के दर्शन करने सुबह से शाम तक बड़ी संख्या में दर्शनार्थी पहुंचे। अमावस्या के दिन भक्तों की संख्या हजारों रही। मंदिर समिति एवं ग्रामीणजनों द्वारा निशुल्क चाय, एवं पेयजल व सभी व्यवस्थाओं का पूरा ध्यान रखा।गांव के मुख्य मार्ग चौराहा पर मंदिर निर्माण समिति द्वारा लगभग 18 लाख की राशि से भव्य द्वार का निर्माण कराया जा रहा है। भक्तों द्वारा दान की हुई राशी का पुरा पारदर्शिता के साथ चेक के माध्यम से लेनदेन किया जा रहा है। आगामी कार्य योजना में बनेगी यज्ञशाला- वास्तु शास्त्र एवं पारंपरिक मंदिर के अनुसार मंदिर परिसर के आसपास यज्ञशाला निर्माण की योजना बनाई जाएगी जिसमें सभी ग्रहो, आध्यात्मिक दृष्टिकोण को ध्यान में रखा जाना है। पं. व्यास ने बताया कि सायंकाल अमावस्या की आरती एवं महाप्रसादी के लाभार्थी ठा. श्री फुलसिंह जी के सुपुत्र ठा. सा. भंवरसिंह जी ठा. सा. दूलेसिंह जी ठा. रघुवीरसिंह जी श्री कुंवर कुलदीप सिंह जी सोलंकी (ठिकाना) छायन, मन्दसौर की तरफ से रही। इस अवसर पर समिति उपाध्यक्ष रामनारायण पाटीदार, अशोक करवरिया, बबलू धनगर राधेश्याम आर्य सहित सभी उपस्थित रहे।

नामांतरण एवं बटवारा का कोई भी प्रकरण समय सीमा बाह्य ना हो-श्री चंद्रा

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सभी राजस्व अधिकारी नामांतरण, बटवारा का समय सीमा में निराकृत करना सुनिश्चित करें। नामांतरण, बटवारा का कोई भी प्रकरण समय सीमा के बाह्य ना हो। इस पर विशेष ध्यान दें। सभी जिला अधिकारी आगामी तीन दिनों में सीएम हेल्पलाईन में दर्ज सभी शिकायतों को गंभीरतापूर्वक निराकृत करें और संतुष्टी के साथ निराकरण का प्रतिवेदन दर्ज करवाएं। यह निर्देश कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा ने मंगलवार को कलेक्टोरेट सभाकक्ष नीमच में समय-सीमा पत्रों के निराकरण की साप्ताहिक समीक्षा बैठक में जिला अधिकारियों को दिए।

चौकी भैसोदामंडी द्वारा 120 पेटी अवैध शराब पकड़ी, दो शराब तस्करों को दबोचा

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। भानपुरा। प्रदेश में युवाओं में लगातार नशे के सेवन से शारीरिक मानसिक व सामाजिक जीवन को बुराई बुरी तरह प्रभावित किया जा रहा है। नशा तस्करों के विरुद्ध पुलिस मुख्यालय द्वारा विशेष अभियान चलाया जा रहा है। जिसमें अवैध शराब विक्रय की गंभीर शिकायतों पर संज्ञान लेते हुए थाना प्रभारी भानपुरा निरीक्षक रमेश चंद दांगी के नेतृत्व में चौकी प्रभारी भैसोदामंडी उपनिरीक्षक बलवीर सिंह यादव द्वारा कार्यवाही करते हुए नशा परिवहन करने वाले तस्करों को पकड़ने में सफलता मिली। उप निरीक्षक ओएस ठाकुर को मुखबिर सूचना मिली कि दो व्यक्ति हरियाणा की तरफ से एक टाटा आईसर क्रमांक डब्ल्यू बी 51 सी 3743 से ट्रक में डाले को ढकने वाले त्रिपाल में स्कीम बनाकर बल्क मात्रा में अवैध शराब भरकर 8 लेन तरफ से निमथुर टोल चौराहा होते हुए गुजरात जाने वाले हैं। मुखबिर की सूचना पर कार्यवाही करते हुए राजू उम्र 53 वर्ष पिता फूल कुमार निवासी जारोठी थाना खरखोदा जिला सोनीपत हरियाणा एवं पसविंदर उम्र 30 वर्ष पिता प्रीतम सिंह निवासी सींदड थाना बरवाड़ा जिला हिसार हरियाणा को पकड़ा जिनके कब्जे से 120 पेटियों में अलग-अलग ब्रांड की कुल 1036.6 लीटर अवैध शराब कीमत करीब 4 लाख 92 हजार 480 रुपए एवं परिवहन में उपयोग में लायी गई ट्रक टाटा आयशर कीमत 20 लाख रुपए की विधिवत जप्ती कर आरोपी गणों के विरुद्ध अपराध क्रमांक 54/ 26 धारा 34 (2) आबकारी एक्ट का पंजीकृत कर अग्रिम अनुसंधान किया जा रहा है। पुलिस टीम उक्त कार्यवाही में निरीक्षक आरसी दांगी थाना प्रभारी थाना भानपुरा, उनि बलवीर सिंह यादव चौकी प्रभारी भैसोदामंडी, सउनि ओ एस. ठाकूर, प्रआर नरेन्द्र धनगर, आर नरेन्द्र सोनी, आर. योगेश शर्मा, आर मुख्तयार सिंह गुर्जर का सराहनीय योगदान रहा।

रतनगढ़ में 21 फरवरी को दिव्यांगता प्रमाण पत्र शिविर

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। संकल्प से समाधान अभियान तहत दिव्यांगता की पहचान कर दिव्यांगता प्रमाण पत्र जारी करने हेतु स्व.वीरेंद्र कुमार सखलेचा सामुदायिक भवन (डोम) जाट रोड़ रतनगढ़ में 21 फरवरी को प्रातः 10 बजे से शाम 4 बजे तक कलेक्टर श्री हिमांशु चन्द्रा एवं जिला पंचायत सीईओ श्री अमन वैष्णव के मार्गदर्शन में विशेष शिविर आयोजित किया जा रहा है। इस शिविर में विशेष रूप से स्कूलों में अध्यनरत बच्चों, आगंनवाडी केन्द्रों में पंजीकृत बच्चों, शाला पूर्व बच्चों तथा शाला त्यागी, शाला अप्रवेशी बच्चों, बाल संप्रेक्षण गृहों में निवासरत बच्चों, छात्रावासों में निवासरत बच्चों में दिव्यांगता की शीघ्र पहचान एवं त्वरित दिव्यांगता प्रमाण पत्र जारी किया जावेंगा। जिससे, कि दिव्यांग व्यक्तियों को शासन की योजनाओं से लाभान्वित किया जा सकें।

जनगणना के अंतर्गत दो चरणों में होगा कार्य, प्रथम चरण में होगी मकान गणना, प्रशिक्षण दिया

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मंदसौर जिले में भारत की जनगणना के संचालन एवं पर्यवेक्षण हेतु जिला स्तरीय प्रशिक्षण का प्रथम दिवस संपन्न हुआ। आगामी जनगणना के प्रथम चरण में मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना का कार्य 01 मई 2026 से 30 मई 2026 की अवधि में किया जाएगा। जनगणना 2027 के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए नगरीय एवं ग्रामीण स्तर पर चार्ज अधिकारियों की नियुक्ति की गई है। इन्हें जिला स्तर पर प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है। प्रशिक्षण के प्रथम दिवस में अनुविभागीय जनगणना अधिकारी, जिला सूचना विज्ञान अधिकारी, जनगणना लिपिक, तहसीलदार एवं चार्ज अधिकारी उपस्थित रहे। जनगणना के नोडल अधिकारी अभिषेक सिंह ठाकुर एवं अशोक चौबे द्वारा प्रशिक्षण प्रदान करते हुए बताया गया कि जनगणना दो चरणों में संपन्न होगी। प्रथम चरण में मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना तथा द्वितीय चरण में जनसंख्या गणना का कार्य किया जाएगा। प्रशिक्षण के दौरान निर्देश दिए गए कि घर-घर नंबरिंग का कार्य सुव्यवस्थित एवं स्पष्ट रूप से किया जाए। जितनी सटीक नंबरिंग होगी, गणना कार्य उतना ही व्यवस्थित रहेगा। प्रगणकों को गांव आवंटित किए जाएंगे, जहां वे घरों की नंबरिंग करेंगे। प्रगणकों को नक्शों का अध्ययन करने तथा तहसील स्तर के नक्शों का उपयोग करने के निर्देश दिए गए, जिससे कार्य में सुविधा एवं शुद्धता बनी रहे। प्रत्येक गांव में गणना ब्लॉक का निर्माण किया जाएगा। यह भी बताया गया कि मकान गणना एवं परिवार गणना अलग-अलग की जाएगी। प्रारंभिक जानकारी पहले कागज पर संकलित करें, तत्पश्चात पोर्टल पर प्रविष्टि करे, जिससे त्रुटियों की संभावना कम होगी। प्रशिक्षण के दौरान तकनीकी समस्याओं एवं उनके समाधान के संबंध में विस्तृत मार्गदर्शन दिया गया।

आबकारी विभाग ने मदिरा दुकानों पर की कड़ी कार्रवाई, 55.22 लाख रुपये की शास्ति अधिरोपित

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर अदिती गर्ग के मार्गदर्शन में जिला आबकारी विभाग द्वारा जिले में संचालित विभिन्न कम्पोजिट मदिरा दुकानों के विरुद्ध अनियमितताओं पर सख्त कार्रवाई की जा रही है।

जिला आबकारी अधिकारी रामहंस पचौरी ने जानकारी देते हुए बताया कि शासन द्वारा निर्धारित दरों पर मदिरा विक्रय सुनिश्चित करने एवं अन्य अनियमितताओं पर नियंत्रण के उद्देश्य से विभागीय कार्यबल द्वारा निरंतर निरीक्षण एवं टेस्ट परचेस की कार्रवाई की जा रही है।

निरीक्षण के दौरान पाई गई अनियमितताओं के आधार पर पंजीबद्ध विभागीय प्रकरणों में माह जनवरी 2026 तक कुल 55,22,582 रुपये की शास्ति संबंधित कम्पोजिट मदिरा दुकानों के लाइसेंसधारियों पर अधिरोपित की गई है।

उक्त राशि की वसूली ई-आबकारी पोर्टल के माध्यम से की जा रही है। जिले में मदिरा का विक्रय शासन द्वारा निर्धारित दरों पर सुनिश्चित करने एवं प्राप्त शिकायतों के त्वरित निराकरण के लिए जिला आबकारी कार्यबल द्वारा निरंतर सघन जांच एवं कार्रवाई जारी रहेगी।

जयस के नवनियुक्त प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष जीवन ठाकुर का स्वागत किया

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जयस के नवनियुक्त प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष जीवन ठाकुर धार, जिलाअध्यक्ष भारत सिंह गामड़ का मंदसौर जयस के पूर्व जिलाध्यक्ष संजय खराड़ी साथियों द्वारा मंदसौर आगमन पर स्वागत किया गया। जय आदिवासी युवा शक्ति (जयस) के प्रदेश कार्यकारिणी अध्यक्ष जीवन ठाकुर और भारत सिंह गामड़ जयस जिला अध्यक्ष धार का आगमन हुआ।

इस अवसर पर जयस संगठन मंदसौर के कार्यकर्ताओं ने हर्ष उत्साह के साथ उनका श्री राणा पूंजा भील चौराहे पर स्वागत किया। इस अवसर उपस्थित पूर्व जयस जिला अध्यक्ष संजय खराड़ी, भीम आर्मी जिला अध्यक्ष राकेश सूर्यवंशी, श्यामजी, चीकू मईडा, जगदीश भाभर, अरुण देवदा, विनोद निनामा, बबलू मईडा, दिनेश चरपोटा, अमर सिंह और सुरेश गुंद्रावत सहित बड़ी संख्या में जयस कार्यकर्ताओं ने पुष्प, मालाओं के साथ आदरणीय जीवन ठाकुर का भव्य स्वागत किया और उन्हें हार्दिक जोहार शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर प्रमुख चर्चाए की गई, जिसमें विगत कई वर्षों से श्री राणा पूंजा भील चौराहे की मांग को लेकर चर्चा और अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन के दौरान जूठा आश्वासन दे कर । आदिवासी समाज को गुमराह कर रहा नगर पालिका परिषद व मंदसौर शासन प्रशासन। 22 फरवरी भाना भील की नगरी भानपुरा तहसील के गांव कालाकोट में आदिवासी महापंचायत को लेकर विभिन्न मुद्दों पर चर्चा हुई। मंदसौर जिला कार्यकारिणी के सुदृढ़ीकरण पर विशेष चर्चा की गई। संगठन के विस्तार और आगामी रणनीतियों को लेकर महत्वपूर्ण विचार-विमर्श हुआ। समाज के हितों और युवाओं की भागीदारी के लिए भविष्य की कार्ययोजना तैयार की गई। संगठन की यह एकजुटता और कार्यकर्ताओं का समर्पण मंदसौर जिले में जयस की मजबूती का प्रमाण है। उलगुलान जिंदाबाद! यह जानकारी अनिल तंवर जयस जिला मिडिया प्रभारी मन्दसौर द्वारा दी गई।

जिले के सभी बैंक शाखाओं ने अधिकांश योजनाओं में लक्ष्यपूर्ति कर हितग्राहियों को लाभांवित किया है- श्री चंद्रा

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले की सभी बैंक शाखाओं के प्रबंधकों ने विभिन्न विभागों के माध्यम से संचालित स्वरोजगार हितग्राहीमूलक योजनाओं में वित्तीय वर्ष 2025-26 के लक्ष्यों के अनुरूप प्रकरण स्वीकृत कर हितग्राहियों को लाभांवित किया है। पीएम स्वनिधि योजना के तहत भी इस वर्ष लगभग 2500 प्रकरणों की स्वीकृति एवं वितरण शेष है। सभी बैंक शाखा प्रबंधक, बैंकों में लंबित पीएम स्वनिधि के सभी प्रकरणों में इस माह अंत तक स्वीकृति एवं ऋण वितरण कर लक्ष्यपूर्ति में सहयोग करें। यह बात कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा ने मंगलवार को कलेक्टोरेट सभाकक्ष नीमच में आयोजित जिला स्तरीय बैंकर्स समन्वय समिति की बैठक को संबोधित करते हुए कही। बैठक में जिला पंचायत सीईओ श्री अमन वैष्णव, नाबार्ड प्रबंधक श्री योगेन्द्र सैनी, एलडीएम श्री शिशांतु शेखर, सांसद प्रतिनिधि श्री पवन कुमार दुबे व सभी बैंक शाखाओं के समन्वयक एवं प्रबंधकगण उपस्थित थे।

बैठक में बताया गया, कि पी.एम.स्वनिधि योजना के तहत बैंकों को प्रस्तुत 6428 प्रकरणों में से 3664 प्रकरण स्वीकृत किए जाकर, 3174 प्रकरणों में ऋण वितरण किया जा चुका है। शेष प्रकरणों में सभी बैंक शाखाए फरवरी अंत तक स्वीकृति जारी कर, ऋण वितरण सुनिश्चित करें। कलेक्टर ने पशुपालन विभाग की डॉ.भीमराव अम्बेडकर, कामधेनु योजना, आचार्य विद्यासागर डेयरी योजना के शेष लंबित प्रकरण भी स्वीकृत करने के निर्देश बैंक शाखा प्रबंधकों को दिए है।

बैठक में कलेक्टर ने सभी बैंक शाखाओं के प्रबंधकों को प्रधानमंत्री आवास योजना 2.0 के तहत आवास ऋण (होम लोन) प्राप्त करने वाले सभी पात्र हितग्राहियों को शासन की ब्याज अनुदान योजना का लाभ भी प्राथमिकता से प्रदान करने के निर्देश दिए।

मुझे आत्मदाह की अनुमति दो! गले में आवेदन की माला पहनकर कलेक्टोरेट पहुंचा किसान मोहनलाल बागरी, अधिकारियों में मचा हड़कंप, लगाए 70-80 लाख की जमीन हड़पने के आरोप

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिला मुख्यालय स्थित कलेक्टर कार्यालय नीमच में मंगलवार को आयोजित जनसुनवाई उस समय सुर्खियों में आ गई, जब ग्राम भोलियावास निवासी मोहनलाल बागरी गले में दर्जनों आवेदन पत्रों की माला पहनकर और हाथ में ÷मुझे आत्मदाह की अनुमति प्रदान करें÷ लिखी तख्ती लेकर प्रशासन के सामने पहुंचे। किसान का यह आक्रोशित और व्यथित रूप देखकर कार्यालय परिसर में अफरा-तफरी मच गई और उपस्थित अधिकारी तथा कर्मचारी स्तब्ध रह गए।

मोहनलाल बागरी ने आरोप लगाया कि उनके गांव के ही तीन व्यक्तियों - रामगोपाल धाकड़, हंसराज चंद्रवंशी और मनोहरलाल धाकड़ ने मिलकर आपराधिक षड्यंत्र रचा और उनकी लाखों की कृषि भूमि हड़प ली। पीड़ित ने बताया कि उनके नाम सर्वे नंबर 294, कुल रकबा 0.37 हेक्टेयर की भूमि वर्ष 2011 से उनके कब्जे में थी। 18 नवंबर 2024 को आरोपियों ने ऑनलाइन केवाईसी और भू-अधिकार पुस्तिका बनवाने के बहाने आधार कार्ड और जमीन के दस्तावेज ले लिए। अगले दिन उन्हें कलेक्टर कार्यालय बुलाकर कथित तौर पर धोखे में रखकर कई दस्तावेजों पर हस्ताक्षर और अंगूठा निशान करवा लिए।

कुछ समय बाद मोहनलाल को जानकारी मिली कि उनकी 0.12 हेक्टेयर भूमि, जिसकी अनुमानित बाजार कीमत 70-80 लाख रुपये बताई जा रही है, आरोपियों के नाम दर्ज कर दी गई है। पीड़ित का कहना है कि इस पूरी प्रक्रिया में उन्हें कोई प्रतिफल नहीं दिया गया और विरोध करने पर कथित रूप से कहा गया कि ÷जो करना है कर लो।÷

मोहनलाल ने बताया कि उन्होंने कई बार स्थानीय अधिकारियों के पास शिकायत दर्ज कराई, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। लगातार अनदेखी और लंबित शिकायतों के कारण वह मानसिक रूप से टूट चुके हैं। इस तनावपूर्ण स्थिति में उन्होंने प्रशासन के समक्ष यह कठोर कदम उठाया।

जनसुनवाई के दौरान मोहनलाल का यह अनोखा और गंभीर प्रदर्शन प्रशासनिक तंत्र के लिए चेतावनी स्वरूप साबित हुआ। उनके इस कदम ने उपस्थित अधिकारियों को असहज कर दिया और कार्यालय परिसर में तनावपूर्ण माहौल बन गया। मौके पर उपस्थित अधिकारियों ने शांतिपूर्ण ढंग से किसान को समझाने का प्रयास किया और उनकी शिकायतों को रिकॉर्ड कर उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया।

जिला प्रशासन ने तुरंत इस मामले पर ध्यान देते हुए मोहनलाल की शिकायतों का संपूर्ण दस्तावेजीकरण किया। कलेक्टर कार्यालय ने मामले की उच्च स्तरीय जांच के निर्देश दिए और स्थानीय तहसीलदार व संबंधित अधिकारियों को पीड़ित के अधिकारों की रक्षा के साथ-साथ आरोपियों के खिलाफ विधिक प्रक्रिया को सुनिश्चित करने के लिए सक्रिय रहने को कहा।

किसान मोहनलाल की स्थिति यह दर्शाती है कि ग्रामीण क्षेत्रों में भूमि हक और अधिकारों के विवाद अभी भी गंभीर रूप में बने हुए हैं। अधिकारियों और प्रशासनिक तंत्र के सामने यह चुनौती है कि ऐसे मामलों में त्वरित और पारदर्शी कार्रवाई की जाए, ताकि आम जनता का विश्वास प्रणाली पर बना रहे।

इस घटना ने जिले में प्रशासनिक कार्यप्रणाली और न्यायिक तंत्र के प्रति लोगों की जागरूकता और चिंता को भी उजागर किया है। अब नजरें जिला प्रशासन पर टिकी हैं कि वह मोहनलाल बागरी की शिकायतों का त्वरित और न्यायसंगत समाधान सुनिश्चित करे, ताकि किसी और व्यक्ति को इस तरह की मानसिक पीड़ा का सामना न करना पड़े।

कार्यालय सहायक आबकारी आयुक्त देवास (म.प्र.)

E-mail: deo.mpeddwsamp.gov.in

वाहन अनुबंध विज्ञप्ति

सर्वसाधारण की जानकारी एवं ट्रेवल एजेन्सियों की विशेष जानकारी के लिये यह सूचना प्रकाशित की जाती है कि कार्यालय सहायक आयुक्त आबकारी, जिला देवास में अपराध नियंत्रण एवं प्रवर्तन कार्य हेतु वित्तिय वर्ष 2020-26 की शेष अवधि (दिनांक 21.02.2026 से दिनांक 31.03.2026 तक की अवधि) के लिये अच्छी हॉलत में 01 वाहन को किराये पर लेने हेतु मासिक आधार पर दरें प्रस्तुत करने हेतु सीलबंद निविदायें दिनांक 20.02.2026 को दोपहर 1:00 बजे तक आमंत्रित की जाती है, माहन भ्रमण की सीमा प्रतिमाह 2500 किलो मीटर रहेगी। इच्छुक निविदादाता निविदा की अन्य शर्तों की जानकारी एवं निविदा प्रपत्र रूपये 500/- (पाँच सौ मात्र) का भुगतान ई चालान (विभागीय शीर्ष 0039-00-800-0761 अन्य प्राप्तियों) के माध्यम से जमा कर कार्यालय सहायक आयुक्त आबकारी जिला देवास से कार्यालयीन समय में प्राप्त कर सकते है। इच्छुक निविदादाता सीलबंद निविदायें दिनांक 20.02.2026 को दोपहर 1:00 बजे तक प्राप्त की जावेगी एवं प्राप्त सीलबंद निविदायें इसी दिनांक को दोपहर 3:00 बजे खोली जावेगी।

निविदा की प्रमुख शर्ते निम्नानुसार है-

1. क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय में टेक्सी कोटे में रजिस्टर्ड वाहन ही किराये पर लिये जावेगें।
2. वाहन के ईंधन/ड्रायवर/मैन्टेनेंस संबंधी व्यथ एवं सभी प्रकार के देय टैक्स वाहन स्वामी द्वारा वहन किये जायेगें तथा वाहन 24 घण्टे के लिये उपलब्ध कराना होगा।
3. वाहन स्वामी को स्वयं का आयकर पेन नम्बर प्रस्तुत करना होगा एवं आयकर अधिनियम की धारा 194 सी अनुसार किराया भुगतान राशि पर टी.डी.एस. एवं जी.एस.टी. कटौत्रा की राशि नियमानुसार वसूल किया जावेगा।
4. विभाग द्वारा अनुबंधित शर्तों की लिखित स्वीकृति 1000/- रूपये के स्टाम्प पेपर पर देने के उपरांत ही वाहन किराये पर लिया जा सकेगा। वाहन किराये पर लेने संबंधी अन्य शर्तों की जानकारी एवं विवरण अवकाश के दिनों को छोड़कर कार्यालयीन समय में प्राप्त की जा सकती है।
5. आबकारी आयुक्त द्वारा, किराये पर लिये गये वाहनों के मासिक किराया राशि में परिवर्तन एवं संशोधन होने पर संशोधित राशि मान्य होगी।
7. आबकारी आयुक्त मध्यप्रदेश ग्वालियर का पत्र क/बजट/प्रा.पा./2022/472 ग्वालियर दिनांक 02.08 2022 अनुसार वाहन किराये का भुगतान अधिकतम 42,000/- तक किया जा सकेगा।

(मनीष खरे)
सहायक आयुक्त आबकारी
जिला देवास (म.प्र.)
देवास दिनांक 16/02/2026

सम्पादकीय

स्वयं सहायता समूह से सशक्तिकरण तक: बड़वा की जूती की गूँज देशभर में

खंड कार्यक्रम प्रबंधक, सिवानी, जगबीर सिंह वर्मा ने बताया कि भारत सरकार एवं हरियाणा सरकार के ग्रामीण विकास मंत्रालय द्वारा संचालित हरियाणा राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले गरीब परिवारों, विशेषकर महिलाओं, को स्वयं सहायता समूहों से जोड़कर स्वरोजगार के अवसर प्रदान करना है। सिवानी खंड में 402 महिला स्वयं सहायता समूहों का गठन किया गया है, जिनसे लगभग 4000 महिलाएँ जुड़ी हैं। इन समूहों के माध्यम से महिलाओं को प्रशिक्षण, आर्थिक सहायता तथा सरकारी योजनाओं का लाभ मिल रहा है, जिससे वे आत्मनिर्भर बन रही हैं। पिछले आठ वर्षों में अनेक महिलाओं के जीवन स्तर में सुधार हुआ है और महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा मिला है। स्वयं सहायता समूह की महिलाओं ने अपना व्यक्तिगत ब्रांड ÷अर्बनिकइंडिया÷ नाम से तैयार किया है, जिसके उत्पाद अब ऑनलाइन माध्यम से भी खरीदे जा सकते हैं।

हरियाणा की धरती परंपरा, परिश्रम और हुनर की अनमोल विरासत से समृद्ध रही है। यहाँ के गाँव केवल कृषि तक सीमित नहीं हैं, बल्कि हस्तकला और पारंपरिक कौशल की जीवंत पहचान भी हैं। भिवानी जिले के सिवानी क्षेत्र के बड़वा गाँव की कारीगर कांता देवी ने इसी परंपरा को अपनी मेहनत और आत्मविश्वास से नई ऊँचाइयों तक पहुँचाया है। आज उनकी बनाई हुई जूतियाँ गुरुग्राम में आयोजित सरस आजीविका मेले में ग्राहकों के आकर्षण का केंद्र बनी हुई हैं। यह सफलता केवल एक महिला की उपलब्धि नहीं, बल्कि ग्रामीण आत्मनिर्भरता, महिला सशक्तिकरण और पारंपरिक कला के पुनर्जागरण की प्रेरक कहानी है।

कांता देवी का जीवन संघर्ष, समर्पण और संकल्प का उदाहरण है। उनका विवाह ऐसे परिवार में हुआ, जहाँ जूती निर्माण की कला पीढ़ियों से चली आ रही थी। उनके ससुर भाना राम इस पारंपरिक कार्य से जुड़े हुए थे और उनके पति भी इस काम में सक्रिय भूमिका निभाते थे। विवाह के बाद कांता देवी ने इस कला को केवल परंपरा के रूप में नहीं देखा, बल्कि इसे अपनी पहचान और आत्मनिर्भरता का माध्यम बनाया। उन्होंने इस कार्य को आगे बढ़ाने का निश्चय किया और पूरी लगन से इसमें जुट गईं।

शुरुआत में कांता देवी गाँव में ही जूतियाँ बनाकर बेचती थीं। सीमित संसाधन, छोटा बाजार और कम आय जैसी कई चुनौतियाँ उनके सामने थीं। लेकिन उन्होंने कभी हार नहीं मानी। उनके पति ने उनका पूरा सहयोग किया और गाँव में दुकान संभालकर इस व्यवसाय को मजबूत आधार दिया। यह पारिवारिक सहयोग उनकी सफलता की सबसे बड़ी ताकत बना। धीरे-धीरे उन्होंने अपने कौशल को निखारा और पारंपरिक डिजाइनों के साथ आधुनिक डिजाइनों को भी शामिल करना शुरू किया।

लगभग दस वर्ष पहले कांता देवी ने लक्ष्मीबाई महिला स्वयं सहायता समूह का गठन किया। इस समूह के माध्यम से उन्होंने गाँव की अन्य महिलाओं को भी इस कार्य से जोड़ा। यह पहल केवल रोजगार का माध्यम नहीं बनी, बल्कि महिला सशक्तिकरण का एक मजबूत उदाहरण भी बनी। इस समूह से जुड़कर महिलाओं को आर्थिक आत्मनिर्भरता मिली और उनके जीवन में सकारात्मक परिवर्तन आया। आज यह समूह कई महिलाओं के लिए स्थायी आय का स्रोत बन चुका है।

समय के साथ कांता देवी ने अपने उत्पादों को एक नई पहचान देने के लिए ÷अभिनिक इंडिया÷ नाम से अपना ब्रांड स्थापित किया। यह कदम उनके व्यवसाय के विस्तार में अत्यंत महत्वपूर्ण साबित हुआ। इस ब्रांड के माध्यम से उनकी जूतियाँ स्थानीय बाजार से निकलकर बड़े शहरों और राष्ट्रीय स्तर के मेलों तक पहुँचने लगीं। उनके बेटे ने ऑनलाइन बिक्री की जिम्मेदारी संभाली, जिससे उनके उत्पाद डिजिटल प्लेटफॉर्म तक भी पहुँच गए। आज उनके पास 100 से अधिक डिजाइनों का संग्रह है, जो पारंपरिक कला और आधुनिक फैशन का सुंदर समन्वय प्रस्तुत करता है।

उनकी जूतियों की कीमत 350 रुपये से लेकर 1000 रुपये तक है और उनका मासिक कारोबार लगभग तीन लाख रुपये तक पहुँच चुका है। यह उपलब्धि इस बात का प्रमाण है कि यदि ग्रामीण उत्पादों को सही मंच और अवसर मिले, तो वे आर्थिक रूप से अत्यंत सफल हो सकते हैं। यह सफलता केवल आर्थिक उपलब्धि नहीं, बल्कि आत्मविश्वास और सम्मान की भी कहानी है। इस उपलब्धि में राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। इस मिशन के माध्यम से ग्रामीण महिलाओं को प्रशिक्षण, मार्गदर्शन और बाजार उपलब्ध कराया जाता है। इसी मंच के माध्यम से कांता देवी को सरस मेले में अपने उत्पाद प्रदर्शित करने का अवसर मिला। सरस मेला ग्रामीण कारीगरों के लिए एक महत्वपूर्ण मंच है, जहाँ उन्हें अपने हुनर को बड़े स्तर पर प्रस्तुत करने का अवसर मिलता है।

वेद वाक्य सत्यम् वदं प्रियम् वदं किसी साधना से कम नहीं है

जीवन में आसपास देखने पर हम पाते हैं कि हर सफल व्यक्ति अपनी मधुर वाणी और कोमल व्यवहार से ही जाना जाता है। व्यापार ही नहीं जीवन के हर क्षेत्र में मधुर और सच्चा व्यवहार एक चमत्कारिक औषधि की तरह काम करता है। मधुर व्यवहार से सभी हमारे अपने हो जाते हैं। मधुर वाणी व व्यवहार के बिना तो व्यापार की कल्पना तक करना बेकार है। इसलिए प्रत्येक व्यक्ति को सफलता प्राप्त करने के लिए मधुर व्यवहार सीखना चाहिए। लेकिन क्या मधुर व्यवहार सीखा जा सकता है? बिलकुल नहीं... बल्कि मधुर व्यवहार तो हमें अपने अंदर से पैदा करना होगा। वेद वाक्य सत्यम् वदं प्रियम् वदं एक साधना से कम नहीं है। लोग सही बात को इतने कड़वे ढंग से बोलते हैं कि सुनने वाला तहस नहस हो जाता है और कहा ये जाता है कि हम तो सत्य बोल रहे हैं, और सत्य कड़वा ही होता है। पर यह सही नहीं। बात कड़वी है तो भी अभिव्यक्ति सरलता से, मधुर वाणी से हो तो प्रभाव अच्छा पड़ता है। तर्क यह भी होता है कि दवाई भी कड़वी होती है तभी स्वास्थ्य के लिए लाभदायक होती है। परंतु जीवन में लोगों को सत्यवचन भी मधुरता के साथ कहने चाहिए नहीं तो उसका उल्टा असर होता है। सामने वाला व्यक्ति आपको समझे यह जरुरी नहीं वो दुश्मन तक बन जाता है।

कहते हैं कि जीवन में चेहरे की खूबसूरती की भूमिका मात्र दस प्रतिशत होती है, पर वाणी की खूबसूरती की भूमिका नब्बे प्रतिशत होती है। इसलिए शब्दों को संभालकर बोलने की कला स्वंय में जागृत करें। शब्द मात्र शब्द ही नहीं होते मंत्र सम होते हैं। मधुर वाणी हमारे अंतस में सूक्ष्म शरीर के विशुद्धि चक्र से अंदर स्वयमेव जागृत होता है। जब हम सहज पद्धति से ध्यान करते हैं तब अन्य कई गुणों के साथ मधुर संवाद का गुण भी हमारे अंदर प्रस्थापित होता है। कुंडलिनी शक्ति का जागरण जो पहले असाध्य था अब सहज योग के माध्यम से सहज है। शुद्ध इच्छा के साथ हाथ फैलाकर बैठना है, बहुत सहजता से कुंडलिनी जागृत होती है, उपर की ओर उठती है और रीढ़ की हड्डी में स्थित हर चक्र को प्रकाशित करती जाती है। जब गले में स्थित विशुद्धि चक्र जागृत होता है हमें मधुर वाणी की सौगात मिलती है।

28 अप्रेल, 1991 के एक प्रवचन में श्री माताजी ने स्पष्ट करते हुए बताया है कि, आपको कैसे बात करनी चाहिए, आपको कब उठना चाहिए, कब सोना चाहिए, सब कुछ बदल जाएगा यदि आप वास्तव में इस तथ्य से अवगत हो जाते हैं कि आप सर्वशक्तिमान ईश्वर का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं, जो विवेक का स्रोत है। विवेक में आप बहुत सी चीजें सीखेंगे। पहली है सहनशीलता - यह सब ठीक है। हम इसे हल कर लेंगे। यह काम करेगा।÷ आप सीखेंगे कि वह प्रेम क्या है जो अलग है। आप सीखेंगे कि वह हास्य क्या है जो गुदगुदाता है, लेकिन चोट नहीं पहुँचाता है। आप यह भी सीखेंगे कि अपने व्याख्यानों में क्या कहना है, क्या सुनना है। और सभी चीजों में से, आप यह जानेंगे कि सर्वशक्तिमान ईश्वर के दर्शन को कैसे पूरा किया जाए।

छत्रपति शिवाजी की अमर विरासत और आधुनिक भारत की दिशा

19 फरवरी भारत के इतिहास का वह गौरवपूर्ण दिवस है, जब हम छत्रपति शिवाजी महाराज की जयंती मनाते हैं। यह केवल एक जन्मतिथि का स्मरण नहीं, बल्कि भारतीय अस्मिता, स्वाभिमान और सांस्कृतिक पुनर्जागरण के उस अद्भुत अध्याय का उत्सव है, जिसने पराधीनता के अंधकार में स्वराज्य का दीप प्रज्वलित किया। सत्रहवीं शताब्दी में जब भारत का बड़ा भूभाग मुगल सत्ता, विशेषतः औरंगजेब के कठोर शासन के अधीन था, तब सह्याद्रि की पर्वतमालाओं से एक युवा योद्धा ने यह उद्घोष किया कि ÷हिंदवी स्वराज्य÷ केवल स्वप्न नहीं, बल्कि संकल्प है-और उस संकल्प को साकार कर दिखाया।

शिवाजी महाराज का जन्म 1630 में शिवनेरी दुर्ग पर हुआ। उनका नाम भगवान शिव पर नहीं, बल्कि देवी शिवई के नाम पर रखा गया-यह तथ्य ही बताता है कि उनके जीवन की प्रेरणा शक्ति और साहस की आराधना में निहित थी। उनकी माता जीजाबाई ने उन्हें रामायण, महाभारत और पुराणों की कथाओं के माध्यम से धर्म, नीति और राष्ट्रधर्म का संस्कार दिया। दादाजी कोंडदेव के मार्गदर्शन में उन्होंने शास्त्र और शस्त्र दोनों का संतुलित ज्ञान प्राप्त किया। यही संतुलन आगे चलकर उनके व्यक्तित्व की सबसे बड़ी विशेषता बना-वे केवल तलवार के धनी नहीं, बल्कि नीति और दूरदर्शिता के भी अद्वितीय उदाहरण थे।

शिवाजी महाराज का सबसे बड़ा योगदान हिंदू साम्राज्य की स्थापना है, जिसे उन्होंने ÷हिंदवी स्वराज्य÷ कहा। यह किसी एक संप्रदाय का राज्य नहीं था, बल्कि भारतीय जनमानस की स्वतंत्रता और सम्मान का प्रतीक था। उन्होंने छोटे-छोटे किलों से शुरुआत कर एक संगठित मराठा शक्ति का निर्माण किया। तोरणा, रायगढ़, प्रतापगढ़ जैसे दुर्ग केवल पत्थरों की संरचनाएँ नहीं थे, बल्कि स्वराज्य के प्रहरी थे। गुरिल्ला युद्धकला में उनकी दक्षता अद्भुत थी। मुगल सेनापति उन्हें ÷पहाड़ी चूहा÷ कहकर उपहास करना चाहते थे, परंतु वही रणनीति मुगलों की सबसे बड़ी कमजोरी बन गई। वे भूगोल को अपनी शक्ति में बदलने की कला जानते थे-तेजी से आक्रमण, अचानक प्रहार और सुरक्षित वापसी उनकी युद्धनीति का आधार था।

उनकी वीरता का शिखर तब दिखाई देता है जब उन्होंने औरंगजेब की विशाल साम्राज्यवादी शक्ति को खुली चुनौती दी। आगरा में बंदी बनाए जाने के बाद उनका साहसिक पलायन केवल एक व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं, बल्कि मुगल सत्ता के अहंकार पर करारा प्रहार था। इसके पश्चात उन्होंने 1674 में रायगढ़ में विधिवत राज्याभिषेक कर स्वयं को ÷छत्रपति÷ घोषित किया। यह घटना केवल राजनीतिक नहीं, सांस्कृतिक पुनर्स्थापन का भी प्रतीक थी-सदियों बाद किसी हिंदू राजा का वैदिक विधि से राज्याभिषेक हुआ था।

शिवाजी महाराज की शासन व्यवस्था भी उतनी ही प्रभावशाली थी जितनी उनकी युद्धनीति। उन्होंने अष्टप्रधान मंडल की स्थापना की, जिसमें विभिन्न विभागों के मंत्री नियुक्त थे। प्रशासन में पारदर्शिता, न्याय और जनकल्याण को प्राथमिकता दी गई। भूमि राजस्व व्यवस्था को सुव्यवस्थित किया गया ताकि किसानों पर अत्याचार न हो। महिलाओं के सम्मान की रक्षा उनके शासन का मूल सिद्धांत था-युद्ध में पकड़ी गई महिलाओं को सम्मानपूर्वक उनके घर भेजने की परंपरा उन्होंने स्थापित की। धार्मिक सहिष्णुता उनके शासन की आधारशिला थी, उनकी सेना और प्रशासन में मुस्लिम अधिकारी भी महत्वपूर्ण पदों पर थे। उन्होंने किसी भी मस्जिद या पूजा स्थल को क्षति पहुँचाने की अनुमति नहीं दी। इस प्रकार उनका हिंदू स्वराज्य संकीर्ण नहीं, बल्कि उदार और समावेशी था।

शिवाजी महाराज भारत के उन शुरुआती शासकों में थे जिन्होंने समुद्री शक्ति के महत्व को समझा। उन्होंने एक सशक्त नौसेना का निर्माण किया और कोंकण तट की सुरक्षा सुनिश्चित की। विदेशी आक्रमणकारियों-विशेषतः पुर्तगालियों और सिद्धियोंकृके विरुद्ध यह रणनीति अत्यंत प्रभावी सिद्ध हुई। यह दूरदर्शिता दर्शाती है कि वे केवल तत्कालीन संघर्षों तक सीमित नहीं थे, बल्कि भविष्य की चुनौतियों को भी भांपने की क्षमता रखते थे।

भारतीय संस्कृति और अस्मिता के लिए उनका त्याग अतुलनीय है। उन्होंने विलासिता का जीवन त्यागकर कठिन संघर्ष का मार्ग चुना। निरंतर युद्ध, षड्यंत्र और चुनौतियों के बीच भी उन्होंने राष्ट्रधर्म को सर्वोपरि रखा। उनका जीवन इस सत्य का प्रमाण है कि स्वराज्य केवल राजनीतिक स्वतंत्रता नहीं, बल्कि सांस्कृतिक स्वाभिमान का भी प्रश्न है। उन्होंने जनमानस में यह विश्वास जगाया कि विदेशी सत्ता अजेय नहीं है और संगठित प्रयास से स्वतंत्रता प्राप्त की जा सकती है।

आधुनिक संदर्भ में यदि हम इस विरासत को देखें, तो यह प्रश्न स्वाभाविक है कि आज के भारत में शिवाजी के आदर्श कितने प्रासंगिक हैं। वर्तमान समय में जब भारत वैश्विक मंच पर अपनी भूमिका सुदृढ़ कर रहा है, तब राष्ट्रीय सुरक्षा, सांस्कृतिक पुनर्जागरण और सुशासन की अवधारणाएँ पुनः केंद्र में हैं। नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने आत्मनिर्भरता, सशक्त रक्षा नीति और सांस्कृतिक धरोहर के संरक्षण पर विशेष बल दिया है। यहाँ तुलनात्मक विवेचना की जा सकती है, यद्यपि दोनों युगों की परिस्थितियाँ भिन्न हैं।

शिवाजी महाराज ने स्वदेशी सैन्य शक्ति पर भरोसा किया और स्थानीय संसाधनों के माध्यम से साम्राज्य खड़ा किया। आधुनिक भारत में आत्मनिर्भर भारत अभियान उसी भावना का आधुनिक रूप प्रतीत होता है, जहाँ रक्षा उत्पादन और आर्थिक सशक्तिकरण पर बल दिया जा रहा है। शिवाजी ने किलों और नौसेना के माध्यम से सीमाओं की सुरक्षा सुनिश्चित की, आज भारत आधुनिक तकनीक और रणनीतिक साझेदारियों के माध्यम से अपनी सीमाओं को सुरक्षित रखने का प्रयास कर रहा है। शिवाजी का प्रशासन जनकल्याण और पारदर्शिता पर आधारित थाय समकालीन शासन में डिजिटल पारदर्शिता, प्रत्यक्ष लाभ अंतरण और भ्रष्टाचार-नियंत्रण की पहलें उसी आदर्श की झलक देती हैं।

सांस्कृतिक पुनर्जागरण की दृष्टि से भी समानता देखी जा सकती है। शिवाजी महाराज ने हिंदू परंपराओं और प्रतीकों को पुनर्स्थापित कर जनमानस में आत्मगौरव जगाया। आज भी भारत में सांस्कृतिक धरोहरों के संरक्षण, तीर्थस्थलों के विकास और ऐतिहासिक विरासत के पुनरोद्धार पर बल दिया जा रहा है। अंतर केवल इतना है कि शिवाजी का संघर्ष प्रत्यक्ष सैन्य टकराव का था, जबकि आधुनिक भारत का संघर्ष वैश्विक प्रतिस्पर्धा और कूटनीतिक संतुलन का है। फिर भी, तुलनात्मक विवेचना करते समय यह स्मरण रखना चाहिए कि शिवाजी महाराज का युग पूर्णतः भिन्न राजनीतिक-सामाजिक परिस्थितियों में था। वे एक उभरते हुए स्वराज्य के संस्थापक थे, आज का भारत एक स्थापित लोकतांत्रिक गणराज्य है। अतः समानताओं को प्रेरणा के रूप में देखना चाहिए, न कि पूर्ण समानता के रूप में। शिवाजी की सबसे बड़ी सीख है-साहस, संगठन, दूरदर्शिता और राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखना। यही मूल्य किसी भी युग में प्रासंगिक रहते हैं। छत्रपति शिवाजी महाराज की जयंती हमें यह स्मरण कराती है कि राष्ट्र निर्माण केवल तलवार से नहीं, बल्कि नीति, नैतिकता और जनविश्वास से होता है। उन्होंने दिखाया कि सीमित संसाधनों के बावजूद यदि नेतृत्व दृढ़ हो तो असंभव भी संभव हो सकता है। आज आवश्यकता है कि हम उनके आदर्शों को केवल उत्सव तक सीमित न रखें, बल्कि उन्हें अपने आचरण और राष्ट्रीय जीवन में उतारें। भारतीय अस्मिता का अर्थ किसी के प्रति द्वेष नहीं, बल्कि अपने स्वत्व का सम्मान है-और यही संदेश शिवाजी महाराज के जीवन से हमें मिलता है। उनकी 394वीं जयंती पर उन्हें नमन करते हुए हम संकल्प लें कि स्वराज्य की उस भावना को, जिसे उन्होंने सह्याद्रि की घाटियों से जगाया था, हम आधुनिक भारत की प्रगति और वैश्विक नेतृत्व में रूपांतरित करेंगे। यही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

-ललित गर्ग

न्यायपालिका में एआई, न्याय व्यवस्था को मजबूत करने पर हुई चर्चा

यह सर्वथा उचित है और समय की मांग के अनुरूप भी कि इंडिया एआइ इंपैक्ट शिखर सम्मेलन के अवसर पर न्यायपालिका में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के उपयोग को लेकर भी एक सत्र का आयोजन किया गया। इसमें इस पर विचार किया गया कि मशीनी दक्षता किस प्रकार भारत की न्याय व्यवस्था को मजबूत कर सकती है।

चूंकि इस कार्यक्रम में विधिवेत्ताओं के साथ ला फर्मों के विधि विशेषज्ञों ने भी भाग लिया, इसलिए यह आशा की जाती है कि आने वाले समय में न्यायिक तंत्र में एआई का उपयोग और बढ़ेगा एवं उससे आम लोगों को लाभ भी मिलेगा। जब जीवन के हर क्षेत्र में एआई का उपयोग हो रहा है, तब फिर न्यायपालिका के क्षेत्र में भी ऐसा होना चाहिए। वैसे तो सीमित स्तर पर न्यायिक तंत्र में एआई का उपयोग हो रहा है, लेकिन अभी इसका आकलन किया जाना शेष है कि उसके वांछित परिणाम मिल पा रहे हैं या नहीं?

वर्तमान में ई-कोर्ट परियोजना के तहत न्यायिक तंत्र में एआई आधारित कई तरह के टूल्स उपयोग में लाए जा रहे हैं। जैसे मशीन लर्निंग टूल अदालती फैसलों का अंग्रेजी से क्षेत्रीय भाषाओं में अनुवाद करता है। इसके माध्यम से हजारों निर्णयों को विभिन्न भाषाओं में अनूदित किया गया है। एक अन्य टूल फाइलों का विश्लेषण करने, प्रासंगिक कानूनों और उदाहरणों को खोजने में मदद करता है। इसी तरह कुछ उच्च न्यायालयों में ऐसे टूल प्रयोग हो रहे हैं, जो गवाहों के बयानों को सीधे डिजिटल टेक्स्ट में बदलने का काम करते हैं।

न्यायिक तंत्र में एआई का उपयोग इस तरह होना चाहिए कि लोगों को समय पर न्याय मिलने की संभावनाएं बढ़ें। निःसंदेह एआई निर्णय देने का काम नहीं कर सकती और न ही उससे ऐसा कोई काम लिया जाना चाहिए। मानवीय विवेक का स्थान एआई नहीं ले सकती, लेकिन उसका इतना सहयोग तो लिया ही जा सकता है, जिससे कागजी कार्रवाई का बोझ कम हो। अनुसंधान, विश्लेषण और डाटा संग्रह का काम भी एआई के जरिये हो सकता है।

इस सबके साथ ही यह भी समझा जाना चाहिए कि न्यायिक तंत्र में एआई का इस्तेमाल तभी प्रभावी होगा, जब अपेक्षित न्यायिक सुधार भी किए जाएंगे। यह आवश्यक है कि तारीख पर तारीख के सिलसिले पर विराम लगे। इसी तरह जनहित याचिकाओं के नाम पर फालतू की याचिकाओं पर लगाम लगना भी जरूरी है।

इसकी अनदेखी नहीं की जानी चाहिए कि हर क्षेत्र में सुधार हो रहे हैं, लेकिन आवश्यक हो चुके बुनियादी न्यायिक सुधार आगे बढ़ने का नाम नहीं ले रहे हैं। इसी का नतीजा है कि जिला अदालतों से लेकर सुप्रीम कोर्ट तक में लंबित मुकदमों का अंबार बढ़ता जा रहा है।

-धनंजय राजौरा

एक बिहारी, पाकिस्तान पर भारी

भारत और पाकिस्तान के बीच क्रिकेट मैच केवल खेल नहीं, बल्कि भावनाओं, इतिहास और राष्ट्रीय गौरव का संगम होता है। जब भी भारत और पाकिस्तान आमने-सामने होते हैं, तो पूरा उपमहाद्वीप की सांसें थम जातीं है। स्टेडियम की हर सीट, टीवी की हर स्क्रीन और दिल की हर धड़कन उसी एक क्षण पर टिकी रहती है।

ऐसे ही एक रोमांचक मुकाबले में 15 फरवरी 26 को भारत पाकिस्तान T20 क्रिकेट मैच के मुकाबले में एक बिहारी, पाकिस्तान पर भारी कहावत चरितार्थ हुई, जब बिहार की धरती से निकले युवा बल्लेबाज़ ईशान किशन ने अपने दमदार प्रदर्शन से मैच का रुख पलट कर रख दिया। उसने T20 विश्व कप 26 टूर्नामेंट में पाकिस्तान के मुकाबले 40 गेंद में 77 रन बनाकर मैच को भारत के पक्ष में खड़ा कर दिया और इंडिया 175 रन का विशाल स्कोर खड़ा कर पाई इसके मुकाबले में पाकिस्तान 119 रन बनाकर आउट हो गई और भारत शानदार ऐतिहासिक रूप से 61 रनों से जीत गई।

मुकाबले की पृष्ठभूमि मैं सदैव- भारत पाकिस्तान का मैच दबाव से भरा होता है। गेंदबाज़ी तेज, फील्डिंग चुस्त और हर रन की कीमत सोने के बराबर होती है। पाकिस्तान की टीम ने शुरुआती ओवरों में सटीक गेंदबाज़ी कर भारतीय शीर्ष क्रम को झकझोर दिया। स्कोरबोर्ड पर दबाव साफ दिखाई दे रहा था।

ऐसे समय में क्रीज़ पर आए ईशान किशन चेहरे पर आत्मविश्वास, बल्ले में आक्रामकता और आंखों में जीत का जज़्बा।।ईशान किशन ने संघर्ष से शिखर तक पहुंचने में एड़ी चोटी का जोर लगाकर अपना करियर बनाया।

बिहार जैसे राज्य से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट तक का सफर आसान नहीं होता। सीमित संसाधन, कम अवसर, और कड़ी प्रतिस्पर्धा इन सबके बीच ईशान ने अपने हुनर और मेहनत से जगह बनाई।

उनकी बल्लेबाज़ी की खासियत ही है तेज शुरुआत, स्पिन के खिलाफ बेखौफ शॉट्स और दबाव में संयम। यही गुण उस दिन भारत के काम आया।

मैच का टर्निंग पॉइंट- जब पहला विकेट अभिषेक शर्मा का जीरो पर गिर गया और रन गति थम गई थी, तब ईशान ने परिस्थिति को भांपते हुए पहले पारी को संभाला और फिर आक्रमण शुरू किया।कवर ड्राइव से आत्मविश्वास जताया पुल शॉट से गेंदबाज़ों पर दबाव बनाया स्पिनरों के खिलाफ आगे बढ़कर छक्के जड़े उनकी पारी ने न सिर्फ रन जोड़े, बल्कि ड्रेसिंग रूम में विश्वास भी लौटाया। जहां मैच पाकिस्तान की पकड़ में जाता दिख रहा था, वहीं ईशान की विस्फोटक बल्लेबाज़ी ने संतुलन भारत की ओर मोड़ दिया। मानसिक मजबूती का परिचय भारतङ्कपाक मुकाबले में मानसिक दबाव सबसे बड़ा प्रतिद्वंदी होता है। ऐसे माहौल में युवा खिलाड़ी अक्सर घबरा जाते हैं। लेकिन ईशान ने परिपक्वता दिखाई,हर गेंद को उसके गुण के अनुसार खेला, अनावश्यक जोखिम से बचे और सही समय पर आक्रमण किया। उनकी पारी केवल रन नहीं थी वह आत्मविश्वास का संदेश थी।

निष्कर्ष- क्रिकेट में जीत टीम की होती है, लेकिन कुछ पारियां इतिहास में दर्ज हो जाती हैं। उस दिन ईशान किशन ने साबित किया कि प्रतिभा क्षेत्र नहीं देखती–बिहार की मिट्टी से निकला खिलाड़ी भी विश्व मंच पर चमक सकता है।

एक बिहारी, पाकिस्तान पर भारी केवल नारा नहीं रहा, बल्कि उस दिन की सच्चाई बन गया। भारत पाकिस्तान मुकाबले की कहानी में यह अध्याय हमेशा याद किया जाएगा जब एक युवा बल्लेबाज़ ने दबाव को अवसर में बदल दिया और मैच का रुख पलट दिया।

-संजीव ठाकुर

एआई जगत को दिशा देने की कोशिश, भू-राजनीति को भी नए सिरे से संतुलित करने में सक्षम

नई दिल्ली में आरंभ एआई प्रभाव शिखर सम्मेलन कूटनीतिक मोर्चे पर ही एक मील का पत्थर नहीं, बल्कि सुनियोजित रणनीतिक पुनर्संरचना का प्रतीक भी है। यह शिखर सम्मेलन भारत की इस भावना को दर्शाता है कि वह इस उभरती हुई तकनीक से जुड़े विमर्श को प्रभावित कर उसे समावेशी एवं लोकतांत्रिक बनाना चाहता है।

इस आयोजन के माध्यम से भारत एआई (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) से जुड़ी चर्चा को सुरक्षा एवं प्रतिस्पर्धात्मक लाभ की अमूर्त चिंताओं से इतर उसके प्रभाव की ओर मोड़ना चाहता है। जैसे कि कौन इससे लाभान्वित हो रहा है और कौन नहीं और कौन इस खेल के नियम निर्धारित कर रहा है? इससे पहले एआई संबंधी आयोजन विकसित देशों में हुए और पहली बार वैश्विक दक्षिण में ऐसा शिखर सम्मेलन हो रहा है। प्रतीकात्मक रूप से भी यह बड़ा परिवर्तन है।

-सुनील कुमार महला

पारदर्शिता की पहल, पर एकरूपता के अभाव में अदालतों तक पहुंचते कर्मचारी

(सभी कर्मचारियों की एकमुश्त अनिवार्य सहभागिता सुनिश्चित करना आवश्यक है, ताकि कार्यस्थल वरिष्ठता निष्पक्ष रूप से निर्धारित हो और भविष्य में किसी प्रकार की असमानता या भ्रम की स्थिति उत्पन्न न हो। ऑनलाइन स्थानांतरण नीति लागू होने के बाद पारंपरिक स्थानांतरण पर पूर्ण प्रतिबंध लगाया जाना चाहिए। सभी विभागों में समान कार्यकाल व्यवस्था लागू हो, जिससे कर्मचारियों को समान अवसर मिल सकें। नई नियुक्तियों को समयबद्ध रूप से ऑनलाइन प्रणाली में शामिल किया जाए, ताकि वरिष्ठता प्रभावित न हो। स्थानांतरण प्रक्रिया का निश्चित वार्षिक कार्यक्रम हो, जिससे पारदर्शिता बढ़े और कर्मचारियों में अनिश्चितता समाप्त हो।

हरियाणा सरकार द्वारा लागू की गई आदर्श ऑनलाइन स्थानांतरण नीति प्रशासनिक सुधारों की दिशा में एक महत्वपूर्ण और साहसिक कदम है। लंबे समय से सरकारी कर्मचारियों के स्थानांतरण को लेकर मनमानी, सिफारिश, पक्षपात और भ्रष्टाचार की शिकायतें सामने आती रही हैं। इन समस्याओं को समाप्त करने और प्रक्रिया को पारदर्शी, निष्पक्ष तथा योग्यता आधारित बनाने के उद्देश्य से ऑनलाइन स्थानांतरण व्यवस्था लागू की गई। इसका मूल उद्देश्य यह सुनिश्चित करना था कि कर्मचारियों को उनकी वरिष्ठता, सेवा अवधि और विशेष परिस्थितियों के आधार पर न्यायपूर्ण तरीके से कार्यस्थल आवंटित किया जाए तथा किसी भी प्रकार के बाहरी हस्तक्षेप की संभावना समाप्त हो।

यह नीति आधुनिक प्रशासनिक सोच और तकनीकी उपयोग का सकारात्मक उदाहरण है। 50 या उससे अधिक पदों वाले संवर्गों पर लागू इस व्यवस्था में 80 अंकों का योग्यता आधारित मूल्यांकन तंत्र निर्धारित किया गया है। इसमें आयु और कुल सेवा अवधि को प्रमुख आधार बनाया गया है, जिससे वरिष्ठता को उचित महत्व मिल सके। सेवा अवधि को 365 दिनों से विभाजित कर अंक निर्धारित किए जाते हैं, जिससे पूरी प्रक्रिया वस्तुनिष्ठ और पारदर्शी बनती है। महिला कर्मचारियों को 10 अंक, पतिङ्कपत्नी मामलों में 5 अंक तथा गंभीर बीमारी या दिव्यांगता के मामलों में 10 से 20 अतिरिक्त अंक दिए जाते हैं।

पूरी प्रक्रिया मानव संसाधन प्रबंधन प्रणाली से जुड़े ऑनलाइन मंच के माध्यम से संचालित होती है। अधिसूचना जारी होने के बाद संवर्ग सूची सार्वजनिक की जाती है और कर्मचारी एकमुश्त पासवर्ड के माध्यम से सत्यापन कर अपने पसंदीदा कार्यस्थलों का चयन करते हैं। निर्धारित समय में विकल्प प्रस्तुत न करने की स्थिति में कर्मचारी को किसी भी स्थान पर नियुक्त किया जा सकता है। अतिरिक्त पदों पर कार्यरत कर्मचारियों का स्थानांतरण अनिवार्य रूप से किया जाता है तथा आदेश जारी होने के निर्धारित समय के भीतर कार्यभार ग्रहण करना आवश्यक होता है।

नीति लागू होने के बाद कई विभागों में पारदर्शिता बढ़ी है और शिकायतों में कमी भी आई है। ऑनलाइन शिकायत निवारण तंत्र ने कर्मचारियों को अपनी बात रखने का मंच दिया है। इससे यह विश्वास मजबूत हुआ है कि अंकीय प्रणाली के माध्यम से प्रशासनिक सुधार प्रभावी रूप से लागू किए जा सकते हैं।

फिर भी, नीति के क्रियान्वयन में एकरूपता का अभाव इसकी सबसे बड़ी चुनौती बनकर सामने आया है। सभी विभागों में समान कार्यकाल, समान समय-सारिणी और समान नियम लागू नहीं हैं। कहीं न्यूनतम कार्यकाल अलग है, कहीं अधिकतम कार्यकाल की सीमा भिन्न है, तो कहीं विशेष परिस्थितियों की परिभाषा बदल जाती है। इससे समान संवर्ग के कर्मचारियों के बीच असमानता उत्पन्न होती है और नीति की मूल भावना प्रभावित होती है।

ऑनलाइन स्थानांतरण अभियान की पहली ही प्रक्रिया में सभी कर्मचारियों की एकमुश्त अनिवार्य सहभागिता सुनिश्चित करना अत्यंत आवश्यक है। यदि प्रारंभिक चरण में कुछ कर्मचारी किसी कारणवश बाहर रह जाते हैं, तो उनकी कार्यस्थल वरिष्ठता प्रभावित होती है और भविष्य में विवाद की स्थिति बनती है। इसलिए एक बार की अनिवार्य सहभागिता के माध्यम से सभी कर्मचारियों को समान आधार पर लाना चाहिए।

सभी विभागों में निर्धारित कार्यकाल समान होना चाहिए। उदाहरण के लिए न्यूनतम कार्यकाल एक वर्ष या एक स्थानांतरण अभियान से अगले अभियान तक तथा अधिकतम कार्यकाल पाँच वर्ष निर्धारित किया जा सकता है। इससे कोई भी कर्मचारी अत्यधिक लंबे समय तक एक ही स्थान पर नहीं रहेगा और न ही किसी को अल्प अवधि में बार-बार स्थानांतरण झेलना पड़ेगा। जब भी नई नियुक्ति हो, उसे अनिवार्य रूप से अगले स्थानांतरण अभियान में शामिल किया जाना चाहिए। यदि ऑनलाइन स्थानांतरण नीति लागू होने के बाद अब तक कोई कर्मचारी इस प्रक्रिया में शामिल नहीं हुआ है, तो उसे वर्तमान अभियान में अनिवार्य रूप से सम्मिलित किया जाना चाहिए। इससे सभी कर्मचारियों को उनकी वरिष्ठता के आधार पर कार्यस्थल प्राप्त करने का अवसर मिलेगा और मनमानी या रिश्वतखोरी के माध्यम से पारंपरिक आदेशों द्वारा कार्यस्थल प्राप्त करने की प्रवृत्ति समाप्त होगी।

सभी विभागों में स्थानांतरण अभियान एक ही समय पर पूरा किया जाना चाहिए। इससे पतिङ्कपत्नी प्रकरणों में निर्णय लेने में सुविधा होगी और परिवारों को अनिश्चितता का सामना नहीं करना पड़ेगा। यदि विभिन्न विभाग अलग-अलग समय पर स्थानांतरण करेंगे, तो पारिवारिक समन्वय कठिन हो जाता है।

कार्यकाल की गणना करते समय वित्तीय वर्ष को एक वर्ष माना जाना चाहिए, न कि दिनों की गणना के आधार पर। कई बार स्थानांतरण अभियान वित्तीय वर्ष के मध्य में पूरा होता है और कार्यभार ग्रहण वर्ष के अंतिम चरण में होता है, जिससे कार्यकाल की गणना में एक वर्ष का अंतर उत्पन्न हो जाता है। यदि वित्तीय वर्ष को पूर्ण इकाई के रूप में स्वीकार किया जाए, तो कट-ऑफ तिथि से संबंधित विवाद समाप्त हो सकते हैं।

हर वर्ष एक निश्चित और पूर्व घोषित समय-सारिणी के अनुसार स्थानांतरण अभियान चलाया जाना चाहिए। यदि यह प्रक्रिया नियमित और वार्षिक हो, तो कर्मचारियों में अनिश्चितता समाप्त होगी और प्रशासनिक समन्वय बेहतर होगा। अनियमित या विलंबित अभियान से भ्रम और असंतोष की स्थिति उत्पन्न होती है।

पद पुनर्संरचना या युक्तिकरण की प्रक्रिया के दौरान, यदि अगली भर्ती प्रक्रिया प्रारंभ हो चुकी हो, तो न्यूनतम पदों को अवरुद्ध किया जाना चाहिए ताकि कर्मचारियों को अपने निवास स्थान के निकट कार्यस्थल मिलने की अधिक संभावना रहे। यदि एक बार सभी कर्मचारियों को शामिल कर व्यापक स्तर पर युक्तिकरण किया जाए, तो भविष्य में बार-बार इस प्रक्रिया की आवश्यकता भी नहीं रहेगी। वर्तमान में कई कर्मचारियों के नियुक्ति आदेशों में अनिवार्य सहभागिता का स्पष्ट उल्लेख है, किंतु यह स्पष्ट नहीं है कि यदि कोई कर्मचारी किसी कारणवश अभियान में भाग नहीं ले पाता, तो उसकी कार्यस्थल वरिष्ठता और अधिकारों का संरक्षण कैसे होगा। इस अस्पष्टता के कारण कई कर्मचारी प्रक्रिया से बाहर रह गए, जिससे असमानता और असंतोष की स्थिति उत्पन्न हुई। सबसे गंभीर चिंता यह है कि ऑनलाइन नीति लागू होने के बाद भी कुछ स्थानांतरण पारंपरिक माध्यम से किए गए हैं। यह स्थिति नीति की पारदर्शिता और निष्पक्षता के विपरीत है। जब कुछ कर्मचारियों को अंकीय आधार पर और कुछ को पारंपरिक आदेशों से कार्यस्थल दिए जाते हैं, तो समान अवसर का सिद्धांत कमजोर पड़ जाता है। ऐसी समानांतर व्यवस्था नीति को संदेह के दायरे में लाती है और कर्मचारियों के बीच भेदभाव की भावना उत्पन्न करती है।

इन्हीं विसंगतियों के कारण अनेक कर्मचारी न्यायालयों की शरण लेने को विवश हो रहे हैं। समान पद और समान सेवा अवधि के बावजूद अलग-अलग व्यवहार से विवाद उत्पन्न होना स्वाभाविक है। न्यायालयी प्रक्रिया कर्मचारियों के लिए मानसिक, सामाजिक और आर्थिक रूप से कठिन होती है, साथ ही प्रशासन पर भी अतिरिक्त बोझ डालती है। यदि नीति को पूर्णतः एकरूप और अनिवार्य रूप से लागू किया जाए, सभी कर्मचारियों की एकमुश्त सहभागिता सुनिश्चित की जाए तथा पारंपरिक स्थानांतरण पर पूर्ण प्रतिबंध लगाया जाए, तो न्यायालयों में जाने की आवश्यकता स्वतः समाप्त हो जाएगी। इससे कर्मचारियों का विश्वास मजबूत होगा और प्रशासनिक प्रणाली की विश्वसनीयता बढ़ेगी। आदर्श ऑनलाइन स्थानांतरण नीति एक दूरदर्शी पहल है, परंतु इसकी सफलता पूर्ण पारदर्शिता, समान नियम और कठोर अनुपालन पर निर्भर करती है। जब तक सभी विभागों में समान कार्यकाल, समान वार्षिक कार्यक्रम, अनिवार्य सहभागिता और केवल ऑनलाइन माध्यम से ही कार्यस्थल आवंटन सुनिश्चित नहीं किया जाएगा, तब तक इसकी मूल भावना अधूरी रहेगी।

-डॉ. सत्यवान सौरभ

अंतिम विदाई में भी परोपकारः सेवाधाम आश्रम के कर्मयोगी का देहदान, समाज के लिए बने मिसाल

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मानवता की सेवा और चिकित्सा शिक्षा के क्षेत्र में आज देवास का अमलतास मेडिकल कॉलेज एक ऐतिहासिक पल का साक्षी बना। सेवाधाम आश्रम (अंकितग्राम) में निवासरत देहदान स्वतंत्रता संग्राम सेनानी (मीसाबंदी) 73 वर्षीय देवव्रत चौधरी का देहदान संकल्प मंगलवार को पूरे राजकीय सम्मान के साथ पूर्ण हुआ।

मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मंशानुसार, देहदानियों को सर्वोच्च सम्मान देने के लिए अमलतास मेडिकल कॉलेज परिसर में पुलिस विभाग की टुकड़ी द्वारा %गार्ड ऑफ ऑनर% प्रदान किया गया। इस भावुक क्षण के दौरान वहां उपस्थित पुलिस बल, कॉलेज डीन डॉ.ए.के. पिठावा,एनाटॉमी विभाग के हेड डॉ. करखायले एम. एल, मेडिकल छात्र, डॉक्टर्स और परिजनों ने नम आंखों से इस महान आत्मा को अंतिम विदाई दी।

यह पुनीत कार्य सेवाधाम आश्रम, ग्राम अम्बोदिया (उज्जैन) के संस्थापक श्री सुधीर भाई गोयल के विशेष प्रयासों से संपन्न हुआ। गोयल जी ने बताया कि आयुष विभाग के निर्देशों और मृतकों की अंतिम इच्छा का सम्मान करते हुए यह देहदान किया गया है। उन्होंने कहा, यह देहदान न केवल चिकित्सा जगत के शोध में मील का पत्थर साबित होगा, बल्कि भविष्य के डॉक्टरों को मानव शरीर की जटिलताओं को समझने में भी मदद करेगा।

अमलतास कॉलेज के डीन डॉ. ए.के. पीठवा द्वारा संस्थापक श्री सुधीर भाई गोयल जी को सम्मान पत्र भेट किया गया देहदान अधिकारी, श्री गजानंद चौहान, ने देहदान की प्रक्रिया की जानकारी दी और इसे संपन्न कराया।

अमलतास वेलफेयर सोसायटी के चेयरमैन महोदय ने श्री सुधीर भाई गोयल जी के प्रति हृदय से आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि समाज को ऐसे महान कार्यों से प्रेरणा लेनी चाहिए। जब कोई व्यक्ति अपनी देह दान करता है, तो वह समाज को जीवन देने वाले नए डॉक्टरों के निर्माण में अपना सर्वोच्च योगदान देता है।

परीक्षा के नाम पर बच्चों से साफ करवाया शौचालय और बाथरूम

ग्रामीणों ने देखा तो हुए नाराज, अब लटकी कार्रवाई की तलवार

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। ग्राम पिपलिया गोपाल के शासकीय प्राथमिक स्कूल में एक शिक्षक ने वहां पढ़ने वाले बच्चों से स्कूल का शौचालय और बाथरूम साफ करवाने का मामला सामने आया है। जब बच्चों का सफाई करते हुए वीडियो वायरल हुआ तो मामला सामने आया। इसके बाद पहुंचे ग्रामीणों ने इस पर नाराजगी जाहिर करते हुए अधिकारियों को शिकायत की है, जिन्होंने जांच के बाद संबंधित के खिलाफ कार्रवाई की बात कही है।

जो वीडियो वायरल हुआ हैं उसमें स्कूल के शिक्षक फजल एक बच्चे से शौचालय साफ करवाते नजर आ रहे हैं। सफाई के दौरान बच्चे की शर्ट तक उतरी हुई है। केवल छात्र ही नहीं बल्कि स्कूल की छात्राओं ने भी गंभीर आरोप लगाए हैं। छात्राओं का कहना है कि उनसे स्कूल में आए दिन झाड़ू लगवाई जाती है और साफ-सफाई करवाई जाती है। कक्षा 6 के एक छात्र लकी ने बताया कि शिक्षक फजल ने उनसे कहा कि परीक्षाएं शुरू होने वाली हैं और बाहर के गांवों से बच्चे यहां आएंगे। इसलिए सफाई कर दो। वहीं अभिभावक देवी सिंह ने बताया कि जब वे स्कूल पहुंचे तो उन्होंने खुद बच्चों को बिना कपड़ों के शौचालय साफ करते देखा, जिससे ग्रामीणों में आक्रोश है।

मैने पत्ते साफ करने को कहा था- मामले में शिक्षक फजल ने कहा कि उन्होंने बच्चों से शौचालय साफ नहीं करवाया है। उन्होंने बच्चों को केवल परिसर में गिरे हुए सूखे पत्ते उठाने के लिए कहा था। उन्होंने बाथरूम साफ कराने की बात को खारिज कर दिया है।

इनका कहना है- मामला मेरे संज्ञान में आया है। बीआरसी और जनशिक्षक को तुरंत मौके पर भेजकर विस्तृत जांच के निर्देश दिए हैं। जांच रिपोर्ट के आधार पर दोषी पाए जाने पर संबंधित शिक्षक के खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी।

- धीरज बिरथरिया, डीपीसी-शाजापुर

कलेक्टर ऋतुराज सिंह ने परीक्षा केन्द्र नारायण विद्या मंदिर नं.1 का किया औचक निरीक्षण

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। देवास कलेक्टर ऋतुराज सिंह ने माध्यमिक शिक्षा मंडल भोपाल द्वारा आयोजित हाई स्कूल परीक्षा-2026 के लिए बनाये गये परीक्षा केंद्र नारायण विद्या मंदिर नं. 1 का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान कलेक्टर सिंह ने परीक्षा केन्द्र पर व्यवस्थाओं का जायजा लेकर सभी क्लास रूमों में जाकर अवलोकन किया एवं आवश्यक दिशा-निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि किसी भी प्रकार की अनियमित्ता या कोई शिक़ायत आने पर सख्त कार्यवाही की जाएगी। कलेक्टर सिंह ने निरीक्षण के दौरान सभी संबंधित अधिकारियों को जिले में परीक्षा के लिए बनाये गये केन्द्रों पर निर्विघ्न तथा शांतिपूर्वक परीक्षाओं के संचालन के संबंध में निर्देश भी दिये। उल्लेखनीय है कि जिले में परीक्षाओं के दौरान कानून व्यवस्था, परीक्षा की पवित्रता एवं विश्वसनियता बनायें रखने तथा निर्विघ्न रूप से सम्पन्न कराने, नकल इत्यादि रोकने के लिए परीक्षा केन्द्रों का आकस्मिक निरीक्षण करने के लिए बनाये गये उड़न दस्ते द्वारा भी जिले में लगातार औचक निरीक्षण किया गया। जिले में परीक्षाओं के सुगम एवं सफल संचालन के लिए प्रतिबंधात्मक आदेश भी जारी किये गये है।

पोस्ट-मैट्रिक छात्रवृत्ति आर्थिक रूप से कमजोर वर्गो के छात्रों के लिए एक मजबूत आधार साबित हो रही है

योजना का लाभ लेकर जिले के कई छात्र न केवल अपनी उच्च शिक्षा पूरी कर रहे हैं, बल्कि बड़े संस्थानों में नौकरियां भी प्राप्त कर रहे हैं

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्यप्रदेश सरकार द्वारा अन्य राज्यों में अध्ययनरत राज्य के मूल निवासी पिछड़ा वर्ग (ह्व्ब्ष्ट) के विद्यार्थियों को पोस्ट-मैट्रिक छात्रवृत्ति प्रदान की जाती है। पोस्ट-मैट्रिक छात्रवृत्ति का लाभ उठाकर जिले के कई छात्र न केवल अपनी उच्च शिक्षा पूरी कर रहे हैं, बल्कि बड़े संस्थानों में नौकरियां भी प्राप्त कर रहे हैं। यह योजना आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के छात्रों के लिए एक मजबूत आधार साबित हुई है।

इसी क्रम में देवास जिले की तहसील सतवास के निवासी फारूख पिता साबिर खान जो कि मोतीलाल नेहरू राष्ट्रीय प्रोद्यौगिकी संस्थान इलाहबाद प्रयागराज में एम.सी.ए में अध्ययन करने पर अन्य राज्य छात्रवृत्ति योजना अंतर्गत एम.सी.ए प्रथम वर्ष के लिए 73 हजार 420 रूपये, द्वितीय वर्ष 74 हजार 560 एवं तृतीय वर्ष 74 हजार 560 रूपये इस प्रकार कुल 02 लाख 22 हजार 540 रूपये की छात्रवृति प्रदान की गई। फारूख को इंटेलेक्ट डिज़ाइन एरेना प्राइवेट लिमिटेड, चेन्नई में लगभग 07 लाख प्रति वर्ष के पैकेज पर नौकरी मिली है और वर्तमान में वह 6 महीने की इंटर्नशिप कर रहे हैं।

इसी क्रम में देवास के अग्रवाल नगर में रहने वाली पायल पिता अनिल विश्वकर्मा जो कि राष्ट्रीय प्रोद्यौगिकी संस्थान कर्नाटर सुरतकल में एम.सी.ए करने पर अन्य राज्य छात्रवृत्ति योजना अंतर्गत एम.सी.ए प्रथम वर्ष के लिए 71 हजार 740 रूपये, द्वितीय वर्ष 72 हजार 280 हजार एवं तृतीय वर्ष 72 हजार 280 रूपये, इस प्रकार कुल 02 लाख 16 हजार 300 रूपये की छात्रवृत्ति प्रदान की गई। वर्तमान में पायल Deutsche Bank में 17 लाख प्रति वर्ष के पैकेज पर बैंगलोर में कार्यरत हैं। योजना का लाभ मिलने छात्र प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव को हृदय से धन्यवाद दे रहे है।

1 लाख 20 हजार था बकाया, विद्युत विभाग ने 6 बाईक की जब्त

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले के ग्राम बरनावद में मंगलवार को विद्युत विभाग ने बकाया बिजली बिलों की वसूली के लिए कुर्की जब्ती की कार्रवाई की। इस दौरान विभाग ने कुल 6 बाइक जब्त कीं और मौके पर ही 4 बाइक मालिकों से 70 हजार रुपएकी वसूली की। अधिकारियों ने बताया कि ग्राम बरनावद में उपभोक्ताओं पर कुल एक लाख बीस हजार रुपए की बकाया राशि थी। कार्रवाई के दौरान टीम ने उन उपभोक्ताओं की संपत्तियां जब्त कीं जिन्होंने अपने बिजली बिलों का भुगतान नहीं किया था। मोहन बड़ोदिया के कनिष्ठ यंत्री उदयभान सिंह किरार ने बताया कि यह कार्रवाई बकायादारों के खिलाफ की गई। टीम में जेई उदयभानसिंह किरार और शाजापुर से विनोद मेवाड़ा सहित विद्युत विभाग के अन्य कर्मचारी शामिल थे। कनिष्ठ यंत्री किरार ने उपभोक्ताओं से अपील की कि वे समय पर अपने बिजली बिलों का भुगतान करें ताकि किसी भी असुविधा से बचा जा सके।

जारी रहेगी कार्रवाई- बिजली कंपनी द्वारा लोगों से बकाया बिजली बिलों की वसूली की जा रही है। इसके लिए विभाग द्वारा अभियान चलाया जा रहा है। इस दौरान जिस उपभोक्ता के बिजली बिल की राशि लंबे समय से बकाया है उनसे सख्ती से वसूली की जा रही है।

आरटीओ ने कार्यवाही कर बिना दस्तावेज के 12 मैजिकों को किया जप्त

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर ऋतुराज सिंह के निर्देशानुसार जिले में परिवहन विभाग द्वारा लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी कड़ी में आरटीओ अधिकारी श्रीमती निशा चौहान के नेतृत्व में परिवहन विभाग द्वारा सख्ती के साथ जांच अभियान चलाकर देवास शहर में बिना दस्तावेज मैजिक वाहनों पर कार्यवाही की गई। मैजिक वाहनों में बीमा, फिटनेस, पीयूसी, परमिट की जांच कर 12 मैजिक वाहनों में दस्तावेजों की कमी पाई जाने पर मैजिक जप्त कर आरटीओ कार्यालय में सुरक्षार्थ खड़ा करवाया गया। आरटीओ जांच दल द्वारा मैजिक वाहनों पर कार्यवाही लगातार की जा रही है।

जनसुनवाई में सीईओ जिला पंचायत ज्योति शर्मा ने नागरिकों की समस्याएं सुन अधिकारियों को निराकरण के दिये निर्देश

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिला मुख्यालय पर मंगलवार को सीईओ जिला पंचायत श्रीमती ज्योति शर्मा ने जनसुनवाई में आये आवेदकों की समस्याएं सुनी। जनसुनवाई में प्राप्त आवेदनों पर त्वरित कार्यवाही करते हुए सीईओ जिला पंचायत श्रीमती ज्योति शर्मा ने संबंधित विभाग के अधिकारियों को आवेदनों का निराकरण करने के निर्देश दिए। जनसुनवाई में अपर कलेक्टर श्री शोभाराम सोलंकी, संयुक्त कलेक्टर सुश्री अंशु जावला सहित विभिन्न विभागों के जिला अधिकारीगण उपस्थित थे।

फसल बीमा की राशि दिलाई जाये- जनसुनवाई में आवेदक जगदीश निवासी तुमडावदा ने फसली बीमा की राशि दिलाने के संबंध में आवेदन दिया। आवेदन पर सुनवाई करते हुए सीईओ जिला पंचायत श्रीमती ज्योति शर्मा ने संबंधित अधिकारी को जांच कर नियमानुसार कार्यवाही के निर्देश दिये।

गरीबी रेखा का राशन कार्ड बनवाया जाये- जनसुनवाई में आवेदिका रश्मि सोलंकी निवासी देवास ने गरीबी रेखा के नीचे जीवन व्यापन का राशन कार्ड बनाने के संबंध में आवेदन दिया है। आवेदन पर सुनवाई करते हुए सीईओ जिला पंचायत श्रीमती ज्योति शर्मा ने संबंधित अधिकारी को जांच कर नियमानुसार कार्यवाही के निर्देश दिये।

गैस कनेक्शन बिल की राशि कम कराई जाये- जनसुनवाई में आवेदिका सुशीला मालवीय ने गैस कनेक्शन बिल की राशि कम करवाने के संबंध में आवेदन दिया। आवेदन पर सुनवाई करते हुए सीईओ जिला पंचायत श्रीमती ज्योति शर्मा ने संबंधित अधिकारी को जांच कर नियमानुसार कार्यवाही के निर्देश दिये।

संत रविदास योजना का लाभ दिलाया जाये- जनसुनवाई में आवेदक अरविन्द निवासी देवास ने संत रविदास योजना का लाभ दिलाने के संबंध में आवेदन दिया। आवेदन पर सुनवाई करते हुए सीईओ जिला पंचायत श्रीमती ज्योति शर्मा ने संबंधित अधिकारी को जांच कर नियमानुसार कार्यवाही के निर्देश दिये।

ये आवेदन भी हुए प्राप्त- जनसुनवाई में प्रधानमंत्री आवास योजना, जमीन के सीमाकंन, बिजली बिल कम कराने, बीपीएल सूची में नाम जुड़वाने, नामाकंन, बंटवारा, रास्ते पर से अतिक्रमण हटवाने, नालियों की साफ-सफाई करने सहित अन्य आवेदन पर संबंधित विभाग के अधिकारियों को जांच कर त्वरित निराकरण के निर्देश दिए।

बिजली के तार चोरी करते रंगे हाथ पकड़ाया बदमाश

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। लालघाटी थाना क्षेत्र के काशी नगर में सोमवार देर रात एक युवक को निर्माणाधीन मकानों से बिजली के तार चोरी करते हुए रंगे हाथों पकड़ा गया। यह घटना रात करीब 10 सें 11 बजे के बीच हुई, जिसका सीसीटीवी फुटेज मंगलवार दोपहर 1 बजे सामने आया।

काशीनगर निवासियों ने बताया कि रात के समय एक संदिग्ध युवक निर्माणाधीन घरों के आसपास घूमता दिखा। उसकी गतिविधियों पर संदेह होने पर लोगों ने उसे रोका और पूछताछ की। इसके बाद तत्काल पुलिस को सूचना दी गई। सूचना मिलते ही लालघाटी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और संदिग्ध युवक को हिरासत में लेकर थाने ले आई। लालघाटी थाना प्रभारी अर्जुन सिंह मुजाल्दे ने बताया कि काशी नगर के कुछ निवासियों से संदिग्ध युवक के घूमने की जानकारी मिली थी। मौके से घटना का सीसीटीवी फुटेज भी प्राप्त हुआ है। पूछताछ में युवक की पहचान शाजापुर निवासी अनस पिता इकबाल के रूप में हुई है। फिलहाल काशी नगर के किसी भी निवासी द्वारा तार चोरी को लेकर कोई औपचारिक शिकायत दर्ज नहीं कराई गई है।

अब तक नहीं हुआ खुलासा, जल्द दिलवाएं रकम

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले के ग्राम कुकड़ी निवासी बाबूलाल पिता रतनलाल ने मंगलवार को कलेक्टर कार्यालय में एक शिकायती आवेदन दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि उनके घर से हुई चोरी की घटना में अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है।

बाबूलाल ने आवेदन में बताया कि जब वह परिवार सहित जंगल में मजदूरी करने गए थे, तब दोपहर करीब 2 बजे अज्ञात चोरों ने उनके घर का ताला तोड़ दिया। चोरों ने घर से चार लाख रुपए नकद, आधा किलो आंवला और एक गले का मंगलसूत्र चुरा लिया।

पीड़ित ने बताया कि यह रकम उन्होंने अपने 25 वर्षीय पुत्र की अचानक मृत्यु के बाद शाजापुर के ज्योति नगर क्षेत्र में खरीदे गए एक प्लाट की बकाया दो किस्तें चुकाने के लिए ससुराल और बहन से उधार लेकर जुटाई थी।

रिपोर्ट के बाद भी नहीं हुई कार्रवाई- रतनलाल ने बताया कि इस घटना की रिपोर्ट सुनेरा थाना में दर्ज कराई गई थी, लेकिन कई दिन बीत जाने के बावजूद चोरी का खुलासा नहीं हो सका है। बाबूलाल ने कलेक्टर से इस मामले में त्वरित कार्रवाई करने और चोरी हुई रकम को बरामद कराने की मांग की है। मामले को लेकर सुनेरा थाना प्रभारी अंकित मुकाती ने बताया कि फरियादी की शिकायत पर तत्काल मौके पर पहुंचकर फिंगरप्रिंट टीम से साक्ष्य जुटाए गए हैं। मामले की जांच अभी जारी है।

जनगणना कार्य के लिए चार्ज ऑफिसरों को कलेक्टर सिंह की उपस्थिति में प्रशिक्षण दिया

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। देवास जिले में जनगणना कार्य के लिए चार्ज ऑफिसरों को जिला पंचायत सभाकक्ष में कलेक्टर ऋतुराज सिंह की उपस्थिति में प्रशिक्षण दिया गया। इस दौरान अपर कलेक्टर संजीव जैन, डिप्टी कलेक्टर आनंद मालवीय, जनगणना निदेशालय मध्य प्रदेश से विशेष रूप से उपसंचालक राजेश मौर्य, संदीप घोरे तथा सुश्री सोनिका गर्ग एवं अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

कलेक्टर ऋतुराज सिंह ने कहा कि इस पूरे कार्य में डिजिटल दक्षता अत्यंत आवश्यक है तथा समस्त कार्य डिजिटल माध्यम से ही किए जायेंगे, इसलिए सभी अच्छे से प्रशिक्षण लें। उन्होंने निर्देश दिए कि हाउस लिस्टिंग के दौरान कोई भी मकान, भवन या ढांचा छूटना नहीं चाहिए। एचएलओ में केवल सामान्य परिवार तथा संस्थागत परिवार को ही शामिल किया जाएगा। प्रत्येक भवन/जनगणना मकान को क्रम से नम्बरिंग प्रदान की जाएगी।

जनगणना निदेशालय मध्य प्रदेश से विशेष रूप से उपसंचालक राजेश मौर्य, संदीप घोरे तथा सुश्री सोनिका गर्ग द्वारा जनगणना कार्य के संबंध में चार्ज ऑफिसरों को प्रशिक्षण दिया। प्रशिक्षण के दौरान बताया गया कि जनगणना का यह प्रशिक्षण चार दिवसीय होगा। जनगणना कार्य का प्रथम चरण 01 मई 2026 से 30 मई 2026 तक चलेगा, जिसमें प्रथम चरण के रूप में हाउस लिस्टिंग ऑपरेशंस किया जाएगा। यह कार्य पूर्णतः एचएलओ ऐप के माध्यम से डिजिटल रूप से संपन्न होगा। प्रशिक्षण में पीपीटी के माध्यम से हाउस लिस्टिंग की प्रक्रिया, ऐप का उपयोग एवं संबंधित दिशा-निर्देश विस्तार से समझाए गए।

प्रशिक्षण में बताया गया कि जनगणना में स्व-गणना का विकल्प भी उपलब्ध है, जिसमें उत्तरदाता स्वयं परिवार के लिए जनरेट होने वाले विशेष SEID (Self Enumeration ID) के माध्यम से वेब पोर्टल पर अपना जनगणना फॉर्म भर सकता है।

इस दौरान बताया गया कि प्रगणक एवं पर्यवेक्षक द्वारा घर-घर दस्तक देकर शासन द्वारा अधिसूचित प्रश्नावली के अनुसार जानकारी एकत्र की जाएगी। प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें आवास की स्थिति, उपलब्ध सुविधाएं, धारित परिसंपत्ति तथा अन्य संबंधित जानकारी शामिल है। यह प्रशिक्षण जनगणना कार्य को समयबद्ध, पारदर्शी एवं डिजिटल रूप से संपन्न कराने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। सभी संबंधित अधिकारी/कर्मचारी/प्रशिक्षक पूर्ण निष्ठा एवं सजगता से अपने दायित्वों का निर्वहन करेंगे।

जिला अस्पताल में देर रात हुआ हंगामा, परिजनों ने की गार्ड की पिटाई

डिलेवरी कक्ष में जाने से रोका तो परिजन हुए नाराज, गार्ड को आई गंभीर चोंट

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। जिला मुख्यालय स्थित जिला अस्पताल में सोमवार देर रात जमकर हंगामा हो गया। जब एक महिला के परिजनों ने गार्ड की पिटाई कर दी। जबकि गार्ड ने उन्हें डिलेवरी कक्ष में जाने से रोका था। इस घटना में गार्ड को सिर में चोंट आई है। मामले को लेकर पुलिस में शिकायती आवेदन है।

यह घटना डिलीवरी कक्ष के बाहर मुख्य गेट पर हुई। पूरी घटना सीसीटीवी फुटेज में कैद हो गई है, जिसमें परिजन गार्ड के साथ मारपीट करते दिख रहे हैं। दरअसल सिक्योरिटी गार्ड महेश प्रजापति डिलीवरी कक्ष के बाहर मुख्य गेट पर ड्यूटी पर थे। उन्होंने डिलीवरी कक्ष में भर्ती मरीज मुस्कान के परिजनों को अंदर जाने से रोका, क्योंकि पुरुषों का अंदर जाना मना है। इसके बाद जब गार्ड ने एंट्री के लिए उनसे मोबाइल नंबर मांगा तो ग्रामीणों ने मारपीट शुरू कर दी। जिससे महेश को सिर में चोंट आई है।

मै तो अपनी ड्यूटी कर रहा था- गार्ड महेश प्रजापति ने बताया, रात में ड्यूटी के दौरान मरीज मुस्कान के परिजन अंदर जाने लगे, तो मैंने उन्हें रोका और बताया कि पुरुषों का अंदर जाना मना है। इस पर वे विवाद करने लगे। मैंने उनसे रजिस्टर में एंट्री करवाने और मोबाइल नंबर मांगा। उन्हें लगा कि मैं उनकी बहन का नंबर मांग रहा हूं, जिसके बाद उन्होंने मेरे साथ मारपीट शुरू कर दी। वहीं मरीज मुस्कान के पिता अशोक, जो ग्राम भरड़ के निवासी हैं, ने गार्ड के साथ हुए विवाद के बारे में अनभिज्ञता जताई। उन्होंने कहा कि उन्हें इस बारे में कोई जानकारी नहीं है, क्योंकि वे कल रात बाहर गए हुए थे और आज ही लौटे हैं। उन्होंने किसी भी विवाद से इनकार किया।

गिरधारीलाल देवतवाल बने अभिभाषक संघ के उपाध्यक्ष, 92 मतों से जीता चुनाव

350 में से 284 मतदाताओं ने किया मताधिकार का प्रयोग

शाजापुर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मंगलवार को अभिभाषक संघ के चुनाव संपन्न हुए। जहां उपाध्यक्ष पद के लिए 350 में से 284 मतदाताओं ने मताधिकार का प्रयोग किया। मतदान के बाद परिणाम की घोषणा की गई, जिसमें उपाध्यक्ष पद पर गिरधारीलाल देवतवाल को विजय घोषित किया गया और सभी ने उन्हें बधाई देते हुए स्वागत किया।

अभिभाषक संघ के चुनाव की प्रक्रिया पिछले एक सप्ताह से चल रही थी। पहले प्रत्याशियों ने आवेदन जमा किए। इसके बाद नाम वापसी की प्रक्रिया हुई। जिसमें अध्यक्ष पद के लिए मैदान में करणसिंह गुर्जर, सचिव पद पर शैलेंद्र वर्मा, सह सचिव पद पर विकास सक्सेना, लाइब्रेरियन सचिव के पद पर तेजकरन मेवाड़ा व कोषाध्यक्ष पद पर नरेंद्र जायसवाल को कोई प्रतिद्वंदी न होने पर निर्विरोध निर्वाचित किया गया था। लेकिन उपाध्यक्ष पद के लिए तीन प्रत्याशी गिरधारीलाल देवतवाल, मदनसिंह चौहान व शिव कलेशरिया के मैदान में होने से 17 को मतदान कराया गया। जहां 350 मतदाताओं में से 284 अभिभाषकों ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। इसमें गिरधारीलाल देवतवाल को 188 तथा मदनसिंह चौहान को 53 वोट मिले। वहीं शिव कलेशरिया को 39 मतों से संतोष करना पड़ा। डाले गए मतों में से 3 मत निरस्त हुए तथा नोटा में भी एक वोट डाला गया। इस तरह गिरधारीलाल देवतवाल 92 मतों से विजयी घोषित हुए जिन्हें सभी ने शुभकामनाएं देते हुए उनका स्वागत किया।

शुजालपुर रेस्ट हाउस में मनाया श्रमजीवी पत्रकार संघ के जिला अध्यक्ष का जन्मदिन सांसद भाजपा नेता एवं पत्रकारो ने दी बधाई

अकोदिया/ अमर सिंह मेवाडा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। अकोदिया श्रमजीवी पत्रकार संघ के शाजापुर जिला अध्यक्ष अभिषेक उर्फ चिंटू सक्सेना का आज जन्मदिन था नगर शुजालपुर सहित पूरे क्षेत्र में जगह-जगह जन्मदिन मनाया जा रहा था वही 4 बजे सुजालपुर के रेस्ट हाउस पर जन्मदिन मनाया इस अवसर पर सांसद श्री सोलंकी देवास से शुजालपुर पहुंचे वा श्रमजीवी पत्रकार संघ के जिला अध्यक्ष श्री सक्सेना का चुनरी उड़ाकर सादगीपूर्ण रुप से जन्मदिन मनाया तो वहीं भारतीय जनता पार्टी मंडल अकोदिया के कार्यकर्ता एवं नगर अकोदिया के पत्रकार आदि भी रेस्ट हाउस पहुंचे श्री सक्सेना जो पूरे जिले में एक समाजसेवी के नाम से अपनी पहचान बन चुके हैं जिनका आज जन्मदिन होने की वजह से जगह-जगह जन्मदिन मनाया जा रहा था 4 बजे रेस्ट हाउस में देवास शाजापुर लोकसभा क्षेत्र के सांसद महेंद्र सिंह सोलंकी जिला उपाध्यक्ष नरेंद्र यादव अकोदिया मंडल अध्यक्ष अरविंद परमार नगर पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि संतोष मेवाड़ा दिग्विजय सिंह बेस मंडल अध्यक्ष देवेंद्र सिंह तिवारी पूर्व मंडल अध्यक्ष परशुराम धनगर मोहम्मद खेड़ा सरपंच बाफू सिंह मेवाड़ा सोशल मीडिया के जिला प्रभारी आयुष चांडक पत्रकार कमल प्रजापत दीपक अग्रवाल संजय गोस्वामी प्रकाश केवट रोशन मेवाड़ा युवराज रामडिया पत्रकार अमर सिंह मेवाड़ा आदि द्वारा श्री सक्सेना को माला पहनाकर एवं पपीता काटकर मीठा मुंह पर सादगी पूर्वक जन्मदिन मनाते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की यह जन्मदिन कार्यक्रम के दौरान ही नगर शुजालपुर के भाजपा कार्यकर्ता बड़ी संख्या में रेस्ट हाउस पहुंचे यहां श्री सक्सेना का हर कोई माला पहनाकर जन्मदिन मना रहे थे सोशल मीडिया के बादशाह बन गए जिला अध्यक्ष श्री सक्सेना - श्रमजीवी पत्रकार संघ के जिला अध्यक्ष श्री अभिषेक सक्सेना का जन्मदिन नगर सहित शुजालपुर क्षेत्र में जगह-जगह बैनर पोस्टर व सोशल मीडिया की हर एक प्लेटफार्म के माध्यम से उनके चाहने वाले द्वारा जन्मदिन मनाया तो कोई टेलीविजन से उन्हें जन्मदिन की शुभकामनाएं दे रहे थे सोशल मीडिया की हर एक प्लेटफार्म पर पिछले 24 घंटे से लगातार श्रमजीवी पत्रकार संघ के जिला अध्यक्ष जो कि पूरे जिले में समाजसेवी के नाम से अपनी पहचान बना चुके हैं हर कोई उन्हें जन्मदिन की शुभकामनाएं अर्पण कर रहे हैं सोशल मीडिया पर लोग दिल खोलकर बधाई दे रहे हैं

पत्रकारिता के क्षेत्र में कमाया नाम - राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ भाजपा से तालुका रखने वाले श्रमजीवी पत्रकार संघ के शाजापुर जिला अध्यक्ष अभिषेक सक्सेना जहां पूरे जिले में समाज सेवा के साथ एक प्रॉपर्टी ब्रोकर एवं पत्रकारिता के क्षेत्र में लोगों की मदद के लिए तत्पर खड़े रहते हैं।

डॉ सुशील गेहलोत ने महादेव की पूजा अर्चना की

अकोदिया/ अमर सिंह मेवाडा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। पर्व गाँव-गाँव हर जगह हर्ष उल्लास के साथ मनाया गया। गाव अजनई में पांच सौ वर्ष पुराने अति प्रचिन बाबा पातलेश्वर महादेव का अभिषेक, आर्कषक श्रृंगार तथा महाआरती की गई? प्रसादी का वितरण हुआ ! महिला मंडल व्दारा भजन कीर्तन किये गये। इस अवसर पर खाटूश्याम सेना ट्रस्ट के जिलाध्यक्ष डॉ सुशील गेहलोत, प्रोगे सिव पेशनर एसोसिएशन के ब्लॉड अध्यक्ष भी केदार सिहाजी राजपूत, हेमन्त राजपूत सहित समस्त गणमान्य नागरिए गण तथा समस्त भक्त गण मौजूद थे ! समस्त ग्राम वासियों ने हर्ष - उल्लास के साथ पर्व मनाया तथा बाबा का आर्शिवाद प्राप्त किया।

जिस दिन वसुली नही तो उस दिन का वेतन नही— आयुक्त

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। निगम राजस्व करों से अधिकारी, कर्मचारियों का वेतन आहरण के साथ निगम के द्वारा शहर मे दी जाने वाली मूलभूत सुविधाओं की पूर्ति की जाती है। इसी को दृष्टिगत रखते हुए आयुक्त दलीप कुमार ने संपत्तिकर की बकाया राशि वसुली को लेकर वार्डवार दिये गये वसुली के लक्ष्य की समीक्षा की। समीक्षा के दौरान वार्ड 1, 17, 18, 23, 24, 29, 36, 37, 39 के वसुलीकर्ताओं द्वारा दिये गये लक्ष्य अनुरूप वसुली नही करने तथा साप्ताहिक वसुली लक्ष्य में प्रगति नहीं होने पर वार्ड के नाकेदारों को चेतावनी देते हुए कार्य मे प्रगति नहीं होने पर कार्रवाई किये जाने के निर्देश दिये। वहीं आयुक्त ने उपायुक्त राजस्व को प्रतिदिन वसुली की लक्ष्य पूर्ति हो को लेकर दोपहर पश्चात भी वसुलीकर्ताओं से प्रतिदिन की प्रगति रिपोर्ट लिये जाने हेतु कहा। प्रगति रिपोर्ट में जिस दिवस वसुली नहीं होगी तो उस दिवस का वेतन आहरण नही किये जाने की चेतावनी दी।

लक्ष्य अनुरूप वसुली नही करने पर सेवा समाप्त की चेतावनी- इसी प्रकार जलकर वसुली में भी वार्डवार वसुली लक्ष्य की आयुक्त ने समीक्षा करते हुए वार्ड 17, 21, 24, 28, 29, 30, 31, 32, 33, 36, 39 एवं 40 के वार्ड वसुलीकर्ताओं को सख्त लहजे मे चेतावनी देते हुए वार्ड 21, 24, 28, 29, 30, 36 एवं 40 के वसुलीकताओं के 1 एवं 2 दिवस का वेतन काटने के निर्देश दिये।

शिवरात्रि पर गढ़ी ग्राम में भक्ति का सागर उमड़ा

शिव महाकाल के विशेष दर्शन से धन्य हुए श्रद्धालु

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। खरगोन जिले के ग्राम गढ़ी स्थित दामखेड़ा नागराज मंदिर परिसर में महाशिवरात्रि का पर्व अत्यंत श्रद्धा, उल्लास और आध्यात्मिक वातावरण के साथ मनाया गया। इस पावन अवसर पर शिव महाकाल मंदिर, श्री श्याम दरबार और भेरवान मंदिर को विशेष रूप से आकर्षक फूलों की सजावट तथा रंग-बिरंगी रोशनी से सजाया गया, जिससे पूरा परिसर अलौकिक आभा से जगमगा उठा।

सुबह से ही भक्तों का मंदिर में आगमन प्रारंभ हो गया था। श्रद्धालु ÷हर हर महादेव÷ के जयकारों के साथ भगवान शिव के दर्शन कर पुण्य लाभ प्राप्त करते रहे। भक्तों ने शिवलिंग पर दूध, जल, बेलपत्र और धतूरा अर्पित कर विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। वातावरण मंत्रोच्चार और भजन-कीर्तन से भक्तिमय बना रहा।

रात्रि आरती बनी मुख्य आकर्षण - रात्रि में विशेष महाआरती का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। आरती के पश्चात भगवान महाकाल को प्रसादी का भोग अर्पित किया गया और उपस्थित भक्तों में प्रसाद वितरित किया गया। श्रद्धालुओं ने इसे अत्यंत पुण्यदायी क्षण बताते हुए कहा कि महाशिवरात्रि पर भगवान शिव के दर्शन जीवन में सुख-समृद्धि और शांति प्रदान करते हैं।

श्रद्धा और आस्था का अद्भुत संगम - पूरे आयोजन के दौरान मंदिर परिसर में अनुशासन और भक्ति का अद्भुत संगम देखने को मिला। स्थानीय भक्तों और समिति सदस्यों के सहयोग से व्यवस्था सुचारु रूप से संचालित हुई। ग्रामवासियों ने बताया कि हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी महाशिवरात्रि का पर्व अत्यंत उत्साह और श्रद्धा के साथ मनाया गया, जिससे पूरे क्षेत्र में आध्यात्मिक ऊर्जा का संचार हुआ।

खाटू श्याम सेना ट्रस्ट ने किया शिव बारात का स्वागत

अकोदिया/ अमर सिंह मेवाडा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। अकोदिया महाशिवरात्रि के अवसर पर पशुपतिनाथ भक्त मंडल झंडा चौक के तत्वाधान में शिव बारात निकाली गई जिसका टप्पा चौराहा पहुंचने पर श्री खाटू श्याम सेना ट्रस्ट अकोदिया एवं महिला मंडल द्वारा स्टॉल लगाकर फरीयाली चिप्स पैकेट वितरण कर स्वागत किया गया इस अवसर पर ट्रस्ट के प्रदेश अध्यक्ष कमलेश अग्रवाल जिला अध्यक्ष डॉक्टर सुशील कुमार गेहलोत दीपक अग्रवाल आयुष चांडक शरद जैन महिला मंडल जिला अध्यक्ष बिंदु सोनी नगर अध्यक्ष मीनाक्षी चौरासिया हनी गुप्ता नीलम चौरासिया शीला सोनी ममता धाकड़ मानसी चौरासिया ममता सोनी रीता अग्रवाल शीतल सोनी मुस्कान खत्री सहित बड़ी संख्या में श्याम प्रेमी उपस्थिति रहे।

जर्मन बैंक केएफडब्ल्यू के प्रतिनिधियों ने सेंधवा सीवरेज परियोजना के कार्यों को सराहा

बडवानी/दैनिक मालवा हेराल्ड। जर्मन बैंक केएफडब्ल्यू के प्रतिनिधियों ने सेंधवा निकाय की सीवरेज परियोजना का विस्तृत फील्ड निरीक्षण किया। इस भ्रमण के दौरान विदेशी प्रतिनिधियों ने परियोजना के तहत हो रहे निर्माण कार्यों की गुणवत्ता की जमकर सराहना की और वर्तमान में जारी ऑपरेशन एवं मेंटेनेंस व्यवस्था पर भी पूर्ण संतोष व्यक्त किया। निरीक्षण के उपरांत अधिकारियों ने टीम को भविष्य की चुनौतियों से निपटने के लिए एक उत्कृष्ट नीति के साथ निरंतर कार्य करने के महत्वपूर्ण निर्देश दिए। इस निरीक्षण कार्यक्रम में केएफडब्लयू से विशेषज्ञ लुकास एवं राहुल मनकोटिया मुख्य रूप से उपस्थित रहे। उनके साथ सहायक परियोजना अधिकारी संजय पांडे, पीआईयू खरगोन से सहायक परियोजना प्रबंधक विजय बघेल, सामुदायिक विकास अधिकारी बनवारीलाल यादव एवं उपयंत्री गौरव धाने ने परियोजना की तकनीकी बारीकियों से अवगत कराया। इस अवसर पर पीएमसी से टीम लीडर श्री ओरियो , सर्वानंद, सीमा श्रीवास्तव सहित संविदाकार कंपनी की तकनीकी टीम मौजूद रही।

नगरपालिका का नजर अंदाज रवैया रेलवे स्टेशन जाने वाले यात्रीयो की बढ़ा रहा है मुश्किले

रेलवे के वैकल्पिक रास्ते से ही यात्रियो को मिल सकती है बडी राहत

नागदा/ राजेश सकलेचा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। उस यात्री की क्या हालत होगी जब वह स्टेशन से मात्र 200 से 500 मीटर की दूरी पर हो और ट्रेफिक जाम के चक्रव्यूह में फँस जाय और सोचने लग जाता है ट्रेन मिलेगी भी या छुट जायेगी ? ऐसे नजारे आये दिन दीनदयाल चौक से रेलवे स्टेशन चोराहे तक देखने को मिल सकते है। वही दुसरी और दिनदयाल चोक से रेलवे स्टेशन तक लोगो ने दोपहिया वाहन का पार्किंग स्टेण्ड बना रखा है साथ ही दुकाने भी लगी हुई है जिससे स्टेशन तक जाने वाले मार्ग की चौड़ाई 8-10 फीट से ज्यादा नहीं रह जाती है। जबकि पुरे शहर का मुख्य रास्ता यही है इसी रास्ते से कई चल समारोह, जुलुस अथवा चार पहिये वाहन निकलते है तो उस दोरान जाम के नजारे और कुछ ही बया करते है ऐसे में यात्रि सिर्फ कोसने के अलावा कुछ नहीं कर पाता है।

नगर पालिका का उदासीन रवैया यात्रियो के परेशानियां का सबब बना हुआ है - नगर का दुर्भागय कहे या फिर नगर पालिका का उदासीन रवैय्या जिसकी वजह से यात्रियो को मुसीबतो से रूबरू होना पड़ता है विशेषकर उन लोगों को जो रेलवे स्टेशन जाने हेतु घर से निकले हो और किनारे के पहुंचने से पहले जाम मे फस जाते है और मुश्किले बढ जाती है

अब उम्मीदे रेलवे की इच्छाशक्ति पर टकटकी लगाए बैठा नागदा - अब शहर वासियो को उम्मीदो की डोर रेलवे से है जहा पर नागदा स्टेशन का कायाकल्प हो चुका है। भव्य परिसर, आधुनिक साज-सज्जा और रात में दूधिया रोशनी से चमकता स्टेशन शहर की पहचान बन गया है। लेकिन सवाल अब भी कायम है क्या यात्रियों को इससे पूरी सुविधा मिल पा रही है?

हकीकत यह है कि रेलवे स्टेशन चौराहे से जवाहर मार्ग तक का हिस्सा वर्षों से परेशानी का सबब बना हुआ है। अत्यधिक दबाव, संकुचित मार्ग और बार-बार लगने वाले जाम यात्रियों के समय और धैर्य दोनों की परीक्षा लेते हैं।

यदि रेलवे प्रशासन ठोस निर्णय ले, तो समाधान बेहद सरल और कारगर साबित हो सकता है आने वाले सिहस्थ को देखते हुए भी रेलवे अधिकारियों को एक वैकल्पिक मार्ग विकसित कर उसे सीधे जवाहर मार्ग से जोड़ा जाना चाहिये यह मार्ग स्टेशन से शहर में प्रवेश और निकास का सीधा, सुरक्षित और सुगम रास्ता बनाना होगा । इससे जवाहर मार्ग पर यातायात का दबाव कम होगा और यात्रियों को जाम से राहत की सांस मिलेगी

नया मार्ग केवल सुविधा नहीं, बल्कि दूरदर्शी योजना साबित होगा। रोज़मर्रा के यात्रियों के साथ-साथ आपात स्थिति, वीआईपी आवागमन और भारी यात्री दबाव के समय यह मार्ग संजीवनी का काम करेगा। स्टेशन परिसर भी अधिक व्यवस्थित और आकर्षक दिखाई देगा।

नगर के गणमान्य नागरिकों का मानना है कि यह विकल्प अब जरूरत बन चुका है, न कि केवल सुझाव।

क्या बोले गणमान्य – योजना उचित है

शहर के हजारों लोगों से जुड़ी यह समस्या है। इस समस्या के निदान के लिए रेलवे को एक वेकलपिक मार्ग बनाकर जवाहर मार्ग से जोड़ा जाय जिससे यात्रियो को लाभ मिलेगा एव सिहस्थ जैसे महापर्व आयोजनो मे यही मार्ग रेलवे की सबसे बडी ताकत बनेगा

-कैलाश सनोलिया वरिष्ठ पत्रकार

यहा पर अहमदाबाद रेल्वे स्टेशन कि तरह ओ वर फ्लाय कि मांग करना चाहिये. ओवर फ्लाय एक तो कोटा फाटक निकले और एक ओवर फ्लाय टेलीफोन एक्सचेंज के यहा निकले. समस्या का स्थायी हल यही है

-अभय चोपड़ा, समाजसेवी

नगरपालिका को भी लगने वाले जाम को ध्यान रखते हुए ठोस निर्णय लेना होगा। साथ ही रेलवे द्वारा एक नया वेकल्पिक मार्ग बनाकर लगने वाले जाम से यात्रियो को छुटकारा दिला सकती है

-विनोद रंधुवशी, वरिष्ठ अभिभाषक

अगर रेलवे सिहस्थ के पूर्व यात्रियो को लगने वाले जाम से निजात दिलाने हेतु वेक्लपिक मार्ग कि सुविधा देती है तो शहर के लिये गोरव का विषय रहेगा

-वर्धमान जैन, समाजसेवी

नागदा के विकासशील क्षेत्र को रेलवे स्टेशन और बाजार से जोड़ने के लिए एप्रोच रोड से सीधी रेलवे स्टेशन तक की रोड कनेक्टिविटी हो जाने से शहर के विकास को रफ्तार मिलेगी शहर के ट्रैफिक का लोड का भी विकेंद्रीकरण होगा।

- लीगल एक्टिविस्ट गौतम जैन

उक्त क्षेत्र में आम नागरिको के आवागमन में होने वाली समस्या के निदान के लिए सार्थक प्रयास किया जाना चाहिए और नगरपालिका नागदा एवं रेल्वे विभाग द्वारा संयुक्त रूप से व्यवस्था में सुधार के जल्द से जल्द ठोस एवं प्रभावी कदम उठाए जाने की आवश्यकता है।

-अभिषेक चौरसिया, एडवोकेट

नगर में ट्रैफिक जाम ये एक समस्या है। रेल्वे को वैकल्पिक व्यवस्था देनी चाहिये। जनप्रतिनिधि व नगरपालिका को रेल विभाग से चर्चा करनी चाहिए।

-समाजिक कार्यकर्ता, बकुलेश जैन

बड़वानी जिले को एक्सपोर्ट हब के रूप में विकसित हेतु कृषि उन्नयन संवाद का किया गया आयोजन

बड़वानी/दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले को केले के एक्सपोर्ट हब के रूप में विकसित करने के उद्देश्य से एक दिवसीय कृषि उन्नयन संवाद का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में अंतर्राष्ट्रीय कृषि विशेषज्ञों, निर्यातकों और प्रगतिशील किसानों सहित बड़ी संख्या में जिले के प्रेक्षक सम्मिलित हुए, जहाँ जिले के केले को वैश्विक मानकों पर खरा उतारने के लिए विशेषज्ञों ने अपने अनुभव साझा किए। कार्यक्रम में लोकसभा सांसद श्री गजेन्द्र सिंह पटेल,जिला पंचायत अध्यक्ष श्री बलवंत सिंह पटेल ,पूर्व कैबिनेट मंत्री श्री प्रेम सिंह पटेल, कलेक्टर श्रीमती जयति सिंह सहित अंतर्राष्ट्रीय विशेषज्ञों की उपस्थिति में किसानों को आधुनिक खेती और वैश्विक बाजार से जुड़ने की रणनीतियां बताई गई। केला निर्यात-गुणवत्ता और फ्रूट केयर पर जोर अंतर्राष्ट्रीय केला विशेषज्ञ श्री के. बी. पाटिल ने किसानों को संबोधित करते हुए कहा कि जिस प्रकार बच्चों को संभाला जाता है, उसी प्रकार पैकिंग के दौरान केले की फ्रूट केयर जरूरी है। अंतर्राष्ट्रीय बाजार में अब स्पॉटलेस और फ्रेश केले की मांग है। केला निर्यात को बढ़ावा देने के लिए अब पारंपरिक तरीकों को छोड़कर आधुनिक फ्रूट केयर और वैज्ञानिक पैकेजिंग पर ध्यान देना ज़रूरी हैं। अंतरराष्ट्रीय बाजार में निर्यात और प्रतिस्पर्धा के लिए गुणवत्ता पर विशेष जोर दिया जाना चाहिए। क्योंकि पहले केला आंखों से देखा जाता है, इसके बाद खाया जाता है। क्योंकि अब वह ज़माना गया जब फल विक्रेता केलों को यह कहकर बेचते थे कि ले जाइए साहब छींटे वाला केला है, परतु वास्तविक में यह पकने की नहीं बल्कि सड़न की प्रक्रिया की शुरूआत है। अंतर्राष्ट्रीय बाजार में अब स्पॉटलेस और फ्रेश केले की मांग है। उन्होंने पैक हाउस के महत्व को बताते हुए कहा कि केले की पैकिंग खेतों के बजाय पैक्स हाउस में की जानी चाहिए ताकि वे लंबे समय तक ताजे रहें। कार्यक्रम में उन्होंने कृषकों एवं उद्योग के दृष्टिकोण से केले के उत्पादन संबंधी चुनौतियों,संभावनाओं एवं उपायों पर विस्तृत जानकारी दी। जिले में लगभग 3,600 हेक्टेयर में केले की खेती हो रही है, जिसकी उत्पादकता 850 क्विंटल प्रति हेक्टेयर है। यहाँ के किसान अब क्लाइमेट चेंज को मात देने वाले मॉडल्स अपनाए हैं।किसानों को टिश्यू कल्चर के लाभों और उद्योग की चुनौतियों को समझते हुए चहुमुखी प्रयास करने होंगे। निर्यात के वैश्विक अवसर निर्यात विशेषज्ञ श्री अमोल महाजन ने बताया कि भारत दुनिया का 26 प्रतिशत केला उत्पादित करता है, लेकिन निर्यात के मामले में हम अभी 9वें स्थान पर हैं भौगोलिक स्थिति के आधार पर फिलीपींस और इक्वाडोर जैसे देशों की तुलना में भारत से मिडिल ईस्ट देशों तक माल पहुँचाना आसान और कम समय लेने वाला है। निर्यात के क्षेत्र में एक बहुत अच्छा अवसर है। निर्यात एवं व्यापार में नए अवसर हेतु पैक हाउस,कोल्ड स्टोरेज, फ्रूट सर्विस, ट्रांसपोर्ट, वेंडर एवं मटेरियल सप्लाई हेतु प्रयास किए जाए तो सकारात्मक परिणाम प्राप्त हो सकते हैं। साथ ही, पैकिंग कार्यों में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने पर भी जोर दिया गया। मिर्च एक्सपोर्ट की जानकारी खरगोन के श्री अभिषेक पाटीदार ने दी। जिसमें उन्होंने मार्केट चेन, कृषि लागत ,जैविक एवं प्राकृतिक खेती के सम्बन्ध में भी अपनी विचार साझा किए प्रदर्शनी और प्रोत्साहन कार्यक्रम के दौरान कृषि, उद्यानिकी और पशुपालन विभाग द्वारा आधुनिक कृषि यंत्रों और उन्नत बीजों की प्रदर्शनी लगाई गई। पात्र किसानों को कृषि उपकरणों हेतु अनुदान सहायता राशि के प्रमाण पत्र भी वितरित किए गए। विशेषज्ञों द्वारा दिया गया किसानों को व्याख्यान कृषि संवाद कार्यक्रम में कृषि क्षेत्र के विशेषज्ञों द्वारा किसानों को कृषि के क्षेत्र में मार्गदर्शन दिया गया। इस क्रम में जैन इरीगेशन जलगांव के अंतर्राष्ट्रीय केला विशेषज्ञ श्री केबी पाटिल, एग्रोनॉमिस्ट श्री अजहर जैदी, जैन कृषि तीर्थ जलगांव के डॉ. सुधीर भोंगले द्वारा टिश्यू कल्चर तकनीक पर, मुंबई एवं बुरहानपुर के केला एक्सपोर्टर श्री अमोल महाजन द्वारा केला एक्सपोर्ट, खरगोन के श्री अभिषेक पाटीदार, वैज्ञानिक डॉ. महेन्द्रसिंह, रिटायर्ड वैज्ञानिक डॉ. व्हायके जैन, अवार्ड टू बनाना फॉर्मर ऑफ इंडिया श्री संतोष लछेटा द्वारा केला उत्पादन तकनीक एवं जिले के प्रगतिशील किसान श्री भरत पाटीदार, श्री बलराम जाट एवं कृषि विशेषज्ञों द्वारा विभिन्न विषयों पर व्याख्यान दिया गया।

प्रस्फुटन समितियों की सेक्टर स्तरीय बैठक आयोजित, स्वदेशी संकल्प की शपथ दिलाई गई

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद विकासखण्ड पेटलावद (जिला-झाबुआ) के अंतर्गत सेक्टर रायपुरिया की ग्राम पंचायत मोहनकोट में प्रस्फुटन समितियों की सेक्टर स्तरीय समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन नवांकुर संस्था दर्पण सोशल वेलफेयर एण्ड एज्यूकेशनल फाऊंडेशन द्वारा किया गया।

बैठक में परिषद के जिला समन्वयक श्री प्रेमसिंह चौहान ने समिति कार्यों एवं नवांकुर संस्था की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने कहा कि प्रस्फुटन समितियों की ग्राम स्तर पर शासकीय योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन तथा ग्राम विकास गतिविधियों में सक्रिय एवं पूर्ण सहयोगात्मक भूमिका अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने ग्राम विकास की अवधारणा को समझाते हुए समितियों को अपना दस्तावेज तैयार करने संबंधी जानकारी भी प्रदान की।

विकासखंड समन्वयक श्री प्रवीण पंवार द्वारा सेक्टर की सभी समिति सदस्यों को आगामी कार्ययोजना से अवगत कराया गया। उन्होंने आदर्श ग्राम निर्माण हेतु ग्रामवासियों के सामूहिक प्रयासों पर बल दिया।

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सुचित किया जाता है कि मेरे आधारकार्ड में में मेरा नाम ऋषभकुमार जैन Rishabh Kumar Jain दर्ज है मेरे पासपोर्ट में मेरा नाम RISHABH KUMAR है। उक्त दोनो नाम मुझ एक ही व्यक्ति के है। मेरे द्वारा सुचित किया जाता है जो सत्य व सही हैं ।

मो . क्रमांक 9826087717

आधारकार्ड	पासपोर्ट
ऋषभ कुमार जैन	ऋषभ कुमार
Rishabh Kumar Jain	RISHABH KUMAR

महाशिवरात्रि पर उमड़ा आस्था का सैलाबः 44 घंटे में 8,06,545 श्रद्धालुओं ने किए ब महाकालेश्वर के दर्शन

15 फरवरी को 5.78 लाख और 16 फरवरी को 2.27 लाख भक्त पहुंचे, शयन आरती के साथ संपन्न हुए विशेष अनुष्ठान

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। महाकालेश्वर मंदिर के आंगन में इस वर्ष महाशिवरात्रि पर आस्था का अभूतपूर्व जनसैलाब उमड़ा। देशभर से आए श्रद्धालुओं ने 44 घंटे तक लगातार दर्शन कर पुण्य लाभ अर्जित किया। मंदिर प्रबंध समिति के अनुसार कुल 8 लाख 6 हजार 545 श्रद्धालुओं ने बाबा महाकाल के दर्शन किए।

प्रशासनिक आंकड़ों के मुताबिक दर्शन व्यवस्था 15 फरवरी को तड़के 2.30 बजे पट खुलने के साथ शुरू हुई थी, जो 16 फरवरी को रात 11 बजे शयन आरती के बाद पट मंगल होने तक निर्बाध जारी रही। सहायक प्रशासक मूलचंद जूनवाल ने बताया कि 15 फरवरी को सर्वाधिक 5 लाख 78 हजार 943 श्रद्धालु पहुंचे, जबकि 16 फरवरी को 2 लाख 27 हजार 602 भक्तों ने बाबा के दरबार में हाजिरी लगाई। भारी भीड़ के बावजूद पट लगातार खुले रहने से श्रद्धालुओं को सुगम दर्शन हुए। सुरक्षा व्यवस्था भी चाक-चौबंद रही।

16 फरवरी की रात शयन आरती के साथ महाशिवरात्रि के विशेष अनुष्ठानों का विधिवत समापन हुआ और मंदिर के पट विश्राम के लिए बंद किए गए।

2027 में 6 मार्च को मनाई जाएगी महाशिवरात्रि - ज्योतिषीय गणना के अनुसार वर्ष 2027 में महाशिवरात्रि 6 मार्च को मनाई जाएगी। फाल्गुन मास के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि 6 मार्च दोपहर 12.04 बजे से प्रारंभ होकर 7 मार्च दोपहर 1.48 बजे तक रहेगी।

पूजन का श्रेष्ठ काल 7 मार्च की रात 12.26 से 1.15 बजे तक रहेगा। श्रद्धालु 7 मार्च को सुबह 6.56 बजे से दोपहर 1.48 बजे के बीच व्रत खोल सकेंगे।

महाशिवरात्रि पर 10 से 15 गुना बढ़ी भांग की बिक्री- महाशिवरात्रि पर आस्था के साथ बाजार में भी जबरदस्त रौनक देखने को मिली। आबकारी विभाग और स्थानीय व्यापारियों के अनुसार पर्व के दौरान भांग (शिव बूटी) की मांग सामान्य दिनों की तुलना में 10 से 15 गुना तक बढ़ गई।

जहां सामान्य दिनों में जिलेभर में 30 से 35 किलो भांग बिकती है, वहीं पर्व पर अकेले प्रमुख दुकानों की खपत कई गुना बढ़ गई। महाकाल मंदिर के पास स्थित दुकान पर आम दिनों में 5 किलो भांग बिकती है, जो महाशिवरात्रि पर बढ़कर 50 किलो तक पहुंच गई। छत्री चौक, फ्रीगंज और नानाखेड़ा क्षेत्र की दुकानों पर भी यही स्थिति रही। हालांकि अत्यधिक सेवन के कारण कई लोग अस्वस्थ भी हुए। जिला अस्पताल में 5 लोगों का उपचार किया गया, जबकि मंदिर परिसर में स्थापित स्वास्थ्य केंद्रों पर भी कई श्रद्धालुओं को चिकित्सा सहायता दी गई।

जेबकतरों की गैंग पर पुलिस की सख्ती, 15 सदस्य गिरफ्तार - भीड़ का फायदा उठाने देशभर के शातिर गिरोह भी उज्जैन पहुंचे थे, लेकिन पुलिस की मुस्तैदी ने उनके मंसूबों पर पानी फेर दिया। सादी वर्दी में तैनात पुलिस टीम ने मौके से 15 से अधिक महिला और पुरुष बदमाशों को गिरफ्तार किया।

पकड़े गए आरोपी बिहार, उत्तर प्रदेश, हरियाणा और दिल्ली के बताए जा रहे हैं। भीड़ के बीच चोरी की वारदातों को अंजाम देने की आशंका के चलते पुलिस ने पहले से ही रणनीति तैयार कर रखी थी। मंदिर परिसर और पहुंच मार्गों पर सादे कपड़ों में पुलिसकर्मी तैनात किए गए थे। महाकाल थाना पुलिस सभी संदिग्धों से पूछताछ कर रही है। पुलिस को संदेह है कि यह गिरोह पूर्व में आयोजित बड़े आयोजनों में भी सक्रिय रहा होगा।

पुलिस के अनुसार पर्व के दौरान करीब एक दर्जन श्रद्धालुओं ने मोबाइल, पर्स और अन्य कीमती सामान चोरी होने की शिकायत दर्ज कराई है।

चलती ट्रेन में बैंक मैनेजर को आया हार्ट अटैक, मौत

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। बैंक ऑफ बड़ौदा में ब्रांच मैनेजर के पद पर पदस्थ व्यक्ति की जयपुर-भोपाल एक्सप्रेस में दिल का दौरा पड़ने से मौत हो गई। यात्रियों की सूचना पर जीआरपी ने उज्जैन स्टेशन पर शव उतारा। जानकारी मिलने पर देवास से परिजन उज्जैन पहुंचे हैं। भोपाल के अवधपुरी में रहने वाले धीरज पिता अरुण पाटिल 54 वर्ष बैंक ऑफ बड़ौदा में ब्रांच मैनेजर थे। वह जयपुर भोपाल एक्सप्रेस ट्रेन से ड्यूटी ज्वॉइन करने के लिए बांसवाड़ा जा रहे थे। लेकिन रास्ते ही से में अचानक तबीयत बिगड़ गई। ट्रेन में वह बेसुध हो गए। यात्रियों ने मामले की सूचना रेलवे पुलिस को दी। ट्रेन के उज्जैन स्टेशन पहुंचने पर जीआरपी ने उन्हें ट्रेन बाहर निकाला। इस दौरान उनकी मौत हो चुकी थी। उन्हें चरक अस्पताल लाया गया। डॉक्टरों ने परीक्षण के बाद दिल का दौरा पड़ने की बात कही। जीआरपी ने उनके पास मिले दस्तावेजों के आधार पर पहचान की और परिजनों को सूचना दी। देवास से मयंक परमार उज्जैन पहुंचा जो रिश्ते में भतीजा लगता है। वहीं जानकारी मिलने पर भोपाल से भी परिजन उज्जैन पहुंच गए थे। मंगलवार दोपहर पोस्टमार्टम कराया गया। इस दौरान परिजनों ने बताया कि बांसवाड़ा में ज्वॉइनिंग हुई थी। भोपाल से ट्रेन में रतलाम तक जाना था जहां से बस से वह बांसवाड़ा ज्वॉइनिंग के लिए पहुंचने वाले थे। पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंपा।

चाय की दुकान चलाने वाले को चाकू मार छीने रुपए

उज्जैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। बीती रात जीरो पाइंट ब्रिज पर चाय की गुमटी चलाने वाले युवक का रास्ता रोक दो बदमाशों ने चाकू मारकर 2 हजार रुपए लूटने की वारदात को अंजाम दे दिया। घायल युवक को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वहीं मामले में पुलिस द्वारा जांच शुरू की गई है। आगर रोड स्थित राजीव नगर में रहने वाला रवि पिता ओमप्रकाश 32 वर्ष ऋषिनगर पेट्रोल पंप के समीप चाय की गुमटी चलाता है। रात में दुकान बंद करने के बाद वह बाइक से घर लौट रहा था। जीरो पाइंट ब्रिज से गुजरते समय पीछे से बाइक पर सवार होकर दो बदमाश आए और रवि की बाइक को ओवरटेक कर रास्ता रोक लिया। रवि कुछ समझ पाता उससे पहले ही एक बदमाश ने चाकू से उस पर हमला कर दिया। रवि के घायल होते ही बदमाशों ने उसकी जेब की तलाशी ली और जेब में रखे 2 हजार रुपए निकालकर भाग निकले। अपने साथ हुई चाकूबाजी और लूट की वारदात के बाद घायल रवि लोगों की मदद से अस्पताल पहुंचा। यहां उसे डॉक्टरों ने उपचार के लिए भर्ती किया। मामले की जानकारी लगने पर पुलिस अस्पताल पहुंची थी। घायल रवि के बयान दर्ज किए गए हैं।

मुनाफे का झांसा देकर साथ लोगों ने ठगे 40 लाख

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। उत्तरप्रदेश के लखनऊ से आए 7 लोगों ने युवक को मुनाफे का झांसा दिया और लाखों रुपए का निवेश करवा लिया। कुछ दिन बाद झांसा देने वाले सभी लोग फरार हो गए। आर्थिक नुकसान होने पर युवक ने मामले की शिकायत पुलिस से की। जांच के बाद मामले में आरोपियों के खिलाफ अमानत में खयानत का प्रकरण दर्ज किया गया है। नानाखेड़ा थाना क्षेत्र के इंदौर रोड स्थित कीर्तिनगर में लव पिता गणपतलाल बामनिया 28 वर्ष निवास करता है। पिछले वर्ष अप्रैल माह में उत्तरप्रदेश के रहने वाले प्रसन्न पाल, विकास पाल, सौरभ पाल, सूर्यकांत पाल, दिनेश और अंकित उज्जैन आए थे। उन्होंने लव से पहचान होने पर झांसा देते हुए बताया कि मेडिकल और नर्सिंग होम डालने पर 12 प्रतिशत दवाओं पर कमीशन मिलेगा वहीं हर माह डेढ़ से दो लाख रुपए की बचत होगी। वह तस्कर ग्लोबल प्रायवेट लिमिटेड से मेडिकल के लिए दवाएं उपलब्ध कराएंगे। लव उनके झांसे में आ गया और 40 से 50 लाख का निवेश कर मेडिकल खोल लिया। लाखों का निवेश होते ही सभी आरोपी लापता हो गए। लव को न तो कमीशन मिला और न ही मुनाफा हुआ बल्कि उसे मेडिकल चलाने के लिए आर्थिक नुकसान भी उठाना पड़ रहा था। नवंबर माह में मामले की शिकायत पुलिस से की गई। जांच के बाद पुलिस ने सोमवार देर शाम उत्तरप्रदेश के सात आरोपियों के खिलाफ धोखाधड़ी और अमानत में खयानत करने का प्रकरण दर्ज कर लिया। एक टीम आरोपियों की तलाश में अब उत्तरप्रदेश भेजी जाएगी।

हर दिन 350 से अधिक चालान, 80 फीसदी लोग नहीं भर रहे जुर्माना

16 चौराहों पर रेड लाइट नियम तोड़ना आम, 10 करोड़ से ज्यादा के चालान लंबित

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर में इंटेलिजेंट ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम (आईटीएमएस) लागू होने के बाद ट्रैफिक नियम तोड़ने वालों पर लगातार कार्रवाई हो रही है, लेकिन जुर्माना भरने में लोग पीछे हैं। हालात यह हैं कि रोजाना औसतन 350 से 400 चालान बन रहे हैं, जबकि इनमें से करीब 80 प्रतिशत लोग राशि जमा ही नहीं करा रहे।

विभाग से मिली जानकारी के अनुसार शहर के 16 प्रमुख चौराहों पर वर्ष 2018 से आईटीएमएस लागू है। इन चौराहों पर लगे हाईटेक कैमरे रेड लाइट जंप, स्टॉप लाइन क्रॉस और अन्य ट्रैफिक उल्लंघनों को रिकॉर्ड कर सीधे चालान जारी कर रहे हैं। अब तक इन 16 चौराहों से ही 10 करोड़ रुपए से अधिक के चालान बन चुके हैं।

चालान के मुकाबले भुगतान बेहद कम- विभागीय सूत्रों के मुताबिक, चालान की वसूली बेहद कम हो रही है।

हर महीने करीब 1 करोड़ 75 लाख रुपए के चालान बनाकर ऑनलाइन नियम तोड़ने वालों को भेजे जा रहे हैं, लेकिन इनमें से 20 प्रतिशत से भी कम की वसूली हो पा रही है।

ऑनलाइन भुगतान संबंधी तकनीकी समस्याओं और जागरूकता की कमी के कारण बड़ी संख्या में लोग चालान जमा नहीं करा पा रहे या टाल रहे हैं। इससे पहले से लंबित आरएलवीडी चालानों के साथ अब आईटीएमएस चालानों की पेंडेंसी भी बढ़ती जा रही है।

स्मार्ट सिटी कंपनी हर महीने चालान नहीं भरने वालों की सूची आरटीओ कार्यालय को भेज रही है, ताकि आगे की वैधानिक कार्रवाई की जा सके।

इन चौराहों पर सबसे ज्यादा उल्लंघन- शहर के जिन प्रमुख चौराहों पर रेड लाइट का उल्लंघन लगातार हो रहा है, उनमें चामुंडा चौराहा, कोयला फाटक चौराहा,

देवास गेट चौराहा, गाड़ी अड्डा चौराहा, तीन बत्ती चौराहा, नानाखेड़ा चौराहा, भरतपुरी तिराहा तथा,देवास रोड स्थित गेल चौराहा आदि शामिल है। इन स्थानों पर सुबह से रात तक सिग्नल तोड़ने की घटनाएं कैमरों में कैद हो रही हैं।

नियमों की अनदेखी बनी चिंता- आईटीएमएस लागू होने का मकसद ट्रैफिक व्यवस्था सुधारना और दुर्घटनाओं पर नियंत्रण पाना था, लेकिन लगातार रेड लाइट जंप की घटनाएं व्यवस्था पर सवाल खड़े कर रही हैं। यदि समय रहते लोगों ने चालान जमा नहीं किए तो भविष्य में लाइसेंस नवीनीकरण या वाहन संबंधी कार्यों में परेशानी आ सकती है।

सिंहस्थ 2028 के निर्माणाधीन कार्यो में तेजी लाए प्लान के हिसाब से कार्य करें-सिंहस्थ मेला अधिकारी श्री सिंह

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। मेला कार्यालय के सभागृह में मंगलवार को सिंहस्थ मेला अधिकारी श्री आशीष सिंह ने सिंहस्थ 2028 के लिए किए जा रहे अधोसंरचना विकास के कार्यों की समीक्षा की। बैठक के दौरान मेला अधिकारी श्री सिंह ने कहा कि सिंहस्थ 2028 के अंतर्गत प्रचलित निर्माण कार्यों को लेकर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने विगत दिनों नगर निगम में बैठक में जो निर्देश दिए है उनका अक्षरशः पालन किया जाए। किसी ने लापरवाही की तो उनके खिलाफ सख्त कार्यवाही की जाएगी। श्री सिंह ने कहा कि सभी विभाग समन्वय के लिए वरिष्ठ अधिकारियों से लगातार संपर्क में रहें। कहीं कोई व्यावधान आ रहा है तो तुरंत संज्ञान में लाए। श्री सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने निर्देश दिए है कि जो अच्छा कार्य कर रहे है उन्हें प्रोत्साहन दे और देरी से कार्य करने वालों की सूची बनाएं। मेला अधिकारी श्री सिंह ने सिंहस्थ 2028 अंतर्गत कार्यों को करने वाली सभी एजेंसियों को कार्य के दौरान सुरक्षा के उपाय किए जाने निर्देश भी दिए। बैठक में श्री सिंह ने सिंहस्थ के ऐसे कार्य जिनमें गति धीमी है उनमें तेजी लाने के निर्देश दिए। श्री सिंह ने कहा कि प्लान के अनुसार समय सीमा में गुणवत्तापूर्ण कार्य होना चाहिए।

श्रीमद्भागवत कथा का सातवें दिन पुर्णाहुति के साथ हुआ विश्राम

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। कर्मण्य कृष्ण सेवा समिति द्वारा सप्त दिवसीय संगीतमय श्री मद्भागवत कथा का आयोजन 11 फरवरी से 17 फरवरी तक केशव नगर कालोनी में आयोजित की जा रही थी। समिति की अध्यक्ष एवं आयोजक मिथलेश गुप्ता (राधा दीदी) ने बताया कि कर्मण्य कृष्ण सेवा समिति द्वारा कथा व्यास श्री श्री 1008 महामंडलेश्वर अमरदास जी महाराज अयोध्या वाले के मुखारविंद से प्रतिदिन कालोनी एवं आसपास की धर्मप्राण जनता बडी संख्या में कथा का श्रवण करने आ रहे है। मुख्य यजमान मनोज संगीता खंडेलवाल थे। श्री मद्भागवत केवन नगर में चल रही भागवत में आज सातवें दिन श्री मद्भागवत कथा का विश्राम हुआ। महामंडलेश्वर अमरदास जी महाराज ने सातवें व अंतिम दिन शिशुपाल उद्धार, परीक्षित की परमगति, सुदामा चरित्र का वर्णन कर लोगों को भक्तिरस में डुबो दिया। श्रद्धालुओं ने इस संगीतमयी भागवत कथा का आनंद उठाया। कथा के अंत में महाआरती कर विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। इस अवसर पर इस अवसर पर जगनाथ जी महाराज, संगीता खंडेलवाल, भावना मिश्रा, देववती शर्मा, संतोष कपूर, भगवती जयसवाल, मोना शर्मा सहित समस्त केशव नगर के रहवासी एव बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित थे।

ठंड का असर कम, रात का तापमान आया 16.2 डिग्री पर

सुबह घूमने वालों की संख्या में हुआ इजाफा- अधिकतम पारा 32 डिग्री

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। पिछले तीन दिनों से ठंड का असर कम रहा लेकिन आज सुबह न्यूनतम तापमान 24 घंटे में तीन डिग्री बढ़ गया और उछलकर 16.2 डिग्री पर आ गया। वहीं कल अधिकतम तापमान भी 32 डिग्री पर पहुंच गया था। मौसम में ठंडका असर कम होने के बाद अब सुबह घूमने वाले लोगों की संख्या में इजाफा होने लगा है।

फरवरी माह के पहले सप्ताह तक ठंड की वजह से लोग सुबह 7 से 8 बजे तक घरों से नहीं निकल रहे थे, लेकिन अब तापमान फिर बढ़ गया है और सुबह 5 बजे से चहल-पहल शुरू हो गई है। शहर के चिंतामण रोड, हरिफाटक रोड, कोठी रोड, मंगलनाथ रोड सहित क्षीरसागर मैदान के आसपास और शहर के प्रमुख उद्यानों में सुबह घूमने वाले लोगों की भीड़ नजर आने लगी है। उल्लेखनीय है कि इस बार सर्दी ने कई सालों के रिकार्ड तोड़े हैं। जनवरी महीने के तो 31 दिनों में से 26 दिनों तक लगातार उज्जैन शहर का न्यूनतम तापमान 12 डिग्री के नीचे रहा था।

फरवरी के शुरुआती सप्ताह तक सर्दी का असर बना रहा था लेकिन इसके बाद से धीरे-धीरे न्यूनतम और अधिकतम तापमान में इजाफा होने लगा था। एक दिन पहले शहर में न्यूनतम तापमान 13.4 डिग्री पर आ गया था। वही आज सुबह यह तीन डिग्री उछलकर आज सुबह वेधशाला में न्यूनतम तापमान 16.2 डिग्री दर्ज हुआ। जबकि अधिकतम तपामान भी 32 डिग्री पर पहुंच गया था।

बाबा महाकाल एवं मां पार्वती के विवाह के उपलक्ष्य में होने वाला रिसेप्शन (भंडारे) आज

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। तीर्थ क्षेत्र अवंतिका में विराजित भगवान श्री महाकालेश्वर एवं जगतजननी मां पार्वती का महाशिवरात्रि महापर्व को शुभ विवाह सम्पन्न होने के पश्चात श्री महाकालेश्वर शयन आरती युवा भक्त परिवार उज्जैन के तत्वावधान में 26 वर्षों की परंपरानुसार इस वर्ष भी शिव-पार्वती विवाह का रिसेप्शन (भंडारा) आज माँ क्षिप्रा तट के समीप, बालाजी गार्डन, हरसिद्धि माता मंदिर के पीछे, उज्जैन में होगा जिसमें भगवान को 56 भोग का भोग लगाया जाएगा तथा विभिन्न प्रकार के पकवान बनाए जा रहे है ।

भक्त परिवार के सदस्य गौरीशंकर दुबे के अनुसार हजारों भक्तों की उपस्थिति में यह भव्य आयोजन संध्या 4 बजे से शुरू होगा जो मध्य रात्रि तक जारी रहेगा जिसमें आने वाले भक्तों को जगतपिता और जगतमाता का जोड़ा शुभाशीष प्रदान करेगा। इस महाप्रसादी में भक्तिभाव और उत्साहपूर्वक बनाये गये विविध प्रकार के मिष्ठान्न और व्यंजन परोसे जाएंगे। जिसमें 25,000 से अधिक श्रद्धालुओं के सम्मिलित होने का अनुमान है। इस हेतु व्यापक तैयारियां कर ली गई है।

समस्त श्रद्धालुओं से इस रिसेप्शन में सम्मिलित होकर शिव-पार्वती का प्रसाद एवं आशीर्वाद प्राप्त करने का आग्रह महाकालेश्वर युवा शयन आरती भक्त परिवार ने किया है।

केशव नगर में दो पक्षों के लोगों में विवाद ने पकड़ा तूल

लाठी डंडे के साथ पत्थरबाजी, चार से पांच थानों का पहुंच बल

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। नीलगंगा थाना क्षेत्र के केशव नगर में मंगलवार दोपहर कोचिंग संचालक और ऑटो चलाने वाले मुस्लिम युवकों के बीच विवाद हो गया। कुछ देर बाद ही मामले में तूल पकड़ लिया। लाठी डंडे के साथ पत्थरबाजी हो गई। स्थिति को देखते हुए चार से पांच स्थानों का पुलिस बल मौके पर पहुंच गया था। कुछ युवकों को हिरासत में भी लिया गया है।

केशव नगर में रहने वाले अजय जागरी कोचिंग क्लास संचालित करते हैं। दोपहर में घर के बाहर खड़े थे उसी दौरान क्षेत्र में रहने वाले इमरान और आरिफ ऑटो लेकर गुजरे। रास्ते से निकलने की बात पर उनके बीच विवाद हो गया। कोचिंग संचालक और ऑटो चलाने वाले युवकों के परिजन भी आमने-सामने हो गए। जमकर विवाद हुआ और कोचिंग संचालक अजय के साथ दूसरे पक्ष का एक युवक घायल हो गया। मामला थाने पहुंचने पर एक दूसरे पर आरोप प्रत्यारोप लगाए गए। पुलिस ने कोचिंग संचालक की पत्नी पूनम की शिकायत पर आरिफ और इमरान के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया। पूनम जागरी का कहना था ऑटो से आए युवकों ने हफ्ता मांगा था नहीं देने पर पति के साथ मारपीट की है। लेकिन शाम 5 के लगभग केशव नगर में स्थित फिर से तनावपूर्ण हो गई। कुछ युवक बाइक पर सवार होकर आए और पत्थर बाजी शुरू कर दी। एक ऑटो भी क्षतिग्रस्त हो गया। पत्थर बाजी की खबर लगते ही नीलगंगा थाना पुलिस, महाकाल थाना पुलिस, माधव नगर और देवास गेट पुलिस का बल केशव नगर पहुंच गया। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक गुरु प्रसाद पाराशर और सीएसपी दीपिका शिंदे भी हालात और स्थिति को नियंत्रण में करने के लिए मौके पर पहुंच गए थे। सीएसपी शिंदे ने बताया कि स्थिति सामान्य है दोनों पक्ष से घायल हुए हैं जिनकी हालत भी स्थिर है। दोनों पक्षों के बीच हुए विवाद का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है जिसमें एक दूसरे के साथ लाठी डंडों और थप्पड़ मुक्कों के साथ मारपीट होती दिखाई दे रही है। विवाद में महिलाएं भी दिखाई दे रही है।

महाशिवरात्रि के दूसरे दिन महाकाल क्षेत्र में वायु प्रदूषण 174 एक्यूआई तक पहुंचा

आज सुबह 9 बजे भी 148 एक्यूआई था, सेहत के लिए नुकसानदायक

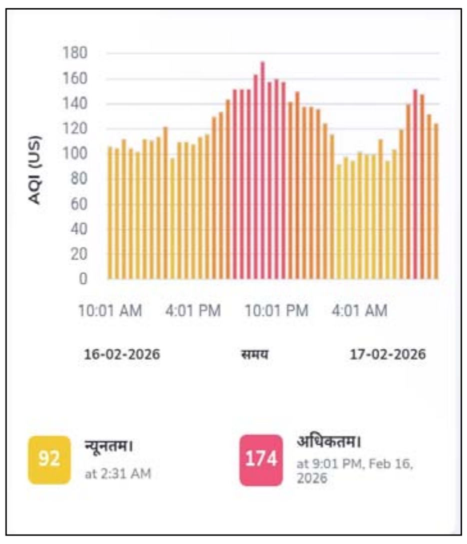

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर में वायु प्रदूषण का लेवल अभी भी 170 एक्यूआई के पार जा रहा है। जबकि विश्व स्वास्थ्य संगठन के मानकों के अनुरूप किसी भी स्थान पर वायु की गुणवत्ता का स्तर 50 एक्यूआई तक होना चाहिए।

यह स्वास्थ्य के लिए बेहतर माना जाता है। इससे ऊपर सांस की बीमारी का खतरा रहता है। महाकाल क्षेत्र में बीती रात 9 बजे यह 174 एक्यूआई तक चला गया था।

उल्लेखनीय है कि - विगत तीन वर्षों से महाकाल लोक तथा महाकाल दर्शन के लिए शहर में बढ़ती पर्यटकों और श्रद्धालुओं की भीड़ तथा वाहनों की आवाजाही के चलते शहर की सांस लेने लायक हवा लगातार खराब हो रही है। प्रदूषण विभाग के अधिकारियों का कहना है कि शहर की हवा में वायु प्रदूषण के पीछे वाहनों का धुआं और इससे निकलने वाली कार्बन गैस प्रमुख कारण है। सोमवार को महाशिवरात्रि के दूसरे दिन सुबह महाकाल मंदिर तथा इसके आसपास के क्षेत्र में लगे वायु प्रदूषण मापक यंत्रों पर हवा की गुणवत्ता का आंकड़ा सुबह सुबह से बढ़ने लगा था। जो बीती रात 9ः00 बजे तक बढ़कर यह 174 एक्यूआई तक पहुंच गया था। यह

निर्धारित मानक से लगभग 3 गुना अधिक था। आज भी सुबह यह 148 एक्यूआई तक पहुंच गया था। उल्लेखनीय है कि 2 दिन से महाशिवरात्रि पर महाकाल में दर्शन के लिए बाहर से बड़ी संख्या में श्रद्धालु आए और हजारों वाहन भी पहुंचे हैं। ऐसे में महाकाल क्षेत्र में वायु प्रदूषण का स्तर 120 एक्यूआई से ऊपर बना रहने का अनुमान लगाया जा रहा है। कुल मिलाकर महाकाल क्षेत्र में सुबह 9 बजे से लेकर रात 9 बजे तक पिछले कई महीनों से प्रदूषण का स्तर 120 एक्यूआई से ऊपर बना हुआ

बोहरा समाज में रमजान की शुरुआत, पूरे महीने चलेगा इबादत और रोज़े का दौर

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर में मंगलवार से बोहरा समाज का पवित्र रमजान माह शुरू हो गया। रमजान के पहले दिन सुबह से ही समाज के लोग मजारे नजमी पर एकत्रित हुए और विशेष दुआओं के साथ इबादत की।

रमजान सबसे पवित्र महीना माना जाता है। इस पूरे माह में रोज़ा रखा जाता है, पांचों वक्त की नमाज अदा की जाती है और कुरआन शरीफ की तिलावत की जाती है। बोहरा समाज में रमजान का विशेष महत्व होता है। समाजजन सुबह सहरी के बाद रोज़ा शुरू करते हैं और सूर्यास्त के समय इफ्तार कर रोज़ा खोलते हैं।

मजारे नजमी पर पहले दिन विशेष आयोजन हुआ, जहां समाज के वरिष्ठजन और युवा एक साथ उपस्थित रहे। बच्चों और महिलाओं में भी खास उत्साह देखने को मिला।

रमजान के दौरान समाज में आपसी भाईचारे, सेवा और जरूरतमंदों की मदद की परंपरा निभाई जाती है।

समाज के पदाधिकारियों ने बताया कि पूरे माह मस्जिदों और सामुदायिक स्थलों पर धार्मिक कार्यक्रम आयोजित होंगे। रमजान के आगमन से बोहरा समाज में श्रद्धा, अनुशासन और आध्यात्मिक वातावरण का संचार हो गया है। इधर मुस्लिम समाज द्वारा चांद दिखने पर आज या कल से रमजान माह की शुरुआत मानी जाएगी।

मालिक, प्रकाशक, मुद्रक विजय शर्मा द्वारा 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से प्रकाशित एवं भगवती ऑफसेट 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से मुद्रित। सम्पादक - विजय शर्मा, मो.नं. 94250-22499, फोन 0734-2553435 प्रधान संपादक : शुभम ताम्रकार (सभी वाद विवाद का न्याय क्षेत्र उज्जैन रहेगा)

समृद्ध किसान समृद्ध प्रदेश
किसान कल्याण वर्ष 2026
बेहतर भविष्य की ओर अन्नदाता
नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री
डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री
किसान सम्मेलन
आधुनिक कृषि पर केन्द्रित प्रदर्शनी
एवं
विकास कार्यों का भूमिपूजन तथा लोकार्पण
मुख्य अतिथि
डॉ. मोहन यादव
मुख्यमंत्री
18 फरवरी 2026 । अपराह्न 2:00 बजे । ग्राम कुलैथ, ग्वालियर
“किसान कल्याण वर्ष मनाने वाला मध्यप्रदेश, देश का पहला राज्य है हमारा लक्ष्य किसानों की आय बढ़ाकर उन्हें आधुनिक तकनीक से जोड़ते हुए समृद्ध और आत्मनिर्भर बनाना है। भविष्य में किसानों को सब्सिडी देकर उद्योगों में उनकी भागीदारी बढ़ाएंगे।”
-डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री
D11209/25
डॉ. मोहन यादव का अभ्युदय मध्यप्रदेश
सीधा प्रसारण
@Cmmadhyapradesh @jansampark.madhyapradesh
@Cmmadhyapradesh @jansamparkMP
JansamparkMP
मध्यप्रदेश जनसम्पर्क द्वारा जारी
आकल्पन : म.प्र. माध्यम/2026